जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

अजमेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

अजमेर, शनिवार 8 नवम्बर, 2025

अशुद्ध के विरुद्ध आन्दोलन अशुद्ध के विरुद्ध

KEDIA™ Pavitra

राजस्थान का सबसे तीखा मिर्च पाउडर

50,000+ SHU (तीखापन)

लाल मिर्च पाउडर

- तीखेपन के लिए गुंटूर की तेजा मिर्च
- स्वाद के लिए नमकीन में डालने वाली लौंगी मिर्च
- लाल रंग के लिए कश्मीरी बेडगी मिर्च

250 g | MRP: ₹ 150

FIXED PRICE

ORDER NOW:

- शरबती सुपीरियर आटा
- देशी चक्की आटा
- सूजी
- दलिया
- बेसन
- शरबती गेहूँ
- देशी गेहूँ
- लाकाडोंग हल्दी पाउडर
- मिर्च पाउडर
- धनिया पाउडर
- जीरा
- सौंफ
- चना दाल
- काला चना
- हरा चना
- काबुली चना
- हरा मूंग
- हरा मटर
- मसूर मलका
- मसूर दाल
- मूंग दाल
- मूंग दाल (छिलका)
- मोठ
- अरहर/तूर दाल
- उड़द दाल
- उड़द दाल (छिलका)
- राजमा चित्रा
- राजमा लाल
- राजमा कश्मीरी
- कैलिफोर्निया बादाम
- काजू
- पिस्ता
- किशमिश
- अखरोट
- मामरा बादाम

COMING SOON: चावल । पोहा । कुकिंग ऑयल । खड़े मसाले । चाय

ORDER ON WEBSITE

ORDER ON WHATSAPP

ORDER ON APP

एक्सप्रेस डिलीवरी सिर्फ एक कॉल पर

1800 120 2727

T&C Apply.

नजदीकी रिटेल स्टोर पर उपलब्ध !

विचार बिन्दु

उत्साह से बढ़कर कोई दूसरा बल नहीं है, उत्साही मनुष्य के लिए संसार में कोई भी वस्तु दुर्लभ नहीं है। –वाल्मीकि

निर्यात में राजस्थान की लंबी छलांग

राजस्थान ने वर्ष 2024–25 में 16.09 प्रतिशत विकास दर के साथ निर्यात के क्षेत्र में भी लंबी छलांग लगाई है। 2023–24 में प्रदेश से 83704 करोड़ 24 लाख रुपए के उत्पादों का विदेशों में निर्यात हुआ था। इसकी तुलना में 2024–25 में प्रदेश से 97171 करोड़ 68 लाख रुपये के उत्पादों का विदेशों में निर्यात हुआ है। निर्यात क्षेत्र में सर्वाधिक 57.09 प्रतिशत की विकास दर जेम एवं ज्वैलरी क्षेत्र में रही है। इसके बाद इलेक्ट्रोनिक्स और कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर क्षेत्र में 25 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी रही है। इंजीनियरिंग सेक्टर में 19.63 प्रतिशत और एग्रो और फूड प्रोसेसिंग सेक्टर में 10.92 प्रतिशत की तो माइनिंग क्षेत्र में 10.45 प्रतिशत की विकास दर के साथ उल्लेखनीय निर्यात हुआ है। राजस्थान द्वारा 17 सेक्टरों के उत्पादों का विदेशों में निर्यात किया जाता है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व व मार्गदर्शन में निर्यात के क्षेत्र में यह बडी सफलता मानी जानी चाहिए। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उद्योग एवं वाणिज्यमंत्री कर्नल राज्यवर्द्धन सिंह के योजनावद्ध प्रयासों का ही परिणाम रहा है कि राजस्थान ने निर्यात के क्षेत्र में नया इतिहास रचा है। केन्द्र सरकार द्वारा चालू वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही के जारी निर्यात आंकड़ें भी इस मायने में उत्साहित करने वाले हैं कि आलोच्य अवधि के गत वर्ष की तुलना में अप्रेल–जून 25 में भी 14.37 फीसदी विकास दर के साथ 25212 करोड़ से अधिक का निर्यात राजस्थान से हुआ है।

राजस्थान से टैक्सटाइल, एग्रो एवं फूड प्रोसेसिंग, जेम एवं ज्वैलरी, इंजीनियरिंग, फेरियस और नान फेरियस मेटल, डायमेंशनल स्टोनों में मार्बल, ग्रेनाइट और इनसे तैयार डेकोरेटिव उत्पाद, मिनरल फ्यूल्स आदि, इलेक्ट्रोनिक व कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर, वूल और वूलन उत्पाद, केमिकल और इसके सहउत्पाद, दवा एवं फार्मास्यूटिकल, प्लास्टिक और लिनोलियम्स, हैण्डीक्राफ्ट, लेदर एवं सहउत्पाद, रेडिमेड गारमेंट्स, कारपेट दरियां आदि व अन्य उत्पादों का प्रमुखता से निर्यात होता है। 2024–24 के दौरान जेम एवं ज्वैलरी के क्षेत्र में सर्वाधिक 57.9 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। इसी तरह से इलेक्ट्रोनिक और कम्प्यूटर साफ्टवेयर क्षेत्र में भी 25.21 फीसदी की अच्छी खासी विकास दर रही है। इंजीनियरिंग, एग्रो व फूड प्रोसेसिंग और माइनिंग सेध्टर में भी 10 प्रतिशत से अधिक की विकास दर के साथ निर्यात में बढ़ोतरी हुई है।

दरअसल राज्य सरकार की निर्यातोन्मुखी नीति और निर्यातकों को मार्गदर्शन, तकनीकी, आर्थिक और नीतिगत सहयोग का ही परिणाम रहा है कि राजस्थानी उत्पादों की विदेशों में मांग बढ़ी है तो निर्यातक भी प्रोत्साहित हुए हैं। राज्य सरकार ने कार्यभार संभालने के पहले साल में ही एक्सपोर्ट प्रमोशन पालिसी 2024, राजस्थान ओद्यौगिक प्रोत्साहन नीति रिप्स 2024, केन्द्र व राज्य सरकार की एक जिला एक उत्पाद नीति, एमएसएमई नीति 2024 से प्रदेश में निर्यात का माहौल बना है। इसके साथ ही सरकार द्वारा अपने कार्यकाल के पहले साल में ही राइजिंग राजस्थान ग्लोबल समिट की देश-विदेश में आक्रामक मार्केटिंग और फिर जयपुर में सफल आयोजन से भी निर्यात को पंख लगे हैं।

दरअसल राज्य सरकार की निर्यातोन्मुखी नीति और निर्यातकों को मार्गदर्शन, तकनीकी, आर्थिक और नीतिगत सहयोग का ही परिणाम रहा है कि राजस्थानी उत्पादों की विदेशों में मांग बढ़ी है तो निर्यातक भी प्रोत्साहित हुए हैं। राज्य सरकार ने कार्यभार संभालने के पहले साल में ही एक्सपोर्ट प्रमोशन पालिसी 2024, राजस्थान ओद्यौगिक प्रोत्साहन नीति रिप्स 2024, केन्द्र व राज्य सरकार की एक जिला एक उत्पाद नीति, एमएसएमई नीति 2024 से प्रदेश में निर्यात का माहौल बना है। इसके साथ ही सरकार द्वारा अपने कार्यकाल के पहले साल में ही राइजिंग राजस्थान ग्लोबल समिट की देश–विदेश में आक्रामक मार्केटिंग और फिर जयपुर में सफल आयोजन से भी निर्यात को पंख लगे हैं। निर्यात से बहुमुखी विकास की इबारत लिखी जाती है। एक तो विदेशों में प्रदेश की उत्पादों की मांग बढ़ती है, उत्पादों को विश्वव्यापी पहचान मिलती है वहीं स्थानीय स्तर पर औद्योगिक निवेश और औद्योगिक विकास, उत्पादन की गुणवत्ता के साथ ही युवा निर्यातकों को प्रोत्साहन मिलता है। स्थानीय स्तर पर कौशल विकास के साथ ही रोजगार के नए अवसर विकसित होते हैं। इन सबके साथ ही विदेशी पूंजी आती है।

अमेरिका की टैरिफ नीति और विदेशों में निर्यात की विपरीत परिस्थितियों के बावजूद राजस्थान के समग्र प्रयासों के सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो रहे हैं। राजस्थान सरकार अगले माह 10 दिसंबर को प्रवासी राजस्थान दिवस भी मनाने जा रही है। ऐसे में प्रवासी राजस्थानियों खासतौर से विदेशों में रह रहे राजस्थानी प्रवासियों के राजस्थान की धरा से जुड़ाव से निश्चित रुप से प्रदेश के युवा निर्यातकों, स्टार्टअप्स को संवाद और समन्वय का अवसर प्राप्त हो सकेगा अपितु युवा उद्यमियों को निर्यात में आने वाली व्यावहारिक समस्याओं, विदेशी धरती पर मांग और अंतरराष्ट्रीय मानकों से रुबरु होने का अवसर मिलेगा। इसके अलावा राजस्थान निर्यात संवर्द्धन परिषद को भी और अधिक एग्रेसिव रणनीति बनाते हुए युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए ओरयिंटेशन, अवेयरनेस, वर्कशॉप, सेमिनार आदि आदि कार्यक्रमों की सीरिज बनानी होगी ताकि निर्यात को और अधिक बढ़ावा दिया जा सके। युवा उद्यमियों के प्रोत्साहन से और अधिक बेहतर परिणाम प्राप्त हो सकेंगे।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

राशिफल शनिवार 8 नवम्बर, 2025

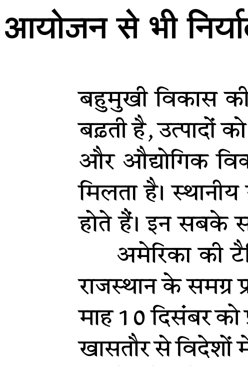

पंडित अनिल शर्मा

मार्गशीर्ष मास, कृष्ण पक्ष, तृतीया तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2082, मृगशिरा नक्षत्र रात्रि 10:02 तक, शिव योग सायं 6:32 तक, विष्टि करण प्रातः 7:33 तक, चन्द्रमा आज दिन 11:14 से मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–तुला, चन्द्रमा–वृष, मंगल–वृश्चिक, बुध–वृश्चिक, गुरू–कर्क, शुक्र–तुला, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह राशि में।

आज भद्रा प्रातः 7:33 तक है। आज चतुर्थी तिथि का क्षय हुआ है। आज सौभाग्य सुंदरी व्रत, चतुर्थी व्रत है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 8:06 से 9:28 तक, चर 12:11 से 1:32 तक, लाभ–अमृत 1:32 से 4:15 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 6:45, सूर्यास्त 5:36 तक

मेष
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

वृष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
आर्थिक/वित्तीय मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। धन हानि का भय है। दिन के मध्यान्ह पश्चात व्यावसायिक आर्थिक मामलों में प्रगति होगी।

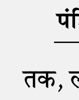

कर्क
संभावित धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच–विचार होगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात व्यक्तिगत परेशानियों के कारण मन में असंतोष बना रहेगा।

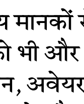

सिंह
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा।

कन्या
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक कार्य सुगमता से बनने लगेंगे।

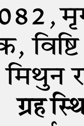

तुला
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। आज शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

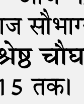

वृश्चिक
अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। दिन के मध्यान्ह पश्चात अष्टम चन्द्र शुभ नहीं है। व्यावसायिक खर्चों में वृद्धि होगी। व्यक्तिगत परेशानियों के कारण मानसिक तनाव रहेगा।

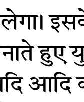

धनु
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

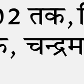

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक सफलता से मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा। आय में वृद्धि होगी। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है।

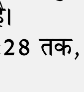

मीन
परिवार में शुभ–मांगलिक संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच–विचार हो सकत है।

डेढ़ सौ वर्ष से झर रहा है समरसता और आत्मीयता का महाप्रपात

भारत के कण-कण और जन-जन को एक सूत्र में बांधता है ''वंदे मातरम्''

आकांक्षा पालावत

दिल को सुकून देने वाले और दिमाग को राष्ट्रीयता की तरंगों में नहला देने का सामर्थ्य रखने वाले गीत वन्दे मातरम... की उम्र भले ही आज 150 वर्ष की हो गई हो, पर इसकी धड़कन आज भी उतनी ही जीवंत रहकर हर किसी में स्पन्दन जगाने और तरंगायित करने में अहम् है। वंदे मातरम् केवल एक गीत नहीं, बल्कि वह अखूट अजस्त्र भावधारा है जो भारत के कण–कण और जन–जन को एक सूत्र में बाँधती है। यह सिर्फ एक विचार नहीं था, बल्कि उत्प्रेरक शब्दों की एक जबर्दस्त क्रांति थी, जिसने सोए हुए राष्ट्र को जाग्रत कर ऊर्जावान किया।

इस गीत के शिल्पकार बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय के जीवन और उनकी उस चेतना को पहचानना, दरअसल स्वयं भारत की आत्मा को पहचानने के समान है। उनके शब्दों ने जिस भावना को जन्म दिया, वह आज भी हर तिरंगे की लहर में, हर भारतीय के हृदय में और हर नई सुबह के संकल्प में स्पंदित होती है। सन 1875, भारतीय नवजागरण का वह काल, जब भारत माता अंग्रेज़ी शासन की बेड़ियों में जकड़ी थी। निराशा और पराधीनता के घनघोर अंधकार में एक दीपक प्रज्वलित हुआ, बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय के रूप में। उन्होंने शब्दों को साधना बनाया और अपनी लेखनी से भारत की मौन आत्मा को स्वर दिया। उनकी रचना वंदे मातरम् वह दिव्य जागरण मन्त्र बनी, जिसने गुलामी के युग में स्वाधीनता की लौ जलाई और आज भी राष्ट्र के हृदय में श्रद्धा, स्वाभिमान और ऊर्जा का स्त्रोत बनी हुई है।

वह कलम जो शासन की नहीं, युग की आवाज़ बनी : 26 जून 1838 को बंगाल के 24 परगना ज़िले के कांठलपाड़ा गाँव में जन्मे बंकिमचंद्र के पिता यदुभूषण चट्टोपाध्याय ब्रिटिश शासन में डिप्टी कलेक्टर थे। विलक्षण मेधा–प्रज्ञा सम्पन्न बालक बंकिम ने आरंभ से ही असाधारण प्रतिभा दिखाई। 1858 में उन्होंने कलकत्ता विश्वविद्यालय से बी.ए. की उपाधि प्राप्त की। यह वही कालखण्ड था जब 1857 का संग्राम अपने अंत की ओर था, पर भारत के मन में उसकी चिनगारी अभी दहक रही थी। अंग्रेज़ी शिक्षा के बावजूद उनका मन भारतीय संस्कृति और परंपराओं से अनुप्राणित था। सरकारी सेवा में रहते हुए भी उन्होंने लेखनी को समाज–जागरण का माध्यम बनाया, वह कलम जो शासन की नहीं, युगीन चेतना जगाने वाली आवाज़ बनी।

साहित्यिक साधना और देशज चेतना : बंकिमचंद्र ने साहित्य को केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि समाज–चेतना और लोक जागरण का साधन बनाया। उनकी 'दुर्गेशनंदिनी', 'कपालकुंडला', 'विशवृक्ष' और 'आनंदमठ' जैसी कृतियों ने नारी, संस्कृति और राष्ट्रीय अस्मिता को नया जीवन दिया।

उनका उपन्यास 'आनंदमठ' मात्र एक कथा नहीं था; वह एक घोष था, एक ऐसे भारत का स्वप्न, जो भय और दासता से मुक्त हो। इसी में उन्होंने वह गीत रचा–वंदे मातरम्, जो मातृभूमि की आराधना का प्रतीक बन गया और स्वतंत्रता संग्राम की आत्मा में समाहित हो गया।

वंदे मातरम् : एक गीत, एक आन्दोलन, एक आत्मा

संस्कृत–बांग्ला मिश्रित भाषा में रचित वंदे मातरम् पहली बार 1875 में 'बंगदर्शन' पत्रिका में प्रकाशित हुआ और बाद में 'आनंदमठ' में शामिल किया गया। वंदे मातरम्, शुभ्र ज्योत्स्ना पुलकित यामिनी3 इन शब्दों में भारतभूमि देवी बनकर अवतरित होती है, शस्य–श्यामला, सुवासिनी, करुणामयी, किंतु परतंत्र। यह गीत केवल श्रद्धा नहीं, जागरण की पुकार था। 1896 में जब यह गीत पहली बार गूँजा, तो पूरा देश भावविभोर हो उठा। धीरे–धीरे वंदे मातरम् स्वतंत्रता का उद्घोष बन गया। जेलों की कोठरियों से लेकर रणभूमि तक, यह गीत साहस, बलिदान और समर्पण का प्रतीक बन गया। अरविंद घोष, लाला लाजपत राय, बिपिनचंद्र पाल और बाल गंगाधर तिलक जैसे नेताओं ने इसे अपने जीवन का सूत्र बना लिया।

गीत का दर्शन : राष्ट्रवाद का आध्यात्मिक स्वर

वंदे मातरम् केवल भावनाओं की अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि गहन दर्शन का सूत्र है। यहाँ मातृभूमि भौगोलिक नहीं, बल्कि आध्यात्मिक सत्ता है, हमारी चेतना का केंद्र। बंकिमचंद्र ने दिखाया कि सच्चा राष्ट्रवाद बाहरी नहीं, भीतरी भावना है; यह केवल शासन की संरचना नहीं, बल्कि आत्मा का स्पंदन है।

उनका यह दृष्टिकोण भारतीय संस्कृति के उस मूल सिद्धांत से जुड़ता है जहाँ भक्ति और देशभक्ति एक ही धारा में बहती हैं। वंदे मातरम् ने भारत के राष्ट्रवाद को आध्यात्मिक आधार दिया, जहाँ सेवा ही साधना है और मातृभूमि की वंदना ही धर्म। आज, जब वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण हो रहे हैं, यह केवल एक गीत की स्मृति नहीं, बल्कि भारत की आत्मा के पुनर्जागरण का महोत्सव है। 21वीं सदी का भारत जब विकसित राष्ट्र बनने की ओर बहुत तेजी से अग्रसर है, जब विज्ञान, संस्कृति, तकनीक और आत्मनिर्भरता एक साथ आगे बढ़ रहे हैं, तब यह गीत हमें स्मरण कराता है कि आधुनिकता की दिशा तभी सार्थक है जब वह मातृभूमि के प्रति श्रद्धा से जुड़ी हो।

आज के भारत में वंदे मातरम् किसी अधिवेशन या समारोह तक सीमित नहीं। यह हर नागरिक की निष्ठा, परिश्रम और संकल्प का अदृश्य संगीत है। डिजिटल इंडिया से लेकर हर घर तिरंगा तक, चंद्रयान से लेकर गंगा पुनर्जागरण तक, हर सफलता के पीछे यही आत्मस्वर गूँजता है कि हम सब एक हैं, क्योंकि हमारी माँ एक है।

बंकिमचंद्र की विरासत और हमारा उत्तरदायित्व : बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय बुद्धि और भावना, शासन और साधना, कर्म और काव्य के अद्भुत संगम थे। उन्होंने साहित्य को लोकचेतना का दीप बनाया, जिसने आगे चलकर सत्याग्रह', भारत के स्वप्न और इंकलाब को आलोकित किया।

आज, 150 वर्षों बाद, उनका यह संदेश और भी गहरा प्रतीत होता है कि राष्ट्र की प्रगति केवल तकनीकी उपलब्धियों में नहीं, बल्कि उसके नागरिकों की आत्मा में निहित है। बंकिमचंद्र ने राष्ट्रचेतना और देशभक्ति को जो दीप जलाया था, वह आज भी हर भारतीय के भीतर उजाला करता है।

माँ की वंदना ही सच्ची स्वतंत्रता : बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय का जीवन और उनका गीत हमें यह सिखाते हैं कि शब्दों में युगों को जगाने की शक्ति होती है। 'वंदे मातरम्' उसी शब्द शक्ति का शाश्वत प्रमाण है। एक ऐसा गीत जो जाति, धर्म, सम्प्रदाय और तमाम संकीर्णताओं से ऊपर उठकर एकता सिखाता है, सामाजिक समरसता का संदेश देता है, जो सीमाएँ नहीं, संवेदनाएँ जोड़ता है। आज जब भारत चरम आत्मविश्वास और सुदृढ़ संकल्पों को लेकर नए युग में प्रवेश कर चुका है, तब यह गीत हमें स्मरण कराता है कि माँ की वंदना ही सच्ची स्वतंत्रता है।

आज वन्दे मातरम् भारतीय आत्मा का मूल महामंत्र बनकर विश्वगुरु के विराट स्वरूप का बोध कराता प्रतीत होने के साथ ही स्वर्णिम वैश्विक प्रतिष्ठा का संकेत दे रहा है।

–आकांक्षा पालावत,
(सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी, जोधपुर)

एल्गोरिथम की तानाशाही: हमारी डिजिटल स्वतंत्रता पर मंडराता खतरा

सुरेंद्रसिंह शेखावत

आज के दौर में, जब हम खुद को सूचना के एक विशाल सागर में तैरता हुआ पाते हैं, तो एक अदृश्य शक्ति है जो हमारी यात्रा को नियंत्रित करती है, वह एल्गोरिथम है। ये गणितीय कोड, जो बड़ी टेक कंपनियों के सर्वरों में समाए हुए हैं, अब केवल जटिल गणनाएँ नहीं करते; वे चुपचाप हमारे जीवन के हर पहलू पर एक तानाशाही थोप रहे हैं। यह ''एल्गोरिथम की तानाशाही'' हमारे लोकतंत्र, हमारी व्यक्तिगत पसंद और हमारी सामूहिक चेतना के लिए एक गंभीर खतरा है।

एल्गोरिथम की तानाशाही का मूल उसके अदृश्य नियंत्रण में निहित है। सोशल मीडिया फ़ीड में अगली पोस्ट, सर्च इंजन में पहला परिणाम या ओटीटी प्लेटफॉर्म पर अगली फिल्म का सुझाव यह जो हम देखते है वह सब किसी निष्पक्ष चयन पर आधारित नहीं है। यह सब एक अत्यधिक निजीकृत और जटिल गणना का परिणाम है।

इन प्रणालियों का प्राथमिक उद्देश्य उपयोगकर्ता को संतुष्ट करना नहीं, बल्कि उसे प्लेटफॉर्म पर अधिकतम समय तक जोड़े रखना है, ताकि डेटा और विज्ञापन राजस्व को बढ़ाया जा सके। इस प्रक्रिया में, एल्गोरिथम हमें हमारे ही विचारों, पूर्वाग्रहों और रुचियों के घेरे में कैद कर देता है, जिसे फ़िल्टर बबल कहा जाता है। हम केवल वही सामग्री देखते हैं जो इस तंत्र को लगता है कि हमें पसंद आएगी जबकि विपरीत विचार या नई जानकारी जानबूझकर या अनजाने में हमसे दूर रखी जाती है। जिसका परिणाम यह होता है कि हमारी दुनिया संकीर्ण हो जाती है। हम उन लोगों और विचारों के प्रति असहिष्णु हो जाते हैं जो हमारे बबल से बाहर हैं। यह सामाजिक ध्रुवीकरण और वैचारिक विभाजन को बढ़ावा देता है, जिससे एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिए आवश्यक खुली बहस की गुंजाइश नहीं बचती और वास्तविक जानकारी हमारे तक नहीं पहुंच पाती। एल्गोरिथम की तानाशाही का सबसे खतरनाक प्रभाव लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं पर पड़ता है। राजनीतिक रूप से संवेदनशील जानकारी या भ्रामक समाचार को वायरल करने की एल्गोरिथम की क्षमता ने आधुनिक चुनाव और जनमत को एक खिलौना बना दिया है।

एल्गोरिथम अक्सर गुस्सा, भय और विभाजन पैदा करने वाली सामग्री को प्राथमिकता देते हैं, क्योंकि ऐसी सामग्री पर क्लिक और शेयर सबसे ज़्यादा होते हैं। इस तरह, अतिवादी या कट्टरपंथी विचारों को मुख्यधारा में लाकर, यह तंत्र जाने–अनजाने में लोकतंत्र की नींव को कमजोर कर रहे हैं। मतदाता अब तथ्यों के आधार पर निर्णय नहीं लेते, बल्कि उन भावनाओं के आधार पर लेते हैं जिन्हें एक अदृश्य कोड द्वारा कुशलता से हेरफेर किया गया है। इसके अलावा एल्गोरिथम सरकारों और एजेंसियों के लिए बड़े पैमाने पर निगरानी का एक शक्तिशाली उपकरण बन गया है। हमारे हर क्लिक, हर लाइक और हर खरीदारी को रिकॉर्ड करके, यह तंत्र हमारे व्यवहार, आदतों और कमजोरियों का एक विस्तृत प्रोफाइल बनाते हैं। यह डेटा न केवल विज्ञापन के लिए उपयोग होता है, बल्कि राजनीतिक रूप से संवेदनशील उद्देश्यों के लिए भी उपयोग किया जा सकता है, जिससे नागरिकों की व्यक्तिगत स्वतंत्रता और निजता खतरे में पड़ जाती है।

एल्गोरिथम की तानाशाही सिर्फ हमारी सूचना तक ही सीमित नहीं है, यह श्रम बाज़ार और सामाजिक न्याय को भी प्रभावित कर रही है। गिग इकोनॉमी में, ड्राइवरों और डिलीवरीबॉय को नियंत्रित करने वाले एल्गोरिथम अक्सर अपारदर्शी होते हैं, जिससे श्रमिकों को उनके काम की शर्तों, पारिश्रमिक और मूल्यांकन के बारे में कम या कोई जानकारी नहीं होती। यह एक नया डिजिटल लेबर फ़्यूडल सिस्टम है जहाँ मानव कर्मचारी एक कोड के अधीन हो जाते हैं।

इससे भी गंभीर बात यह है कि एल्गोरिथम, विशेष रूप से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में उपयोग किए जाने वाले, अक्सर अपने प्रशिक्षण डेटा में निहित मानवीय पूर्वाग्रहों को दोहराते हैं। यदि किसी एल्गोरिथम को ऐतिहासिक रूप से एक विशिष्ट लिंग या जाति के लोगों पर लागू किया गया है, तो वह उन पूर्वाग्रहों को सीख लेगा और नौकरी के आवेदनों को छाँटने, ऋण स्वीकृत करने या यहाँ तक कि आपराधिक न्याय प्रणाली में फैसले सुनाने में भी उन्हें दोहराएगा। इस प्रकार, एल्गोरिथम, जिसके निष्पक्ष होने की उम्मीद थी, सामाजिक असमानताओं को और भी गहरा कर देता है।

एल्गोरिथम की तानाशाही कोई विज्ञान–कल्पना की अवधारणा नहीं है, यह हमारी वर्तमान वास्तविकता है। इससे लड़ने के लिए हमें तीन मोर्चों पर काम करने की आवश्यकता है। पहला मोर्चा है जागरूकता का, एक नागरिक के रूप में हमें यह समझना होगा कि हम ऑनलाइन केवल सामग्री के उपभोक्ता नहीं हैं, बल्कि सिस्टम के उत्पाद हैं। हमें हर ऑनलाइन जानकारी को संदेह की दृष्टि से देखते हुए उसका सत्यापन करना होगा और सक्रिय रूप से विविध स्त्रोतों की तलाश करनी होगी। दूसरा मोर्चा विनियमन का है, सरकारों को इन एल्गोरिथम को नियंत्रित करने वाली बड़ी तकनीकी कंपनियों पर पारदर्शिता और जवाबदेही लागू करने के लिए सख्त कानून बनाने होंगे। हमें यह जानने का अधिकार है कि कौन सा कोड हमारे सामाजिक और राजनीतिक जीवन को प्रभावित कर रहा है। डेटा निजता कानून को मजबूत करने और व्यक्तिगत डेटा के व्यावसायिक उपयोग को नियंत्रित करने की आवश्यकता है। तीसरा मोर्चा है एल्गोरिथम का ऑडिट, तकनीकी ऑडिटिंग संस्थाओं का निर्माण किया जाना चाहिए जो यह जाँच सकें कि ए आई और एल्गोरिथम भेदभावपूर्ण या नुकसानदेह पूर्वाग्रहों के बिना काम कर रहे हैं। एल्गोरिथम एक उपकरण हैं, और किसी भी उपकरण की तरह, उनका उपयोग अच्छाई या बुराई के लिए किया जा सकता है। वर्तमान में, वे चुपचाप कुछ शक्तिशाली निगमों के एजेंडे को आगे बढ़ा रहे हैं, जो हमारी सामूहिक स्वतंत्रता के लिए खतरा है। अगर हम अपनी डिजिटल नियति को कोड के हाथों में जाने से रोकना चाहते हैं, तो अब समय आ गया है कि हम अपनी डिजिटल नागरिकता को गंभीरता से लें और इस अदृश्य तानाशाही को चुनौती दें। हमारी स्वतंत्रता, अंततः हमारी जागरूकता और एक्शन पर निर्भर करती है।

-सुरेंद्रसिंह शेखावत,
बीकानेर, (लेखक राजनीतिक कार्यकर्ता और स्वतंत्र टिप्पणीकार है)

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान के ऊर्जा क्षेत्र में बढ़ते कदम

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट नवीनीकरण बिजली उत्पादन लक्ष्य में बड़ी भूमिका निभा रहा है राजस्थान

- **सौर शक्ति से आत्मनिर्भरता की राह पर राजस्थान**
- **प्रदेश में आगामी वर्ष तक 11 हजार मेगावाट से अधिक क्षमता के सौर प्रोजेक्ट होंगे स्थापित**

राजस्थान ऊर्जा के क्षेत्र में एक नए स्वर्णिम अध्याय की ओर अग्रसर है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वर्ष 2030 तक देश में 500 गीगावाट नवीनीकरण बिजली उत्पादन के लक्ष्य को प्राप्त करने में राजस्थान को बहुत बड़ी भूमिका निभानी है। इसी को दृष्टिगत रखते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य में सोलर और विंड एनर्जी उत्पादन में बढ़ोतरी को औद्योगिक विकास से सीधा लिंक किया है। कम और प्रतिस्पर्धी कीमत पर बिजली उपलब्धता से उद्योग सेक्टर को बड़ा बूस्ट मिलेगा। मुख्यमंत्री की इसी दूरदृष्टि और ठोस नीति के परिणामस्वरूप आगामी वर्ष तक प्रदेश में 11 हजार मेगावाट से अधिक क्षमता के सौर ऊर्जा प्रोजेक्ट स्थापित किए जाएंगे। इस महत्वाकांक्षी योजना से न केवल राज्य की बिजली जरूरतें पूरी होंगी बल्कि राजस्थान देश के सौर ऊर्जा हब के रूप में अपनी स्थिति और सशक्त करेगा।

भविष्य की दिशा : हर घर और खेत तक ऊर्जा

राज्य में डिस्कॉम्स द्वारा भविष्य को ध्यान में रखते हुए कई महत्त्वपूर्ण कार्य योजनाएं लागू की जा रही हैं। प्रधानमंत्री कुसुम योजना के तहत अगले वर्ष तक 11 हजार मेगावाट क्षमता की सौर परियोजनाओं की स्थापना की जाएगी। इन परियोजनाओं से किसानों को दिन के समय में बिजली की सुविधा सुनिश्चित होगी और कृषि क्षेत्र में उत्पादकता बढ़ेगी। आर.डी.एस.एस. योजना के अंतर्गत प्रदेश में विद्युत वितरण तंत्र को और अधिक सशक्त बनाने का कार्य किया जा रहा है। इसके तहत 33 केवी के 63 नए सब–स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। साथ ही 33 केवी स्तर के 317 फीडरों और 11 केवी स्तर के 3744 फीडरों का विभाजन किया जाएगा। 11 केवी के 1300 कृषि एवं गैर–कृषि फीडरों का पृथक्करण और 27,963 किलोमीटर लंबी एलटी केबल बिछाने का कार्य भी किया जाएगा। इसके अतिरिक्त जिन 33/11 केवी सबस्टेशनों पर कुसुम योजना के घटक 'ए' एवं 'सी' के अंतर्गत संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं, वहां स्थापित संयंत्र की क्षमता के आधार पर प्राथमिकता से नए कृषि कनेक्शन जारी किए जाएंगे। सरकार का लक्ष्य है कि वर्ष 2027 तक राज्य के सभी जिलों में दिन के समय किसानों को बिजली उपलब्ध कराई जा सके।

बिजली वितरण का मजबूत तंत्र :- राज्य सरकार के वर्तमान कार्यकाल में विद्युत वितरण निगमों ने उल्लेखनीय उपलब्धियां दर्ज की हैं। राजस्थान में तीनों डिस्कॉम्स जयपुर, जोधपुर और अजमेर ने संयुक्त रूप से विद्युत वितरण व्यवस्था को तकनीकी रूप से सुदृढ़ बनाने की दिशा में ठोस कदम बढ़ाए हैं।

अब तक राज्य की सर्वकालिक अधिकतम विद्युत मांग 19,165 मेगावाट दर्ज की गई, जिसे बिना किसी विद्युत कटौती के पूरा किया गया। यह उपलब्धि राजस्थान को ऊर्जा प्रबंधन के क्षेत्र में अग्रणी राज्य के रूप में स्थापित करती है। तीनों डिस्कॉम्स में यूनिफाइड ऑनलाइन बिलिंग सिस्टम लागू किया गया है, जिससे उपभोक्ताओं को पारदर्शी और एकीकृत सेवाएं मिल रही हैं। सरकार के इस कार्यकाल में सितम्बर माह तक 8,76,036 घरेलू विद्युत कनेक्शन और 1 नवम्बर 2025 तक 1,83,570 कृषि कनेक्शन जारी किए जा चुके हैं। इसी अवधि में 33 केवी के 327 सब–स्टेशन स्थापित किए गए हैं, जिससे ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में आपूर्ति की गुणवत्ता बेहतर हुई है। राजस्थान में सौर ऊर्जा उत्पादन को गति देने के लिए पीएम–कुसुम योजना के अंतर्गत अब तक 2077 मेगावाट की क्षमता की 914 सौर परियोजनाएँ स्थापित की जा चुकी हैं। इनसे लगभग 1,35,000 किसान लाभान्वित हो रहे हैं। प्रधानमंत्री मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत अक्टूबर माह तक 95,727 रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं, जिनसे 392 मेगावाट सौर ऊर्जा क्षमता का उत्पादन हो रहा है।

राजस्थान का ऊर्जा तंत्र अब केवल वितरण तक सीमित नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। सौर ऊर्जा उत्पादन, वितरण तंत्र का आधुनिकीकरण और किसानों के हित में योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से प्रदेश आने वाले वर्षों में स्वच्छ, सतत और सशक्त ऊर्जा राज्य के रूप में उभरेगा।

आशीष जैन, सहायक निदेशक (जनसम्पर्क)।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 32 संख्याः 96 प्रभात अजमेर, शनिवार, 8 नवम्बर, 2025 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

‘उन्नीस सौ सैंतीस में राष्ट्रीय गान के चार छंद हटवाकर पं. नेहरू ने देश के विभाजन का बीज बोया था’

प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रीय गान वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगाँठ पर आयोजित समारोह में सार्वजनिक मंच से पं. नेहरू पर यह आरोप लगाया

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 नवम्बर। बिहार में दूसरे चरण के मतदान से पहले, जिसमें मुस्लिम बहुल सीमांचल जिले शामिल हैं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ‘‘वंदे मातरम्’’ विवाद को दोबारा छेड़ दिया है। उन्होंने 1937 में इस गीत से कुछ महत्वपूर्ण स्टैन्ज़ा हटाने के लिये, कांग्रेस, और विशेष रूप से पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू, की कड़ी आलोचना की है।

योगी आदित्यनाथ और गिरिराज सिंह जैसे कुछ नेताओं की इक्का-दुक्का टिप्पणियों को छोड़ दें, तो इस बार के बिहार चुनाव में भाजपा ने हिंदुत्व का मुद्दा नहीं उठाया है। चुनाव में बेरोजगारी, पलायन और विकास की कमी जैसे मुद्दे छाए रहे हैं। लेकिन मोदी ने वंदे मातरम् के मुद्दे को उठाकर हिंदू वोट बैंक को एकजुट करने की कोशिश की है।

- मोदी ने इस अवसर पर राष्ट्रीय गान के छंदों को पढ़कर सुनाया और कहा, कांग्रेस ने केवल प्रथम दो छंदों को स्वीकार करके राष्ट्रीय गान का स्वरूप दिया और चार छंद इतिहास में दफन हो गए।
- इस संदर्भ में भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सी.आर. केशवन ने 1937 का वह पत्र भी पेश किया जो नेहरू ने सुभाष चन्द्र बोस को लिखा था।
- उस पत्र में नेहरू जी ने लिखा था कि बाकी छंदों से मुसलमानों को आपत्ति हो सकती है।
- जैसा कि विदित ही है, चार छंदों में देश को दुर्गा, लक्ष्मी व सरस्वती का स्वरूप बताया गया है।
- केशवन के अनुसार, नेहरू जी के विचार एक ऐतिहासिक भूल थी, क्योंकि इससे देशभक्ति पूर्ण गान का राष्ट्रीय प्रतीक कमज़ोर हुआ।
- यहाँ यह भी उल्लेखनीय है कि अब तक के बिहार के चुनाव प्रचार में भाजपा ने हिन्दुत्व को केवल पृष्ठभूमि में ही रखा था। पर, दूसरे चरण में सीमांचल जिलों में मतदान होगा, जो मुस्लिम प्रभाव की सीटें हैं। सवाल यह उठ रहा है कि क्या सीमांचल क्षेत्र में मतदान से पूर्व वंदे मातरम् को विवाद के रूप में प्रस्तुत करके भाजपा अपना हिंदू वोट बैंक पक्का कर रही है।

राष्ट्रीय गीत की 150वीं वर्षगांठ के वर्षभर चलने वाले उत्सव का उद्घाटन करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने गीत के अहम पदों को हटाकर विभाजन के बीज बोए थे। इस अवसर पर, उन्होंने पूरे गीत का पाठ भी किया।

छह पदों के इस गीत ने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान जनता को एकजुट करने में बड़ी भूमिका निभाई थी। लेकिन इसके केवल पहले दो पदों को ही राष्ट्रीय गीत के रूप में स्वीकार किया गया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पूर्व विधायक मलिंगा के खिलाफ सुनवाई जयपुर में ही होगी

जयपुर, 7 नवंबर। सुप्रीम कोर्ट ने बिजली कंपनी के एईएन से मारपीट के मामले में पूर्व विधायक गिर्राज सिंह मलिंगा के खिलाफ धौलपुर की अदालत में चल रही सुनवाई को जयपुर की एससी, एसटी कोर्ट में ट्रांसफर करने के राजस्थान हाईकोर्ट के आदेश में दखल से इनकार कर दिया है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में दायर अपील को भी खारिज कर दिया है। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश गिर्राज सिंह मलिंगा की अपील को खारिज करते हुए दिए। अपील में राजस्थान हाईकोर्ट के गत जुलाई माह के आदेश को चुनौती दी गई थी।

- सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान हाई कोर्ट के केस जयपुर ट्राँसफर करने के निर्णय को बरकरार रखा।

अपील में कहा गया कि हाईकोर्ट की एकलपीठ ने केस को गलत तरीके से दूसरे जिले में ट्रांसफर किया है। इसके अलावा शिकायतकर्ता के परिजन वकील हैं और जयपुर में प्रैक्टिस करते हैं। ऐसे में वे सुनवाई में व्यवधान डालते हैं। इसलिए मामले को वापस धौलपुर या भरतपुर कोर्ट में शिफ्ट किया जाए। पीड़ित हर्षाधिपति की ओर से कहा गया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

‘छठ पूजा के अवसर पर घर लौटे बिहारी चुनाव का अबूझ रहस्यमय पहलू हैं’

ये प्रवासी बिहारी मतदान तक वापस नहीं लौटे और उन्होंने जमकर वोटिंग की, ऐसा प्रशांत किशोर का मानना है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 नवम्बर। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने शुक्रवार को कहा कि छठ पर्व के लिए बिहार लौटे वे प्रवासी, जो अब तक अपने काम की जगहों पर वापस नहीं गए हैं, विधानसभा चुनावों में ‘‘एक्स फैक्टर’’ साबित हो सकते हैं।

पूर्व राजनीतिक रणनीतिकार, जिनकी नई पार्टी को, विभिन्न सर्वेक्षणों और जनमत संग्रहों के अनुसार, ‘‘प्रवासियों’’ के बीच काफी समर्थन मिल रहा है, ने यह दावा पहले चरण के मतदान के बाद किया, जिसमें रिकॉर्ड 64.66 प्रतिशत मतदान हुआ।

किशोर ने कहा, ‘‘स्वतंत्रता के बाद से अब तक का सबसे अधिक मतदान यही साबित करता है कि बिहार में बदलाव की बहुत ही जबरदस्त इच्छा है। यहाँ के लोग लगभग 30 साल से एक राजनीतिक जड़ता में फंसे हुए हैं।’’

उन्होंने कहा कि अब लोगों को एक नई उम्मीद की झलक दिख रही है, क्योंकि उनकी एक साल पुरानी पार्टी एक व्यवहारिक और मजबूत विकल्प के रूप में उभरी है।

- प्रशांत किशोर का यह भी कहना है कि मतदान प्रतिशत में जो ऐतिहासिक वृद्धि हुई है, उसका कारण भी इन्हीं प्रवासियों का वोट है।
- प्रशांत किशोर का यह भी दावा है कि उनकी जन सुराज पार्टी ने इन प्रवासी बिहारियों की सोच पर बहुत प्रभाव डाला है।
- जैसा कि इन बिहारी प्रवासियों के विभिन्न ओपिनियन पोल सर्वे से स्पष्ट नज़र आया।
- प्रशांत किशोर ने यह भी पुरजोर ढंग से कहा कि बिहारियों में परिवर्तन की भारी और गहरी चाहत है और वे गत तीस साल से राजनीतिक दलदल में फंस गए थे और निकलने क लिए छटपटा रहे थे।
- अब उनकी पार्टी एक राजनीति विकल्प के रूप में सामने आई है और बिहारियों में आशा की किरण जगी है। यह भी अभूतपूर्व मतदान का एक कारण है।

साल 2005 से सत्ता में रहे एनडीए की आलोचना करते हुए जन सुराज पार्टी के संस्थापक ने कहा, ‘‘इन लोगों को लगा था कि वे महिलाओं को कुछ खैरात और रियायतें देकर चुनाव जीत सकते हैं। हाँ, महिलाएं बड़ी संख्या में वोट देने आईं, लेकिन इस चुनाव में असली ‘‘एक्स फैक्टर’’ प्रवासी ही हैं।’’

चीन के युद्ध पोतों की संख्या अमेरिकी नौसैनिक पोतों से 20 प्रतिशत ज्यादा हो चुकी है

और हाल ही में चीन ने अपने नवीनतम एयरक्राफ्ट कैरियर ‘‘फुजियान’’ को नौसेना में शामिल किया, जो तकनीकी दृष्टि से भी कमज़ोर नहीं है और उसके नौसैनिक जहाज अमेरिका के नौसैनिक जहाजों से आगे निकल रहे हैं

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 नवम्बर। चीन ने इस सप्ताह अपने नवीनतम विमानवाहक पोत ‘‘फुजियान’’ को नौसेना में शामिल कर लिया, जिससे यह बात एक बार फिर साबित हो गई है कि जहाजों की संख्या के लिहाज़ से चीन अब दुनिया की सबसे बड़ी समुद्री नौसेना है।

फुजियान विमानवाहक पोत आकार और क्षमता दोनों में अमेरिकी नौसेना के सबसे बड़े पोतों के बराबर है। इसे पूरी तरह चीन में ही एक घरेलू शिपयार्ड में तैयार किया गया है। इसमें एक विशेष विमान लिफ्ट प्रणाली (एयरक्राफ्ट लिफ्ट सिस्टम) लगाई गई है, जो इसके विमानों को हथियारों और ईंधन के अधिक भार के साथ आसानी से उड़ान भरने में सक्षम बनाती है।

- यह स्थिति अमेरिका के लिए चुनौतीपूर्ण तो है ही, पर, भारत के लिए भी चिंता का विषय है।
- चीन के नौसैनिक जहाज हिंद महासागर में आए दिन अतिक्रमण और घुसपैठ करते रहे हैं और कभी भी आमने-सामने की स्थिति बन सकती है।
- वैसे भी चीन साउथ चाइना सी को अपना प्ले ग्राउण्ड मानता रहा है।
- फिलीपींस, इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और वियतनाम, चीन की इस दादागिरी से काफी त्रसित हैं। पर, विरोध करने की स्थिति में नहीं हैं, लगभग ऐसी ही स्थिति भारत की हिंद महासागर के संदर्भ में है।

‘‘इलो वा-ट्र ी मौ ग्नो ाटिवा कैटापल्ट’’ नामक यह विशेष विमान

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजकॉम्प में करोड़ों के फर्जीवाड़े पर हाई कोर्ट ने जवाब मांगा

जयपुर, 7 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने राजकॉम्प के लीगल मेट्रोलॉजी एवं ईपीडीएस प्रोजेक्ट में करोड़ों रुपए के फर्जीवाड़े के मामले में कार्मिक सचिव, आईटी सचिव और एसीबी डीजी से जवाब मांगा है। जस्टिस आनंद शर्मा की एकलपीठ ने यह आदेश

- अदालत ने कार्मिक सचिव, आईटी सचिव तथा एसीबी डीजी से जवाब तलब किया है।

पब्लिक अगेंस्ट करप्शन की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता पीसी भंडारी ने अदालत को बताया कि राजकॉम्प के लीगल मेट्रोलॉजी एंड ईपीडीएस प्रोजेक्ट में दो लोगों को साल 2020 तक करीब तीन लाख रुपए प्रतिमाह के आधार पर नियुक्त किया गया। जिसे बार-बार कांट छांट कर 2022 तक बढ़ ाया गया। इसी तरह ईपीडीएस प्रोजेक्ट में पोस मशीन की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अधिकतर देश के इकॉनमिस्ट एसबीआई के अध्यक्ष शेट्टी के आंकलन से सहमत हैं

शेट्टी का मानना है कि आंकड़ों की दृष्टि से भारत की जीडीपी आदि का मापदंड कुछ ज्यादा ही आशाजनक तस्वीर पेश करते हैं

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 6 नवंबर। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) की दूसरी तिमाही के नतीजों की घोषणा के बाद बोलते हुए चेयरमैन सी.एस. शेट्टी ने भारत की अर्थव्यवस्था के भविष्य को लेकर सतर्क आशावाद जताया। उन्होंने एक ऐसे देश की तस्वीर पेश की, जो वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भी लचीला और मजबूत बना हुआ है। लेकिन इस आत्मविश्वास के पीछे एक जटिल सच्चाई भी छिपी है, जो यह संकेत देती है कि भारत की वृद्धि भले ही मजबूत दिख रही हो, पर वह अभी पूरी तरह सुरक्षित नहीं है।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के अनुसार, वर्ष 2025 में ग्लोबल जीडीपी वृद्धि लगभग 3.2 प्रतिशत रहने का अनुमान है। इसके मुकाबले, भारत की जीडीपी के वित्त वर्ष 2025-26 में 6.8 प्रतिशत और 2026-27 में 6.6 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है, जिससे भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा। शेट्टी ने इसका श्रेय मजबूत निवेश, ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सुधार और बढ़ती खपत को दिया। आंकड़े उत्साहजनक हैं, लेकिन कुछ विश्लेषक चेतावनी देते हैं कि इनके पीछे कई गहरी कमजोरियां छिपी हैं, जैसे कि ऋण और जमा राशि की वृद्धि में बढ़ता अंतर, लगातार बनी हुई महंगाई और अलग-अलग क्षेत्रों में असमान सुधार।

- इन अर्थशास्त्रियों के अनुसार, भारत की इकॉनमी की हालत ठीक तो है, पर, सिस्टम में काफी आंतरिक कमज़ोरियाँ भी हैं, जिनसे सावधान रहना जरूरी है।

शेट्टी ने बताया कि अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों में ऋण वृद्धि 11.5 प्रतिशत है, जबकि जमा वृद्धि केवल 9.5 प्रतिशत पर अटकी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि अगले वित्त वर्ष में दोनों 11 से 12 प्रतिशत के आसपास स्थिर हो जाएंगे। हालांकि, यह आशावाद अतिशयोक्तिपूर्ण हो सकता है। लेकिन अर्थशास्त्री आगाह करते हैं कि जमा वृद्धि में धीमी वृद्धि परिवारों की कमजोर वित्तीय स्थिति और घटती बचत को दिखाती है, क्योंकि बढ़ती महंगाई से लोगों की वास्तविक आय घट रही है। अगर यह स्थिति जारी रही, तो बैंकों के लिए कर्ज देने की क्षमता सीमित हो जाएगी, जिससे उन्हें थोक उधारी या ऊंची ब्याज दरों पर निर्भर होना पड़ेगा, जो उनके मुनाफे पर दबाव डालेगा।

नोमुरा की मुख्य अर्थशास्त्री सोनल वर्मा के अनुसार, ‘‘लोग अब अपनी बचत का इस्तेमाल रोजमर्रा की खपत के लिए करने लगे हैं। यह दीर्घकालिक वृद्धि का टिकाऊ आधार नहीं है।’’

इसके अलावा, घरेलू मांग भले ही कागज़ों पर मजबूत दिख रही हो, पर उसका बड़ा हिस्सा अमीर तबके की खपत से आ रहा है। शहरी इलाकों में गाड़ियों, मकानों और उपभोक्ता वस्तुओं की खरीद बढ़ी है, लेकिन ग्रामीण खपत, जो असली आर्थिक सुधार का पैमाना मानी जाती है, अब भी कमजोर है। अनियमित मानसून, ठहरी हुई ग्रामीण मजदूरी और कृषि आय में कमी ने ग्रामीण मांग को दबा दिया है। इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च के मुख्य अर्थशास्त्री देवेंद्र पंत ने कहा, ‘‘ग्रामीण क्षेत्रों में सुधार की बात शायद अभी जल्दबाजी होगी। हम कुछ क्षेत्रों में सुधार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शराबी डम्पर चालक की पैरवी से वकीलों का इन्कार

जयपुर, 7 नवंबर। हरमाड़ा थाना इलाके में शराब के नशे में धुत्त होकर 14 लोगों को मौत के घाट उतारने वाले डंपर चालक कल्याण मीणा को चौमूं के अपर सिविल न्यायाधीश एवं महानगर मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया। जहां

- शराब के नशे में धुत्त डम्पर चालक ने 14 लोगों को कुचल दिया था।

से न्यायालय ने उसे 15 दिन की न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। इस भीषण हादसे को देखते हुए वकीलों ने डंपर चालक कल्याण मीणा की पैरवी करने से इंकार कर दिया। न्यायालय ने आरोपी कल्याण मीणा को पेश करने के साथ ही पुलिस को इस मामले में गंभीर धाराओं के तहत अनुसंधान करने के आदेश दिए। कोर्ट की कार्यवाही के दौरान सरकार की ओर से अभियोजन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

फीफा ट्रंप को शांति पुरुस्कार देने की तैयारी में है

फीफा के अध्यक्ष जियानी इन्फैंटीनो, ट्रंप के नज़दीकी समर्थक हैं और 2026 में फीफा कप के आयोजन के लिए अमेरिका की निविदा के प्रबल समर्थक हैं

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 नवम्बर। जब इस हफ्ते फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो से पूछा गया कि क्या डॉनल्ड ट्रम्प को नया फीफा शांति पुरस्कार मिलेगा, तो उन्होंने मुस्कराते हुए कहा, 5 दिसंबर को आप देख लेंगे। इस एक वाक्य ने वाशिंगटन डी.सी. में होने वाले विश्व कप ड्रॉ से पहले तरह-तरह के कयासों का तूफान खड़ा कर दिया है, जहां यह पहला पुरस्कार दिया जाएगा।

इसके बाद जो सवाल उठता है, वह यह है कि नोबल शांति पुरस्कार की तुलना में फीफा शांति पुरस्कार की अहमियत क्या होगी।

नोबेल शांति पुरस्कार, जिसे 1895 में अल्फ्रेड नोबेल ने स्थापित किया था, लंबे समय से दुनिया के नैतिक दिशासूचक के रूप में जाना जाता है। नॉर्वेजियन संसद के अधीन एक स्वतंत्र समिति द्वारा संचालित इस पुरस्कार ने नेल्सन मंडेला और मलाला यूसुफज़ई से लेकर संयुक्त राष्ट्र के विश्व खाद्य कार्यक्रम तक, कई बार, इतिहास को आकार दिया है। भले ही यह कभी-कभी विवादास्पद रहा हो, जैसे बराक ओबामा को 2009 में या 1994 में यासिर अराफात और राबिन को दिये गये पुरस्कार, लेकिन नोबेल पुरस्कार की साख इसकी स्वतंत्रता और नैतिक उद्देश्य से उपजी है।

इसके विपरीत, फीफा का नया शांति पुरस्कार एक ऐसे खेल संगठन की पहल है, जो अपनी अंतरात्मा की आवाज से ज्यादा अरबों डॉलर की स्पॉन्सरशिप और भ्रष्टाचार घोटालों के लिये जाना जाता है। ‘‘फुटबॉल यूनाइट्स द वर्ल्ड’’ नामक यह पुरस्कार ‘‘शांति के लिए असाधारण कार्यों’’ का सम्मान करने का दावा करता है। लेकिन इसमें न तो नामांकन की कोई स्पष्ट प्रक्रिया है, न ही जूरी की जानकारी सार्वजनिक की गई है, इसलिए इसकी विश्वसनीयता पूरी तरह फीफा के शब्दों पर टिकी है।

- अतः इन्फैंटिनो द्वारा पाँच दिसम्बर को वॉशिंगटन में निविदाओं पर अंतिम निर्णय लिया जायेगा।
- इन्फैंटिनो इस मौके को ट्रंप को उपकारित करने का अच्छा अवसर मानते हैं। फीफा पीस प्राइस दे कर।
- ट्रंप को भी इस ‘‘सम्मान’’ से राजनीतिक लाभ मिलने की अपेक्षा है, क्योंकि वॉशिंगटन के कैनेडी सैंटर में ट्रंप को इस सम्मान से नवाजा जा सकता है।
- पर, अहं सवाल यह है कि फीफा शांति पुरुस्कार की नोबेल पीस प्राइस से तुलना होगी ही और फीफा सम्मान बहुत फीका नज़र आयेगा, नोबल पीस प्राइस के समक्ष।
- नोबल पीस प्राइस 1895 से दिया जा रहा है और वह राजनीति से अपने आप को अछूता रखता है। दूसरी ओर फीफा विवादित स्पॉन्सरशिप व कॉमर्शियल राईट्स से सदा से ग्रसित रहा है।

अगर यह पुरस्कार ट्रम्प को दिया गया, तो इसे एक राजनीति नाटक के रुप में देखा जाएगा। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प, इन्फेंटिनो के घनिष्ठ सहयोगी रहे हैं और 2026 विश्व कप की संयुक्त मेज़बानी (अमेरिका, कैनडा और मेक्सिको) के प्रबल समर्थक भी रहे हैं। ऐसे में ‘‘शांति’’ के नाम पर दिया गया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आरएएस का बंद लिफाफा खोल परिणाम जारी करें

जयपुर, 7 नवंबर। राजस्थान सिविल सेवा अपीलीय अधिकरण ने राज्य सरकार को आदेश दिए हैं कि वह आरएएस हायर सुपर टाइम स्केल में साल 2021-2022 की रिक्ति के विरुद्ध राजस्व मंडल के पूर्व सदस्य

- अपीलीय अधिकरण ने कहा कि ऐसा प्रमोशन एसीबी कोर्ट के फैसले के अधीन रहेगा।

भंवरलाल मेहरडा की पदोन्नति के परिणाम का बंद लिफाफा खोलकर परिणाम जारी करे। यदि वह योग्य पाया जाता है तो उसे उस तिथि से पदोन्नत किया जाए, जिस तिथि से उसके जूनियर अफसरों को प्रमोशन मिला है। अधिकरण ने स्पष्ट किया है कि यह पदोन्नति एसीबी कोर्ट में लंबित प्रकरण के फैसले के अधीन रहेगी। अधिकरण ने यह आदेश भंवरलाल मेहरडा की अपील पर सुनवाई करते हुए दिए।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सार-समाचार

निःशुल्क मल्टी स्पेशलिस्ट चिकित्सा जांच व निदान शिविर

ब्यावर (निसं)। ओसवाल जैन संघ संस्थान के तत्वावधान में सिटी डिस्पेसरी,मेवाड़ी गेट के पास 9 नवम्बर को सुबह 9.00 दोपहर 3.00 बजे तक शैल्बी हॉस्पिटल,अहमदाबाद के सहयोग से वरिष्ठ चिकित्सकों द्वारा हड्डी व जोड़ रोग,पेट व आंत रोग,कमर दर्द व कैंसर के रोगियों का निःशुल्क निदान किया जायेगा।शिविर संयोजक उत्तमचंद भंडारी ने जानकारी देते हुए बताया कि शिविर में फिजियोथेरेपिस्ट की सुविधाएं भी उपलब्ध रहेगी। साथ ही लाल पैथ लैब,तेलियान चोपड़ा द्वारा रियायती दरों पर जांचों की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।रजिस्ट्रेशन सुबह8.00 बजे से करवाये जा सकेंगे। संघ अध्यक्ष अनिल डोसी ने बताया कि संबंधित विशेषज्ञों द्वारा बीमारी से बचने की जानकारी भी प्रदान की जाएगी।इस निःशुल्क चिकित्सा शिविर में वरिष्ठ विशेषज्ञों की टीम जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन डा. वीरल गौंडलिया,गैस्ट्रो सर्जन डा.सौरभ दामानी, स्पाईन सर्जन डा.शिव कुमार बाली,हेड एंड नेक ओंको सर्जन डा. शिवम् पांड्या,जोड़ों के दर्द,गठिया एवं कृत्रिम जोड़ प्रत्यारोपण विशेषज्ञ एवं डा. विक्रम शाह के सहयोगी डा.राज लिंबानी,फ़िजियोथेरेपिस्ट डा.सुनील सोनी आदि विशेषज्ञ अपनी सेवाएं प्रदान करेंगें।

विशेष मध्यस्थता शिविर बेंचों का आयोजन

ब्यावर (निसं) मेडिएशन फॉर नेशन राष्ट्रीय अभियान के तहत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से 12 से 15 नवम्बर, 2025 तक न्यायालय परिसर में विशेष मध्यस्थता शिविर बेंचों का आयोजन किया जाएगा। इस विशेष पहल का उद्देश्य आपसी सहमति से विवादों का समाधान कर लंबित मामलों में कमी लाना तथा जनता को मध्यस्थता की प्रक्रिया से जोड़ना है। इन सुलह शिविरों में वैवाहिक विवाद, मोटर दुर्घटना, चेक बाउंस, भरण-पोषण सहित अन्य सुलह योग्य मामलों को प्राथमिकता से लिया जाएगा। मध्यस्थ पक्षकारों को आपसी सहमति से विवाद निपटाने में सहायता प्रदान करेंगे। शिविर अवधि के दौरान जनजागरूकता के ज़रिए अधिक से अधिक पक्षकार को इस प्रक्रिया से लाभान्वित करने के प्रयास किए जाएँगे ।जिला एवं सत्र न्यायाधीश दिनेश कुमार गुप्ता, अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, ने बताया कि मध्यस्थता एक प्रभावी, त्वरित एवं किफायती माध्यम है, जिससे न केवल समय और धन की बचत होती है, बल्कि पक्षकारों के बीच आपसी सौहार्द भी बना रहता है।उन्होंने अधिवक्ताओं, पक्षकारों एवं आमजन से अपील की है कि वे अपने सुलह योग्य मामलों को इन विशेष सत्रों में प्रस्तुत करें तथा अभियान को सफल बनाने में सहभागिता निभाएं।

नसीराबाद में मनाया गया एनईपी मेला

अजमेर,(निसं)। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के प्रमुख सिद्धांतों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से शुक्रवार को पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, नसीराबाद में एनईपी मेला उत्साह पूर्वक मनाया गया। इस मौके पर विद्यार्थियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई और सीएलए अवधि के दौरान विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। सीएलए प्रभारी रेखा मीणा ने बताया कि मेले का शुभारंभ प्रधानाचार्य आर.सी. मीणा और प्रधानाध्यापक अजय कुमार ने किया। प्रधानाचार्य मीणा ने कहा कि मेले का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में एनईपी 2020 के प्रमुख सिद्धांतों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और अनुभवात्मक एवं आनंददायी शिक्षण को प्रोत्साहित करना है। मेले में विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों ने सुंदर चार्ट, जानकारीपूर्ण मॉडल और रचनात्मक प्रदर्शनी प्रस्तुत की, जिनमें एनईपी 2020 के महत्वपूर्ण पहलुओं जैसे मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान, कौशल विकास, व्यावसायिक शिक्षा, कला एकीकृत शिक्षा, अनुभवात्मक और बहु विषयक दृष्टिकोण को दर्शाया गया। विद्यार्थियों को अपनी रचनात्मकता और नई शिक्षा नीति की समझ को मज़ेदार और सार्थक तरीके से प्रदर्शित करने का अवसर मिला। प्रधानाचार्य ने शिक्षकों और विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए सभी को एनईपी 2020 की भावना को अपने दैनिक शिक्षण में अपनाने के लिए प्रेरित किया। एनईपी मेला सफल रहा, जिसने विद्यार्थियों और शिक्षकों में नवाचार, सहयोग और आनंददायी शिक्षण की भावना को प्रोत्साहित किया।

जागरूकता शिविर का आयोजन

ब्यावर (निसं) जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अध्यक्ष तथा सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रमांक-3, ब्यावर पंकज सांखला द्वारा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, गोविंदपुर, ब्यावर में अभियान के तहत एक विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।शिविर के दौरान विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से बताया गया तथा उन्हें यह समझाया गया कि नशा न केवल व्यक्ति के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को नष्ट करता है, बल्कि परिवार और समाज पर भी इसके गंभीर दुष्प्रभाव पड़ते हैं।इसके साथ ही बाल विवाह के दुष्प्रभाव, बच्चों की शिक्षा में बाधाएं, किशोर गर्भावस्था एवं मातृ स्वास्थ्य से संबंधित समस्याएं, मानसिक स्वास्थ्य, घरेलू हिंसा, शोषण तथा जबरन श्रम जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।शिविर में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को सामाजिक बुराइयों से दूर रहने, नशे से मुक्त रहने तथा अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति सजग रहने का आ ान किया गया।

संभागीय अध्यक्ष की अधिकारिक यात्रा संपन्न

अजमेर(निसं)। लायंस क्लब अजमेर द्वारा प्रांत 3233 ई 2 संभाग एक के संभागीय अध्यक्ष लायन हरीश गर्ग की सद्भावना यात्रा मानसरोवर स्थित लायंस भवन के सभागृह में क्लब अध्यक्ष लायन अशोक जैन की अध्यक्षता में संपन्न कराई गई। डिस्ट्रिक्ट चीफ मीडिया कोऑर्डिनेटर लायन राजेंद्र गांधी ने बताया कि क्लब की सेवा गतिविधियों एवं भावी योजनाओं की जानकारी देने एवं प्रांत द्वारा निर्देशित कार्यक्रम से अवगत कराने के लिए संभागीय अध्यक्ष की अधिकारिक यात्रा कराई गई। लायन राजीव गर्ग ने मंच संचालन किया। क्लब सचिव लायन मनीष शर्मा ने सचिवीय प्रतिवेदन पढ़ा। कोषाध्यक्ष अशोक बंसल ने आय व्यय का ब्यौरा पेश किया। ध्वज वंदना लायन कृष्णा गर्ग ने पढ़ी । सेवा कार्यों के तहत लायन हनुमान दयाल ऊषा बंसल के सहयोग से एक जरूरतमंद महिला को सिलाई मशीन प्रदान की गई। इससे पूर्व अतिथियों ने लायंस के जनक मेलविन जॉन्स की तस्वीर पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। कार्यक्रम में पूर्व प्रांतपाल लायन सुधीर सोगानी, लायन नरपतराज भंडारी, लायन हेमा केवलरमाणी, लायन टीकमचंद जैन, लायन दिनेश लाहोटी, लायन शारदा टंडन, लायन आभा गांधी, लायन संजय शर्मा, लायन एन के माथुर, लायन रमेश तापडिय़ा, लायन वी एन अरोरा, लायन जी डी वृंदानी, लायन डी के मेहता, लायन भागू इसरानी सहित अन्य उपस्थित थे।

महर्षि दयानंद सरस्वती निर्वाण स्थली का दौरा

अजमेर(निसं)। आर्य प्रतिनिधि सभा फिजी के प्रधान कमलेश आर्य ने अजमेर स्थित महर्षि दयानंद सरस्वती निर्वाण स्थली का दौरा किया। यह दौरा महर्षि दयानंद सरस्वती के प्रति उनकी गहरी श्रद्धा और वैश्विक आर्यसमाज के जुड़ाव को दर्शाता है। निर्वाण स्मारक न्यास पहुँचने पर, न्यास के संरक्षक एवं पूर्व विधायक डॉक्टर श्रीगोपाल बाहेती ने सभी गणमान्य अतिथियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। डॉक्टर बाहेती ने उन्हें महर्षि दयानंद सरस्वती निर्वाण स्मारक न्यास द्वारा संचालित महत्वपूर्ण गतिविधियों और कार्यों से विस्तारपूर्वक अवगत कराया, जिनमें स्मारक का रखरखाव, वैदिक संस्कृति का प्रचार-प्रसार और सामाजिक कार्य शामिल हैं। कमलेश आर्य ने महर्षि की तप और साधना भूमि का दर्शन कर अपनी कृतज्ञता व्यक्त की और न्यास के कार्यों की सराहना की। कमलेश आर्य के साथ राजस्थान उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश व लोकायुक्त जस्टिस सज्जन सिंह कोठारी, लोकायुक्त परोपकारिणी सभा के प्रधान ओम मुनि , वरिष्ठ पत्रकार वीरेंद्र आर्य व सत्यनारायण शर्मा भी उपस्थित रहे।

शोक संवेदना व्यक्त की

अजमेर (निसं)। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन पूर्वी राजस्थान इकाई के प्रदेश व जिला पदाधिकारियों ने राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की धर्मपत्नी स्वर्गीय इंदिरा देवनानी के देवलोकगमन पर शुक्रवार को उनके संत कंवर राम कॉलोनी स्थित निवास पर पहुंचकर स्वर्गीय इंदिरा देवनानी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया व श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर संस्था पदाधिकारियों ने वासुदेव देवनानी से मिलकर उनके शोक संतप्त परिवार के प्रति भी शोक संवेदना प्रकट की तथा संस्था की और से शोक संदेश भी सौंपा। देवनानी को सौंपे शोक संदेश में लिखा गया कि स्वर्गीय इंदिरा देवनानी के स्वर्गवास का समाचार जानकर अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन, पूर्वी राजस्थान इकाई के पदाधिकारियों को गहरा आघात लगा है।

वन्दे मातरम् गीत नहीं राष्ट्र की आत्मा :केंद्रीय मंत्री चौधरी

■ **पुलिस लाइन मैदान में एक साथ गूंजा वंदे मातरम्, पांच हजार से अधिक लोगों ने लिया भाग**

अजमेर, (निसं)। वन्दे मातरम् 150- के कार्यक्रमों की श्रृंखला में जिला स्तरीय सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन शुक्रवार को पुलिस लाइन मैदान में किया गया। इस मौके पर 5230 से अधिक लोगों ने वन्दे मातरम् का सामूहिक गायन किया। स्वतंत्रता सेनानी शोभा राम गहरवार और परिजन जानकी टी. गोकलानी को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा का संबोधन सीधा प्रसारण के माध्यम से देखा गया। प्रतिभागियों को ऑनलाइन सहभागिता प्रमाण पत्र भी जारी किए गए।

केंद्रीय कृषि मंत्री भागीरथ चौधरी ने कहा कि वन्दे मातरम् देश के नागरिकों में चेतना जगाने वाला गीत है। यह केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारत माता के प्रति श्रद्धा, राष्ट्रभक्ति और सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक है, उन्होंने कहा कि वन्दे मातरम् के शब्दों में मां भारती की आत्मा बसती है। यह गीत स्वतंत्रता संग्राम के समय क्रांतिकारियों के लिए ऊर्जा और बल का स्त्रोत बना और आज भी हर भारतीय के हृदय में उत्साह, गर्व और देशभक्ति का भाव जागृत करता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र ऋषि बंकिम चंद्र चटर्जी की अमर कृति आनंद मठ का यह गीत हमें सदैव प्रेरणा देता है। इसके लिए मां भारती के सपूतों ने बलिदान दिए हैं। यह हमें मातृभूमि की सेवा के लिए संकल्पित करता है। सरकार सशक्त किसान के माध्यम से सशक्त भारत के निर्माण के लिए कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने भी प्रकृति संरक्षण के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किए हैं।

देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष ओम प्रकाश भडाणा ने कहा कि वन्दे मातरम् 150 के आयोजन देश के प्रति समर्पण की भावना को और प्रगाढ़ करेंगे। उन्होंने बताया कि 26 नवंबर तक सभी राजकीय कार्यालयों एवं संस्थानों में विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें सभी को उत्साहपूर्वक भाग लेना चाहिए। कार्यक्रम में आदर्श विद्या निकेतन पुष्कर रोड की 28 बालिकाओं ने ज्योति खोरवाल के निर्देशन में वन्दे मातरम् का सामूहिक गायन प्रस्तुत किया। गीत के सम्पूर्ण अंतरों का गायन अत्यंत ऊर्जा दायक रहा। राजकीय केंद्रीय बालिका विद्यालय की छात्राओं ने वन्दे मातरम् पर नृत्य प्रस्तुति दी। ठोस डेव ने विजयी विश्व तिरंगा प्यारा का गायन किया। पर्यटन विभाग द्वारा भी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। नाथू लाल सोलंकी के दल ने नगाड़ा वादन किया। वहीं जापान में भारत पर्व में प्रस्तुति देने वाले स्थानीय कलाकार विशाल माथुर के दल ने ऐ मेरे वतन के लोगों, ऐ वतन मेरे वतन, संदेशे आते हैं, मेरा रंग दे बसंती चोला, जय हो तथा वन्दे मातरम् का गायन किया।

शहीद स्मारक पर श्रद्धांजलि, कलेक्टर ने कहा देशभक्ति केवल नारा नहीं जिम्मेदारी

■ **शहीदों के योगदान को याद करना आज की पीढ़ी के लिए सबसे बड़ा मार्गदर्शन है**

अजमेर (निसं)। जिला कलेक्टर लोकबंधु ने कहा कि वंदे मातरम् 150 सिर्फ कार्यक्रम नहीं है बल्कि यह जन.स्तर पर राष्ट्रभक्ति, स्वदेशी सोच और राष्ट्रीय एकता को दोबारा सक्रिय करने का अवसर है। उन्होंने कहा कि शहीदों के योगदान को याद करना आज की पीढ़ी के लिए सबसे बड़ा मार्गदर्शन है।

शहीद स्मारक पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में संभागीय आयुक्त शक्ति सिंह राठौड़, देहात अध्यक्ष जीतमल प्रजापत, विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि और नागरिक मौजूद रहे। सभी ने पुष्पांजलि अर्पित कर शहीदों को नमन किया। कलेक्टर लोकबंधु ने कहा कि वंदे मातरम् का 150 वर्ष पूरा होना सिर्फ तारीख नहीं है। इसके पीछे स्वतंत्रता चेतना की शुरुआत है। जिला स्तर, ब्लॉक स्तर और पंचायत स्तर पर यह कार्यक्रम इसलिए आयोजित किए जा रहे हैं ताकि राष्ट्रभक्ति भाव केवल औपचारिक न रहे बल्कि व्यवहार में उतरे। उन्होंने कहा कि संविधान दिवस 26 नवम्बर तक प्रतिदिन शैक्षिणक संस्थानों में वंदे मातरम् का वाचन कराया जाएगा। इसका उद्देश्य युवाओं में भारत की ऐतिहासिक संघर्ष यात्रा की समझ और अपनी कर्तव्य भावना को जागृत करना है।

कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों ने कहा कि भारत की आजादी सिर्फ इतिहास की पंक्तियों में नहीं है। यह आज भी हर नागरिक के आचरण कर्म और राष्ट्रहित की जिम्मेदारियों में जीवित रहनी चाहिए। कलेक्टर ने कहा कि शहीदों का सम्मान केवल पुष्प चढ़ाने से पूरा नहीं होता। शहीदों का सम्मान तब पूरा होता है जब प्रशासन, विभाग, समाज और नागरिक अपने दायित्व ईमानदारी से निभाएं।

जैन महिला यात्री दल उज्जैन का स्वागत

मदनगंज-किशनगढ़, (निस)। दिगंबर जैन महिला महासमिति की और से जैन भवन में जैन महिला यात्रियों का स्वागत किया गया। उज्जैन संभाग मध्यांचल प्रदेशाध्यक्ष संगीता सोगानी व उज्जैन संभाग अध्यक्ष साधना बोहरा के नेतृत्व में किशनगढ़ पहुंची महिलाओ का माल्यार्पण कर अभिनन्दन किया। अध्यक्ष मोना झांझरी ने बताया की सर्वप्रथम सभी महिला दल ने देव दर्शन कर डंपिंग यार्ड का भ्रमण किया। बाद आगे की धार्मिक यात्रा के लिए रवाना हो गई। इस दौरान किशनगढ़ से गुणमाला पाटनी, रीटा गंगवाल, सरिता पहाड़िया, राजकुमारी जैन, सरोज गोधा, मंजू जैन आदि उपस्थित रही।

बीआरजी होटल एंड रिसोर्ट का विधिवत शुभारंभ

मदनगंज-किशनगढ़,(निस)। अंराई रोड़ स्थित बीआरजी होटल एंड रिसोर्ट का विधिवत शुभारंभ केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी व गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम ने किया। साथ ही होटल डायरेक्टर भोजराज गुर्जर का जन्म दिन तलवार से बड़ा केक काटकर मनाया। विधिवत शुभारंभ पूजा अर्चना के साथ आंगतुक अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया। गृह राज्य मंत्री बेढम ने कहा कि किशनगढ़ विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है और यहां पर्यटन, व्यापार एवं आतिथ्य क्षेत्र में असीम संभावनाएं हैं। ऐसे होटल और रिसोर्ट से स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा, बल्कि शहर की पहचान को भी नई ऊंचाई मिलेगी। केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री चौधरी ने कहा कि किशनगढ़ न केवल मार्बल सिटी के रूप में प्रसिद्ध है।

राठौड़ ने ग्रामीण क्षेत्रों में बोर्ड परीक्षा केंद्र बदलने को लेकर सरकार को घेरा

■ **शिक्षा मंत्री दिलावर पर कसा तंज अपनी खीज अभिभावकों पर नहीं उतारे**

जयपुर/अजमेर(निसं)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व आरटीडीसी चेयरमैन धर्मेन्द्र सिंह राठौड़ ने माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों से परीक्षा केंद्र हटाने के निर्णय को गरीब अभिभावकों एवं बालिकाओं के हितों पर कुठाराघात करार दिया है। उन्होंने शिक्षा मंत्री मदन दिलावर पर तीखा तंज कसते हुए कहा कि अंता उपचुनाव में पार्टी द्वारा भाव न दिए जाने की खीज ग्रामीण बच्चों पर न उतारें। गौरतलब है कि बारां के अंता में हो रहे उपचुनाव में अभी मदन दिलावर की एंट्री नहीं हुई है, जबकि वे स्थानीय मंत्री हैं और लगातार कोटा में अपने विधानसभा क्षेत्र में है, जबकि बताया जा रहा है कि वसुंधरा राजे की पसंद पर जोधपुर से संबंध रखने वाले मंत्री जोगाराम पटेल को प्रभारी बनाया गया है। राठौड़ ने कहा कि शिक्षकों की दीर्घकालिक साधना एवं पूर्ववर्ती सरकारों की मेहनत से ग्रामीण क्षेत्रों, विशेषकर सीमांत जिलों एवं आदिवासी बहुल इलाकों में बालक-बालिकाएं शिक्षा से जुड़ पाई हैं।

कांग्रेस सरकार ने गांवों में राजकीय महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम स्कूल खोलकर शिक्षा क्रांति को अमलीजामा पहनाया, जिससे अभूतपूर्व नामांकन वृद्धि दर्ज की गई। किंतु बोर्ड का यह निर्णय उन उपलब्धियों पर पानी फेरने वाला है। ग्रामीण क्षेत्रों में यातायात एवं साधनों की भारी कमी है। मजदूरी कर परिवार चलाने वाले अभिभावकों के लिए दूरस्थ केंद्रों तक बच्चों को पहुंचाना आर्थिक आपात की स्थिति पैदा कर रहा है।

बालिकाओं की सुरक्षा एवं सुविधा पर भी गंभीर संकट खड़ा हो गया है। कई निष्पक्ष शिक्षक संघों ने इस जनविरोधी कदम का खुला विरोध किया है। राठौड़ ने शिक्षा मंत्री से आग्रह किया कि स्थानीय होने के बावजूद अंता उपचुनाव में आपको पार्टी द्वारा नजरअंदाज करने की व्यक्तिगत खीज को ग्रामीण परीक्षा केंद्रों पर न थोपें। यह आदेश तत्काल वापस लिया जाए, अन्यथा कांग्रेस सड़कों पर उतरकर अभिभावकों एवं छात्रों के हितों की रक्षा करेगी।

अधिकारियों की सराहनीय पहल, इस बार शुरू किया प्रशासन ने नया नवाचार

■ **अंतराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पुष्कर मेला शांतिपूर्वक ऐतिहासिक एवं सफलता पूर्वक संपन्न होने पर पुष्कर राज ओर ब्रह्मा जी का आभार जताया**

पुष्कर, (निसं)। अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पुष्कर मेला के सफल ऐतिहासिक और शांति पूर्वक संपन्न होने के बाद शुक्रवार सुबह प्रशासनिक और पुलिस विभाग के अधिकारियों ने पवित्र पुष्कर सरोवर के सप्तऋषि घाट पर आस्था की डुबकी लगाकर पूजा-अर्चना की। पुष्कर के इतिहास में मेला संपन्न होने के बाद पहली बार अधिकारियों ने सराहनीय पहल की।मेले को निर्विघ्न सम्पन्न कराने के लिए अधिकारियों ने पुष्कर सरोवर के सामने नमन करते हुए आभार व्यक्त किया।

पवित्र सरोवर के घाट पर वैदिक मंत्रों की ध्वनि गूंज उठी और पूरा वातावरण आध्यात्मिक अनुभूति से भर गया। अधिकारी और विभिन्न विभागों के कर्मचारी पारंपरिक विधि से स्नान करते हुए पुष्कर मेला की सफलता को आस्था, सामूहिक प्रयास और टीमवर्क की जीत बताया।सभी अधिकारियों ने पवित्र सरोवर में एक साथ आस्था की डुबकी लगाकर पूजा अर्चना कर दुग्धाभिषेक करके पुष्कर मेला शांतिपूर्वक सम्पन्न होने पर सभी का आभार प्रकट किया साथ ही मेले में व्यवस्था के दौरान किसी को भी कोई परेशानियां हुई तो उनके लिए पवित्र सरोवर का जल हाथ में लेकर क्षमा मांगी। इस दौरान एसडीएम (उपखण्ड अधिकारी) गुरुप्रसाद तंवर , एडिशनल एसपी दीपक शर्मा, सीओ ग्रामीण रामचन्द्र चौधरी, यातायात पुलिस सीओ आयुष वशिष्ठ, तहसीलदार इंद्रजीत सिंह, नगर परिषद आयुक्त जनार्दन शर्मा, थानाधिकारी विक्रम सिंह, सब इंस्पेक्टर छीतरलाल वैष्णव सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। पूजा-अर्चना तीर्थ पुरोहित नरेश रायता के सानिध्य में सम्पन्न हुई, जहाँ ब्रह्मा-सावित्री वेद अध्ययन केंद्र के आचार्य पंडित रामकरण शर्मा, आचार्य पंडित देवेश कुमार तिवाड़ी तथा वेदपंडितों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ अनुष्ठान कराया। अधिकारियों ने कहा कि पुष्कर मेला का शांतिपूर्ण संचालन सभी विभागों, स्थानीय नागरिकों और श्रद्धालुओं के सहयोग का परिणाम है। उन्होंने कामना की कि आने वाले वर्षों में भी पुष्कर मेला इसी अनुशासन, श्रद्धा और पवित्रता के साथ नई ऊँचाइयों को छुएगा। यही से स्नान पूजा करके सभी अधिकारी धोती कुर्ता में परिक्रमा लगाते हुए जगत पिता ब्रह्मा मंदिर पहुंचे यहां पहुंच कर ब्रह्मा जी की आरती की ओर भजन सुने। इसके बाद मौजूद सभी को प्रसाद का वितरण किया गया।

पृथ्वीराज नगर योजना से एडीए ने हटाया अतिक्रमण

अजमेर, (कासं)। अजमेर विकास प्राधिकरण की पृथ्वीराज नगर योजना में शुक्रवार को विभिन्न प्रकार के अतिक्रमणों को हटाने के लिए प्राधिकरण के दल ने तीन जेसीबी की मदद से पृथ्वीराज नगर योजना के बी ब्लाक में लगभग 100 भु-खण्ड़ों व 50 बीघा भूमि को अतिक्रमण सें मुफ्त करवाई गई। अतिक्रमणकारियों द्वारा पृथ्वीराज नगर के बी ब्लॉक में खातेदारों द्वारा काँटो की बाढ़ लगाकर खेती करने की तैयारी की जा रही थी जिसको खातेदारों से मौके पर समझाइस कर एडीए आयुक्त नित्या के के निर्देश पर अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई।

अजमेर विकास प्राधिकरण द्वारा 100 भु-खण्ड़ों व 50 बीघा भूमि को अतिक्रमण सें मुफ्त करवाई गई।

मौके पर एडीए द्वारा उक्त ब्लाक के भौतिक कब्जे देने के लिए सड़को का निर्माण भी कराया जायेगा। कार्यवाही के दौरान खातेदारों द्वारा कोर्ट में विवाद विचाराधीन होने के कारण भूमि को लेकर अतिक्रमण नहीं हटाने के लिए विवाद किया गया, लेकिन प्राधिकरण द्वारा समझाइश कर अतिक्रमण हटाया गया। जिसमें सहायक अभियंता राजीव मीना, कनिष्ठ अभियंता अंशुल एरेन, गिरदावर संजीव गुप्ता व प्राधिकरण पुलिस दल शामिल थे। वहीं प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि अब शीघ्र ही पृथ्वीराज नगर योजना में विकास के कार्यो की गती आएगी।

काचरिया व्यायाम शाला ने कुश्ती में परचम फहराया

मदनगंज-किशनगढ़,(निस)। विश्व प्रसिद्ध पुष्कर मेला में आयोजित कुश्ती दंगल प्रतियोगिता में काचरिया पीठ के पहलवानो ने बेहतरीन प्रदर्शन कर परचम फहराते हुए तीनों खिताबों पर कब्जा जमाया। पहलवानों को खिताबी पट्टा एवं नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। पुष्कर मेला केसरी के अंतर्गत पहलवान आर्यन शर्मा 11 हजार रूपये नगद, पुष्कर मेला कुमारी में पहलवान कुमकुम पारीक को 3100 रूपये नगद, पुष्कर मेला अभिमन्यु में पहलवान बृजेश सामरिया को 3100 रुपये नकद देकर सम्मानित किया। पहलवान कृष्णा कंवर ने पुष्कर मेला कुमारी में द्वितीय स्थान प्राप्त कर 2100 रुपए और गरिमा चौधरी ने तृतीय स्थान प्राप्त 1100 रुपए व प्रतीक बामणिया ने पुष्कर मेला कुमार में तृतीय स्थान में 2100 रुपए का ईनाम जीतकर सफलता हासिल की।

मतदाता सूची के शुद्धिकरण पर विशेष फोकस

■ **एसडीएम देवी लाल यादव ने देराठू में रात्रि चौपाल में दिए निर्देश**

नसीराबाद, (निसं)। लोकतंत्र को सशक्त और पारदर्शी बनाने की दिशा में निर्वाचन विभाग लगातार प्रयासरत है। इसी क्रम में शुक्रवार को विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम पंचायत देराठू में रात्रि चौपाल का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी (एसडीएम) देवी लाल यादव ने उपस्थित होकर क्षेत्र के बीएलओ और सुपरवाइजरों द्वारा किए जा रहे कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने मतदाता सूची के परिशुद्धीकरण, घर-घर सर्वे, गणना प्रपत्र वितरण और मतदाता मैपिंग की प्रगति का गहन परीक्षण किया इस दौरान यादव ने उपस्थित कार्मिकों को निर्देश दिए कि कार्य की गति और गुणवत्ता दोनों पर समान रूप से ध्यान दिया जाए, ताकि किसी भी पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची से छूट न पाए।

उन्होंने कहा कि यह अभियान केवल प्रशासनिक कार्य नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक जिम्मेदारी है, जिसमें सभी की भागीदारी आवश्यक है। रात्रि चौपाल के दौरान एसडीएम ने ग्रामीणों से संवाद करते हुए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा संचालित विशेष पुनरीक्षण अभियान की जानकारी साझा की। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे अपने, परिवारजनों और पात्र युवाओं के नाम मतदाता सूची में अवश्य दर्ज कराएं, आवश्यक संशोधन कराएं और सूची की शुद्धता बनाए रखें।

मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम पुस्तक का हुआ विमोचन

■ **जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी राम चंद्राचार्य महाराज ने बताया कि राम भारत की आत्मा है**

पुष्कर (निसं)। जगद्गुरु रामानुजाचार्य श्री अष्ट भू वैकुंठ आश्रम पीठाधीश्वर स्वामी राम चंद्राचार्य महाराज, गया पीठाधीश्वर ओर सह पुष्कर युवराज रामानुजाचार्य स्वामी वेंकटेश प्रपन्नाचार्य महाराज और श्री निंबार्क तीर्थ के कृपा पात्र भागवताचार्य गजेंद्र शास्त्री महाराज द्वारा युवा संस्कृत सेवक नेहरू पंडित द्वारा संकलित मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम पुस्तक का विमोचन किया गया। जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी राम चंद्राचार्य महाराज ने बताया कि राम भारत की आत्मा हे, श्री राम के बिना इस देश की कल्पना भी नहीं की जा सकती। सभी को भगवान श्री राम के जीवन को पढ़ना चाहिए। श्री राम के चरित्र को जीवन में उतारकर श्रेष्ठ बनाना चाहिए ये पुस्तक बच्चों को भगवान श्री राम, राम युग, ओर राम मंदिर के संघर्ष के स्मरण इत्यादि ज्ञान की प्राप्ति के लिए उपयोगी है । गया पीठाधीश्वर ओर सह पुष्कर युवराज रामानुजाचार्य स्वामी वेंकटेश प्रपन्नाचार्य महाराज ने कहा कि बच्चों के लिए ये पुस्तक बहुत उपयोगी हैं। सनातन के घर घर अभियान में ये पुस्तक उपयोगी हैं। संस्कृत सेवक पुस्तक संयोजक नेहरू पंडित ने बताया कि आज की युवा पीढ़ी को भगवान श्री राम और राम से जुड़ी संस्कृति से जोड़ने के लिए ये प्रश्नोत्तरी पुस्तक रची गई है जो बच्चों के लिए बहुत सरल और सुगम है। इस अवसर पर निंबार्क तीर्थ सलेमाबाद के कृपा पात्र भागवताचार्य गजेंद्र शास्त्री, समाज सेवी कैलाश शर्मा रैंबो, विष्णु शर्मा, दीपक शर्मा उपस्थित रहे।

एसआईआर कार्यक्रम के अंतर्गत उपखंड अधिकारी ने ली बैठक

सरवाड़, (निसं)। सरवाड़ सहायक निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी सुभाष चन्द्र हेमानी द्वारा सुपरवाइजर एवं बीएलओ की राजकीय महात्मा गांधी विद्यालय फतेहगढ़ में बैठक ली गई वहीं उपखंड अधिकारी में सभी सुपरवाइजर एवं बीएलओ को आदेशित किया गया कि एस ए आर के कार्यक्रम के तहत घर-घर जाकर मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरण करने एवं मतदाता सूची में मेपिंग कार्य करने के लिए कहा तथा यह भी निर्देश दिए कि सरवाड़ उपखंड जिले में एस आई आर के कार्यक्रम में प्रथम स्थान पर रहे यह हमें ध्यान रखते हुए कार्य करना है वहीं उपखंड अधिकारी ने फतेहगढ़ गोयला क्षेत्र में घर-घर जाकर निरीक्षण भी किया गया इस दौरान उपखंड अधिकारी सुभाष चन्द्र हेमानी व सुपरवाइजर किशनलाल खारोल मुकेश कुमार कलवार बीएलओ नन्द किशोर सेन हीरा लाल गुर्जर सुखलाल धाकड़ राकेश शर्मा कुमार जगदीश टोडावत अमित कुमार चौधरी सूर्य प्रकाश भंवर सिंह रामकुमार कीर साहित अन्य उपस्थित रहें।

नन्हीं लक्षिता ने काटा केक, दी बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का संदेश

नसीराबाद (निसं)। क्षेत्र के झड़वासा कस्बे के नंद घर आंगनबाड़ी केंद्र प्रथम में शुक्रवार को एक अनोखा और प्रेरणादायी कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें नवजात बेटी लक्षिता गुर्जर के जन्म पर बेटी जन्मोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन महिला अधिकारिता विभाग की उपनिदेशक मेघा रतन और पंचायत समिति श्रीनगर के खंड सुपरवाइजर अभिषेक मांडिया के निर्देशन में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना के तहत किया गया। मुख्य अतिथि ग्राम पंचायत झड़वासा के प्रशासक भंवर सिंह गौड़ ने नवजात बेटी की माँ रिंकू गुर्जर को चुनरी ओढ़ाकर सम्मानित किया तथा बेटी लक्षिता को कुंकु तिलक कर हाथ में मोली बाँधी। इसके बाद नन्हीं लक्षिता द्वारा केक काटकर बेटी जन्मोत्सव मनाया गया, जो समाज में समानता और बेटी के सम्मान का सशक्त संदेश देता है। इस मौके पर परंपरा अनुसार ग्राम साथिन तारा देवी ने थाली बजाकर खुशी जाहिर की। कार्यक्रम में दिनेश वैष्णव, संजू मोटिस, सागर कंवर सहित अनेक ग्रामीण और छोटे बच्चे उपस्थित रहे।

गोठीयाना में बेटी जन्मोत्सव का आयोजन

अरांई, (निसं)। महिला अधिकारीता विभाग के तत्वाधान में शुक्रवार को मिनी आंगनबाड़ी केंद्र गोठीयाना में बेटी जन्मोत्सव कार्यक्रम उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में बेटियों के जन्म को सम्मान और खुशी से जोड़ना तथा बालिका शिक्षा और सशक्तिकरण के प्रति जागरूकता फैलाना रहा।

कार्यक्रम की शुरुआत ग्राम साथिन पूनम सेन ने नवजात बालिकाओं और उनके परिवारों के अभिनंदन से की। पारंपरिक ढंग से बेटियों का स्वागत किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर ग्राम साथिन पूनम सेन ने कहा कि बेटी का जन्म परिवार और समाज दोनों के लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने बताया कि महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से चलाए जा रहे बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान का मुख्य उद्देश्य लिंगानुपात में सुधार लाना और बेटियों को समान अवसर दिलाना है। उन्होंने उपस्थित महिलाओं से अपील की कि वे अपनी बेटियों की शिक्षा में किसी तरह की बाधा न आने दें। अध्यापक रामरतन जाट ने कहा कि बेटियां आज हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं। उन्होंने कहा कि बेटियों को सही दिशा और अवसर मिलता है तो, तो वे देश का गौरव बढ़ाती है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सावित्री माली ने लाड़ो प्रोत्साहन योजना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत बालिका जन्म पर परिवार को सहायता प्रदान की जाती है, ताकि बच्चियों के पालन-पोषण और शिक्षा में मदद मिल सके। उन्होंने कहा कि यह जरूरी है कि समाज पुराने भेदभावों को छोड़कर बेटियों को समान अधिकार दे। ग्रामीण महिलाओं ने विभाग की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन सकारात्मक सोच को बढ़ावा देते हैं और समाज को सही दिशा दिखाते हैं। ग्रामीणों को संकल्प दिलाया कि वे हर बेटी के जन्म को उत्सव के रूप में मनाएंगे और उन्हें शिक्षित, सुरक्षित और आत्मनिर्भर बनाने में सहयोग करेंगे।

भगवान बिरसा मुण्डा के योगदान को आमजन तक पहुंचाना हमारा दायित्व : भजनलाल

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बिरसा मुण्डा की 150वीं जयंती पर डूंगरपुर में प्रस्तावित राज्यस्तरीय समारोह की तैयारियों की समीक्षा की

उदयपुर/जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भगवान बिरसा मुण्डा ने 19वीं शताब्दी के अंत में अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध संघर्ष कर आजादी के आंदोलन को मजबूत आधार दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी सोच

> ■ **15 नवंबर (जनजातीय गौरव दिवस) मात्र एक तिथि नहीं, बल्कि जनजाति गौरव और संघर्ष की अमर स्मृति है : भजनलाल शर्मा**

से देशभर में जनजातीय गौरव से जुड़े विविध आयोजन हो रहे हैं। 15 नवंबर (जनजातीय गौरव दिवस) मात्र एक तिथि नहीं, बल्कि जनजाति गौरव और संघर्ष की अमर स्मृति है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शुक्रवार को उदयपुर में शोभागपुरा स्थित एक होटल में बिरसा मुण्डा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य पर हो रहे आयोजनों को लेकर बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने आगामी 15 नवंबर को डूंगरपुर में प्रस्तावित राज्यस्तरीय समारोह की समीक्षा करते हुए कहा कि राज्य स्तरीय कार्यक्रम में जनभागीदारी को प्राथमिकता दी जाए और विद्यालयों, महाविद्यालयों, सामाजिक संगठनों को सक्रिय रूप से जोड़ा जाए। साथ ही, छात्र-छात्राओं को बिरसा मुण्डा के जीवन, संघर्ष और बलिदान के बारे में व्यापक जानकारी दी जाए।

बैठक में मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंचना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने जनजातीय क्षेत्र में सरकार की उपलब्धियां बताते हुए कहा कि जनजाति आवासीय विद्यालयों में मेस भत्ता तथा मां-बाड़ी कार्यकर्ताओं के मानदेय में की गई वृद्धि राज्य सरकार की संवेदनशील नीतियों का प्रतिबिंब है। हमारी सरकार ने जनजाति क्षेत्र के उत्थान के लिए अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए है। बैठक में जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने कहा कि बिरसा मुण्डा कुछ और समय जीवित रहते तो अंग्रेजों को बहुत पहले ही देश छोड़ना पड़ता। स्वतंत्रता की लड़ाई में 170 से अधिक जनजाति नायकों ने अपने प्राणों की आहुति दी। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को इन नायकों की गौरव गाथा से रूबरू कराने की आवश्यकता है। इसी क्रम में वर्ष 2021 से जनजाति गौरव दिवस मनाने की शुरूआत की गई तथा इस वर्ष जनजातीय गौरव वर्ष मनाया जा रहा है। उन्होंने 15 नवंबर के प्रस्तावित कार्यक्रम को भव्य और सफल बनाने की अपील की। राजस्व मंत्री हेमंत मीणा ने कहा कि अधिक से अधिक पात्र लोग सरकार की योजनाओं का लाभ लें और समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाएं पहुँचाने और उनका उत्थान करने में सहयोग करें।

सांसद डॉ. मन्नालाल रावत ने कहा कि बिरसा मुण्डा ऐसे जननायक है, जिन्हें आमजन ने भगवान का दर्जा दिया। आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान जिन नायकों को याद किया गया, उनमें एक भगवान बिरसा मुण्डा भी हैं। उन्होंने जनजातीय गौरव वर्ष पखवाड़े के तहत प्रदेशभर में आयोजित हो रहे कार्यक्रमों पर चर्चा की तथा राज्य स्तरीय समारोह को सफल बनाने के लिए की जा रही तैयारियों को भी रेखांकित किया। इस अवसर पर विधायक ताराचंद जैन, फूलसिंह मीणा, जिला प्रमुख ममता कुंवर सहित उदयपुर, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, राजसमंद, चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़ आदि जिलों के जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

उदयपुर में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का स्वागत किया गया।

25 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार

श्रीगंगानगर, (निसं)। सदर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बीज कारोबारी रवि गुप्ता पर फिरौती के लिए रेकी कर फायरिंग करने की प्लानिंग करने के मामले में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने वारदात को अंजाम देने के लिए गैंगस्टर्स को पैसे उपलब्ध कराए थे। पकड़ा गया आरोपी 25 हजार का इनामी बदमाश है। आरोपी की पहचान गुरविंद्र सिंह (21) निवासी रावला (श्रीगंगानगर) के रूप में हुई है। 19 जुलाई को कारोबारी पर फिरौती के लिए फायरिंग की प्लानिंग बनाने वाले आरोपियों को पैसे उपलब्ध करवाए थे। इससे पहले पांच आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल पुलिस पकड़े गए आरोपी से पूछताछ कर रही है। जानकारी के अनुसार 19 जुलाई को सदर पुलिस और डीएसटी प्रथम ने आरोपियों को नेशनल हाइवे नाइयांवाली में आनंद पीजी में छिपे हुए को पकड़ा था। आरोपियों ने पीजी की तीसरी मंजिल के कमरों से सीढियों पर भागने की कोशिश की और गिर जाने से गंभीर रूप से चोटिल हो गए थे। जिसके बाद उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। पुलिस ने आरोपियों के पास से टर्की निर्मित मॉडर्न जिगाना पिस्टल व 14 कारतूस बरामद किए थे। आरोपी बीज कारोबारी पर हमला करने वाले थे, इससे पहले ही पुलिस ने आरोपियों को पकड़ लिया था।

> ■ **गैंगस्टर्स को पैसे उपलब्ध कराता था बदमाश, बीज कारोबारी पर करने वाले थे फायरिंग**

युवक ने आत्महत्या की

उदयपुर, (निसं)। शहर के सुखेर थाना क्षेत्र में विषाक्त वस्तु सेवन कर युवक ने आत्महत्या कर ली। अदनोल नाथद्वारा हाल शोभागपुरा निवासी रणजीत सिंह (40) पुत्र उदयसिंह चौहान की विषाक्त वस्तु सेवन करने से होने से मौत हो गई। दिमागी हालत ठीक नहीं होने से विषाक्त वस्तु का सेवन कर लिया था।

OFFICE MUNICIPAL COUNCIL CHOMU (JAIPUR)
Tel-01423-220036 e-mail:chomu.jaipur@yahoo.com
Sr. No. : NPC/2025/2262 Date : 03.11.2025
Notice Inviting Bid
Bids for "NALA CONSTRUCTION REPAIR WORK FORM BHANDE TO BUS STAND RINGUS ROAD NALA IN NAGAR PARISHAD CHOMU" are invited interested bidders upto 06.00 PM on 03.11.2025 Dated. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://sppp.raj.nic.in, https://eproc.rajasthan.gov.in) of the state. The Bid Value are 49.99 Lacs.
NIB CODE : DLB2526A7667 & UBN NO. : DLB2526WSOB23199
Raj.Samwad/C/25/13325 COMMISSIONER

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PHED PROJ. DIVISION KARAULI HQ TODABHIM
(email :- eecsnpkaroli@gmail.com)
Sr.No.: 5896-5904 Date: 30/10/2025
NOTICE INVITING BID
Bid for Construction & Commissioning of 32 Nos. 125mm dia Hand Pump at Various Village under PHED Project Division Karauli HQ Todabhim is invited. Important Dates and particular of the Bid may be seen on the procurement portal sppp.raj.nic.in or eproc.rajasthan.gov.in
NIBCODE:- PHE2526A3929

SN	NIT NO.	UBN NO
1	80/2025-26	PHE2526WSOB08051

Executive Engineer
Public Health Engineering Department
Proj. Division Karauli HQ Todabhim
DIPR/C/16163/2025

राजस्थान आवासन मण्डल
क्रमांक :- 552 दिनांक :- 05/11/2025
निविदा सूचना संख्या 06/2025-26
1. पंचशील, नाका मदार और दौराई अजमेर में नालियों, सीवर लाइन, चैंबर, मैनहोल, सड़क बर्म, खुले स्थान की सफाई और सभी घरों (डोर टू डोर कलेक्शन सहित) और सड़कों से कचरा/कचरा एकत्र करना। 2. अजमेर मंडल में दिशा और स्थान पहचान साइन बोर्ड की आपूर्ति और स्थापना हेतु इच्छुक निविदादाताओं से दिनांक 08.11.2025 से 17.11.2025 सायं 6.00 बजे तक ऑनलाईन / ऑफलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा की अन्य शर्तें वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in & https://rhb.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।
यू.बी.एन.नं.:- RHB2526WSOB00261 & RHB2526WSOB00262
राज.संवाद/सी/25/13416 उप आवासन आयुक्त, वृत्त द्वितीय, जयपुर

कार्यालय नगर विकास न्यास, अलवर (राज.)
क्रमांक :- लेखा/2025/9562 दिनांक :- 31/10/2025
NOTICE INVITING NIT – 29/2025-26
Construction of C.C road and WBM, park development and other Development work etc. 05-11-25 to 17-11-25 3.00 PM. Technical bid open 18-11-25 4.00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state and www.uitalwar.in the approximate Value of the procurement is Rs. 649.00 lakhs.
UBN No. : UAL2526WSOB00318 To UAL2526WSOB00330
Raj.Samwad/C/25/13374 Executive Engineer UIT Alwar

कार्यालय नगर परिषद सुजानगढ़ (चूरू) राजस्थान
E-mail id:- nps222419@gmail.com Phone no. 01568-222419
क्रमांक :–न.प.सु/विकास शाखा/2025/7540 दिनांक :– 31.10.2025
:–ई–निविदा सूचना–2025–26:–
नगर परिषद सुजानगढ़ द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यो के लिये उपयुक्त सक्षम श्रेणी के राज्य सरकार के विभागों में प्रजीकृत ठेकेदारों/फर्मो से निविदा दिनांक 17.11.2025 तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रपत्रों को वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कि जा सकता है एवं निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.sppp.raj.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है। निविदा का बीड कमांक (DLB2526WSOB23154) है। कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगर परिषद सुजानगढ के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकती है।
आयुक्त
राज.संवाद/सी/25/13323 नगर परिषद सुजानगढ

राजस्थान धरोहर प्राधिकरण
भू-तल, पर्यटन भवन, संजय मार्ग (विधायकपुरी थाने के सामने), खासा कोठी, जयपुर-302001,
Tel:-0141-2615648/40, E-Mail : rhppa.jaipur@gmail.com
ई-निविदा सूचना संख्या 24/2025-26
निम्नलिखित कार्यो के लिए अनुभवी कंसलटेंट फर्मो से निर्धारित प्रपत्र में ई–टेण्डरिंग प्रक्रिया हेतु ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

क्र. सं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रु.)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	Consultancy Services for- Preparation of Detailed Project Report for development works, beautification and develop public facilities at Meera Bai Mandir, Merta, Nagaur Rajasthan. UBN is: HPP2526SLOB00031	20.00 Lakh	3 Months

निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाइट http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है। इच्छुक निविदादाताओं को अपने डिजीटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाइट http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर करवाना आवश्यक है।
राज.संवाद/सी/25/13354 मुख्य कार्यकारी अधिकारी

Rajasthan Water Grid Corporation Limited
(Formerly known as "Eastern Rajasthan Canal Project Corporation Limited")
Sinchai Bhawan, JLN Marg, Jaipur 302017, Tel: 0141-2700669 Email: ceercpc@gmail.com
No. :- 5198 Date :- 31/10/2025
NIB No – RWGCL/ 41 /2025-26
Managing Director, RWGCL invites bid for the following works from interested bidders upto 29.10.2025 (06.00 PM). Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (https://sppp.rajasthan.gov.in/sppp/ and http://eproc.rajasthan.gov.in) of the state. UBN : ERP2526SLOB00049, 50, 51
1. Hiring of Consultancy Services for obtaining wildlife clearance from Ministry of Environment, Forest & climate change (MOEF&CC) for the work of Construction of the feeder from Khura Chainpura to Jaisamand Dam Alwar amounting Rs 15.65 Lacs.
2. Hiring of Consultancy Services for obtaining forest clearance from Ministry of Environment, Forest & climate change (MOEF&CC) for the work of Construction of the feeder from Isarda to Khura Chainpura to Bund Baretha dam Bharatpur amounting Rs 14.03 Lacs.
3. Hiring of Consultancy Services for obtaining wildlife clearance from Ministry of Environment, Forest & climate change (MOEF&CC) for the work of Construction of the feeder system from isarda dam to ramgarh Dam including all component amounting Rs 6.81 Lacs.
MD cum Chief Engineer
Raj.Samwad/C/25/13348 RWGCL, Jaipur Rajasthan

जंगलों से पेड़ उखाड़ने का प्रयास, चार जेसीबी जब्त

मसूदा, (निसं)। मसूदा उपखंड क्षेत्र के खरवा वन विभाग के जंगलों से बड़ी मात्रा में पेड़ उखाड़ने के प्रयासों को ग्रामीणों की सजगता से विफल कर दिया। पेड़ उखाडने के कार्य में लगी चार जेसीबी मशीनों को जब्त कर लिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार निकटवर्ती लीडी तथा लामाना के जंगलों में चार जेसीबी मशीन एक साथ पहुंची तथा जंगल में विलायती बबूल को उखाड़ने का काम शुरू कर दिया। ग्रामीणों को जेसीबी द्वारा पेड़ों को उखाड़ने का पता चला तो उन्होंने वन विभाग द्वारा विलायती बबूल उखाड़ने का कार्य ठेके पर देने की सोचा लेकिन जेसीबी संचालकों की कार्य प्रणाली पर संदेह होने पर उन्होंने वन विभाग को सूचना दी। क्षेत्रीय वन अधिकारी ओमप्रकाश मौके पर पहुंचे और उन्होंने जेसीबी संचालकों से पेड़ उखाड़ने की अनुमति के संबंध में पूछताछ की तो पता चला कि बिना अनुमति अवैध रूप से पेड़ उखड़े जा रहे थे। अधिकारियों ने कार्रवाई करते हुए चारों जेसीबी मशीन को अपने कब्जे में लेकर जप्त कर लिया तथा जेसीबी मशीनों को वन विभाग की खरवा नर्सरी में लाकर खड़ा करवा दिया। बाद में जेसीबी ऑपरेटरों द्वारा आधार कार्ड तथा आवश्यक दस्तावेज जमा करवाने पर जमानत पर छोड़ दिया, जबकि मशीनों को जब्त करके मामले की जानकारी नसीराबाद कोर्ट में दे दी।

ओमप्रकाश, क्षेत्रीय वन अधिकारी का कहना है कि ग्रामीणों द्वारा जंगल में पेड़ उखाड़ने की सूचना पर मौके पर पहुंचकर जानकारी ली तो पता चला कि बिना वैध अनुमति के अवैध रूप से पेड़ उखाड़े जा रहे है। कार्रवाई करते हुए चार जेसीबी मशीन जब्त कर ली गई।

युवक की मौत

उदयपुर, (निसं)। शहर के सुखेर थाना क्षेत्र भुवाणा की पहाड़ियों में युवक की अकाल मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार रजेश्वर कॉलोनी जोडाजी बावजी भुवाणा निवासी सन्नी पुत्र मुकेश नायक की अकाल मौत हो गई। सन्नी गत दिनों से कलडवास स्थित दूध की कंपनी में काम करता था एवं गुरूवार को वह घर आया था। जहां सांय मित्रों के साथ जाने एवं दो तीन घंटे में लौटने की बात परिजनों को कहते हुए घर से निकला था। रात में वह घर नहीं लौटा दूसरे दिन मकान के पिछे स्थित पहाड़ियों में वह मृत हालत में पड़ा मिला। जिसके शरीर पर नशे के दौरान गिरने से खरोच के निशान पाए गए हैं। सुखेर थानाधिकारी रविन्द्र चारण, एएसआई महिपालसिंह मय जाप्ता ने मौके पर पहुंच मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंपा।

सड़क हादसे में दो बारातियों की मौत, छह घायल, हिसार रेफर

हादसे में स्कॉर्पियो गाड़ी पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई।

सड़क हादसे में हुये घायलों को पुलिस ने अस्पताल पहुंचाया।

> ■ **बारातियों की स्कॉर्पियो गाड़ी को तेज गति व लापरवाही से चलाकर चालक द्वारा पलटाने से हादसा हुआ, वाहन चालक प्रवीण के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कारवाई की मांग की**

सादुलपुर, (निसं)। राजगढ़ थाने के गांव राघा छोटी के पास गुरूवार व शुक्रवार की रात्रि को गांव कासनी से हमीरवास बारात में जा रहे बारातियों की स्कॉर्पियो गाड़ी को तेज गति व लापरवाही से चलाकर चालक द्वारा पलटाने के कारण दो जनों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि छह जने घायल हो गये, जिन्हें पहले राजगढ़ के सरकारी अस्पताल व एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। सभी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद हिसार रेफर कर दिया।

स्कॉर्पियो गाड़ी के पलटने के सूचना पर एएसपी किशोरीलाल, राजेश कुमार सिहाग सीआई राजगढ़ व महेन्द्र कुमार हेड कास्टेबल मौके पर पहुंचे तथा घटना का जायजा लिया। वहीं शुक्रवार को मामला दर्ज होने के बाद प्रकरण का अनुसंधान अधिकारी रामावतार मीणा एसआई व महेन्द्र कुमार हैड कानि ने मृतकों का पोस्टमार्टम करवाकर शव उनके परिजनों को सौंप दिया है।

राजगढ़ थानाधिकारी राजेश कुमार सिहाग ने बताया कि सतवीर पुत्र रेखाराम जाट निवासी गागडवास पुलिस थाना राजगढ़ जिला चूरू ने मामला दर्ज करवाया है कि छह अक्टूबर को उसके परिवार के सदस्य कासनी से हमीरवास शादी में जा रहे थे, जो वाहन स्कॉर्पियो में सवार थे, जिसको प्रवीण पुत्र जयसिंह निवासी गागडवास चला रहा था। उक्त वाहन में चालक के अलावा कृष्ण पुत्र पृथ्वीसिंह जाट निवासी गागडवास, सोमवीर पुत्र रामकिशन जाट निवासी बिडोला (हरियाणा) तथा सुरेन्द्र पुत्र मस्तान सिंह, अनुराग पुत्र सुखलाल, सुमित पुत्र विनोद, रवि पुत्र दलवीर गाड़ी में सवार थे। आरोप है कि वाहन चालक प्रवीण ने उक्त वाहन को बहल से राजगढ़ सड़क मार्ग पर रात्रि नौ बजे राघा छोटी गांव में गऊशाला के पास तेजगति व लापरवाही से चलाकर पलटी मरवा दी, जिसमे सभी के चोटें आई, जिसमें कृष्ण पुत्र पृथ्वीसिंह जाट निवासी गागडवास व सोमवीर पुत्र रामकिशन जाट निवासी बिडोला (हरियाणा) की मौत हो गई तथा अन्य को हिसार के अस्पतालों में रैफर करने पर भर्ती करवा रखा है। वहीं रिपोर्ट में बताया है कि वाहन चालक प्रवीण के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कारवाई की जावे। राजगढ़ थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है तथा प्रकरण का अनुसंधान रामावतार उनि. के सुपर्द की गई है। शुक्रवार दोपहर को मृतकों का पोस्टमार्टम करवाकर शव उनके परिजनों को सौंप दिया है।

स्कॉर्पिओ गाड़ी में आग लगी, बाल-बाल बची सात जिंदगियां

नवलगढ़, (निसं)। उपखंड के देलसर-कुमावास रोड पर शुक्रवार को एक स्कॉर्पिओ गाड़ी अचानक आग से भभक उठी, जिससे ना केवल गाड़ी, बल्कि गाड़ी में रखा करीब 12 लाख रूपए का सामान भी जलकर राख हो गया। इस आग की चपेट में आए एक युवक व दो बच्चों को इलाज के लिए दूसरी गाड़ियों से झुंझुनूं ले जाया गया।

जानकारी के मुताबिक डाबड़ी बलौदा निवासी नदीम की भांजी का निकाह शुक्रवार को भोड़की गांव में था, जिसमें भात भरने के लिए नदीम अपने दोस्त विजेंद्र की स्कॉर्पिओ गाड़ी सहित अन्य गाड़ियों के साथ डाबड़ी बलौदा से रवाना हुआ। देलसर से निकलने के बाद जब कुमावास पहुंचा तो अचानक गाड़ी के बोनट में एक चिंगारी उठी और पलक झपकते ही गाड़ी के पीछे आग लग गई। गाड़ी की पीछे की सीट पर नदीम का दोस्त अजय के अलावा नदीम की 12 साल की बेटी आलिया तथा 13 साल की बेटी आरजू बैठी थी, जो आग की चपेट में आ गए। हालांकि गाड़ी के शीशे खुले हुए थे। इसलिए आग लगने के साथ जैसे ही गाड़ी लॉक हुई। गाड़ी चला रहे नदीम और उसके भाई अनवर पहले खुद, बाद में सभी को एक-एक कर सभी को विंडो से बाहर निकाला। इतने ही मौके पर ग्रामीण जमा हो गए। जिन्होंने पानी से आग पर काबू पाने की कोशिश की, लेकिन उससे पहले गाड़ी में रखी नगदी, जेवरात और अन्य सामान जलकर राख हो गया। नदीम की बेटी आलिया और आरजू के अलावा दोस्त अजय हल्के से झुलस गए। जिन्हें झुंझुनूं अस्पताल ले जाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। गाड़ी में इनके अलावा नदीम के भाई अनवर की 15 साल की बेटी तमन्ना और दूसरे भाई सद्दाम का तीन साल का बेटा अदनान भी था, जो सकुशल है। आग लगने के वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हुए हैं, जिनमें धूं-धूं कर जलती हुई स्कॉर्पिओ गाड़ी दिखाई दे रही है।

> ■ **आग लगने से गाड़ी के दरवाजे हुए लॉक, विंडों से सभी के सभी बाहर निकले**
>
> ■ **गाड़ी में रखा करीब 12 लाख रूपए का सामान भी जलकर राख हो गया**

आग लगने से स्कॉर्पिओ गाड़ी धूं-धूं कर जल गई।

दुकान में चोरी करने वाले दो गिरफ्तार : उदयपुर शहर के अंबामाता थाना क्षेत्र जाड़ा गणेशजी चौक में स्थित दुकान से चोर नकदी चुरा ले गए। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार जेठियों की बाड़ी निवासी ललित जैन पुत्र रूपलाल जैन की जाड़ा गणेशजी चौक में शुभम स्टूडियों नाम से दुकान है। शुक्रवार दोपहर में वह शटर आधा डालकर घर खाना खाने गया था। इस दौरान आए अज्ञात चोर खुला शटर देख दुकान में घुस कर कांउटर में रखी 70 हजार रूपये नकदी चुरा ले गए। मामले में प्रकरण दर्ज होने पर अम्बामाता थानाधिकारी मुकेश सोनी के नेतृत्व में अनुसंधान अधिकारी एएसआई अशोक शर्मा ने आरोपी प्रहलाद पुत्र रामचन्द्र जाट तथा विशाल जायसवाल पुत्र जगदीश को गिरफ्तार किया। आरोपी नशा करने के आदी है।

स्कूल में घुसकर प्रिंसिपल के गले से चेन तोड़ फरार हुए बदमाश

अजमेर, (निसं)। शहर में चेन स्नैचर के हौसले लगातार बढ़ते दिख रहे हैं। शुक्रवार को बदमाशों ने सरकारी स्कूल के अंदर घुसकर प्रिंसिपल की सोने की चेन ही झपट ली। यह वारदात दौराई स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में हुई। घटना के बाद स्कूल स्टाफ में डर और गुस्से का माहौल है। यह वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश में जुटी है।

रामगंज थाना पुलिस के अनुसार धोलाभाटा निवासी पीड़िता नूतन लुहाड़िया सरकारी स्कूल दौराई में प्रिंसिपल हैं। स्कूल की चारदीवारी पर रंग-रोगन का काम चल रहा था। इसी का निरीक्षण करने वह गेट के बाहर पहुंची थीं। तभी अचानक दो युवक हेलमेट पहनकर बाइक से स्कूल के गेट में सीधे अंदर घुस आए। दोनों युवकों ने पहले दुकान का पता पूछने का नाटक किया। प्रिंसिपल जैसे ही अंदर की तरफ बढ़ी, युवकों में से एक ने उनके गले पर झपट्टा मारा और सोने की चेन तोड़कर बाइक पर सवार होकर फरार हो गए। चेन करीब 15 ग्राम की बताई जा रही है।

> ■ **पुलिस सीसीटीवी कैमरे के आधार पर बदमाशों की तलाश में जुटी**

वारदात के बाद स्टाफ और छात्र सहमे नजर आए। इस दौरान स्कूल के बाहर और आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों में ये दोनों युवक बाइक पर जाते हुए कैद हो गए। पुलिस फुटेज खंगाल रही है। प्रारंभिक जानकारी में सामने आया है कि दोनों बदमाशों का हुलिया उन आरोपियों से मिलता जुलता है, जिन्होंने कुछ दिन पहले किशनगढ़ में भी चेन स्नैचिंग की वारदात की थी। रामगंज थाना पुलिस सीसीटीवी कैमरों, मोबाइल लोकेशन और संदिग्ध दोपहिया की जानकारी के आधार पर बदमाशों की तलाश कर रही है। पुलिस ने इलाके में नाकाबंदी कर तलाश शुरू कर दी है।

बस में महिला के जेवर चोरी

उदयपुर, (निसं)। बस में सवार महिला के जेवरात चोरी होने पर पीड़िता ने हाथीपोल पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। पीड़िता सुशीलाल पत्नी गौरव शर्मा निवासी कविता बडगांव ने दर्ज प्रकरण में बताया कि 4 नवंबर शाम घर लाने के लिए मैं मावली से बस में बैठकर रवाना हुई। जहां से चेतक मोहता पार्क पर उतरी। इस दौरान देखा तो बैग से जेवरात गायब थे। सोने का हार, चूड़ियां, रखड़ी सहित करीब 8 तोला सोने के जेवर एवं चांदी का कंदोरा, अंगूठी, बिछियां गायब थी। इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

उदयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान
No. :- F-2(01)Acct/Contract/2025-26/183 - 185 Date :- 30/10/2025
ई-निविदा सूचना संख्या : 52/2025-26
उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यो मय डिफेक्ट लाईबिलिटी अवधि के लिये जो कि निविदा प्रपत्र में अंकित है के लिये उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई–टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :–

निविदा कार्यो की कुल लागत	:	रूपये 378.17 लाख (10 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड/अपलोड करने की अवधि	:	31.10.2025 को प्रातः 10.00 बजे से 17.11.2025 को सांयः 6.00 बजे तक
Online EMD, Tender Fee & Processing Fee जमा कराने की तिथी	:	31.10.2025 को प्रातः 10.00 बजे से 17.11.2025 को सांयः 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथी	:	18.11.2025 को प्रातः 11:00 बजे

विस्तृत विवरण वेबसाईट urban.rajasthan.gov.in/uitudaipur, www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
UBN No. : ITU2526WSOB00312 To ITU2526WSOB00321
अधिशाषी अभियन्ता - चतुर्थ
राज.संवाद/सी/25/13254 उदयपुर विकास प्राधिकरण

राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन लि.
रजि. कार्यालयः डी-ब्लॉक, स्वास्थ्य भवन, तिलक मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर, फोन नः 0141-2228060-61, फैक्स नः 0141-2228065, ई-मेल : edf-rmsc-rj@nic.in, CIN: U24232RJ2011SGC035067, Website : rmsc.health.rajasthan.gov.in
क्रमांक :- एफ.3( )/आरएमएससी/भण्डार/पैकर्स/2025-26/1209 दिनांक :- 29/10/2025
अल्पकालीन ई-निविदा सूचना 05/2025
जॉब आधारित पैकर्स/हेल्पर्स सेवा कार्य हेतु ई-निविदा सूचना वित्तीय वर्ष 2025-26 एवं 2026-27 के 12 माह की अवधि के लिए
निगम द्वारा 12 माह हेतु जॉब आधारित पैकर्स/हेल्पर्स सेवा कार्य की दर संविदा हेतु प्रतिष्ठित एवं अनुभवी सेवा प्रदात्ता संस्थाओं/फर्मो से ई–निविदाएँ निम्न विवरणानुसार आमंत्रित की जाती हैः–

क्र. सं.	विवरण	अनु. राशि (₹ लाखों में)	बोली प्रतिभूति (bid security) (₹ लाखों में)	ई–निविदा शुल्क (₹)	RISL प्रोसेसिंग फीस (₹)	ई–निविदा प्रपत्र विक्रय की प्रारम्भ तिथि एवं समय	प्री–बिड मीटिंग की तिथि व समय	ई–निविदा प्रपत्र विक्रय की अंतिम तिथि एवं समय	ई–निविदा प्रपत्र प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय	ई–निविदा प्रपत्र (तकनीकी बिड) खोलने की तिथि एवं समय
1.	जॉब आधारित पैकर्स/हेल्पस सेवा कार्य	519.00	10.38	2360.00 (2000+18% GST)	2950.00 (2000+18% GST)	29.10.2025 05.00 PM बजे	03.11.2025 3.30 बजे	10.11.2025 06.00 PM बजे तक	11.11.2025 03.00 PM तक	11.11.2025 05.00 PM तक

ई–निविदा प्रपत्र वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है एवं वेबसाईट www.dipronline.org, sppp.rajasthan.gov.in एवं rmsc.health.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। ई–निविदा ऑनलाईन इलेक्ट्रोनिक्स फोरमेट में वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर ही प्रस्तुत की जाएगी। (UBN No- MSC2526SLRC00043) ई–निविदा प्रपत्र शुल्क राशि Rs.2360-00 (2000+18%GST), RISL प्रोसेसिंग फीस राशि Rs. 2950.00 (2000+18%GST) व बोली प्रतिभूति राशि Rs. 10.38 लाख के अलग–अलग डी.डी./बी.सी. दिनांक 11.11.2025 समय दोपहर 3.00 बजे तक निगम कार्यालय में जमा करवाना आवश्यक है।
कार्यकारी निदेशक (वित्त), आरएमएससी
राज.संवाद/सी/25/13350

हमारे विचारों में पूर्ण रूप से सकारात्मकता हो : आचार्य महाश्रमण

भीलवाड़ा। तेरापंथ धर्मसंघ के एकादशम अधिशास्ता आचार्य महाश्रमण अपनी धवल वाहिनी के साथ लम्बे-लम्बे डग भरते हुए मेवाड़ी की ओर अपने चरण पादुका बढ़ा रहे है। श्री मेवाड़ जैन श्वेताम्बर तेरापंथी कांफ्रेंस के अध्यक्ष राजकुमार फत्तावत ने बताया कि 7 नवम्बर को प्रातः विश्व मैत्री धाम से लगभग 13 किलोमीटर का विहार कर जैन तीर्थ स्थल लब्धी धाम पहंची। आचार्य संघ के विहार के दौरान मार्ग में जगह- जगह श्रावक-श्राविकाओं द्वारा स्वागत किया जा रहा है। अध्यक्ष फत्तावत ने बताया कि आचार्य महाश्रमण अपनी धवल वाहिनी के साथ अगला पड़ाव 8 नवम्बर को विश्व मैत्री धाम से तेजपुर स्वामीनारायण इंस्टीट्ययूट ऑफ नर्सिंग में होगा। मार्ग सेवा में आमेट तेरापंथ समाज के लाभचंद हिंगड, महेन्द्र बोहरा, देवेन्द्र मेहता, सुन्दरलाल हिरण, धूलचंद हिरण, शांतिलाल छाजेड़, जवाहर डांगी, जतन देवी बम्ब, संतोष देवी हिरण, उमा देवी हिरण, भंवर देवी छाजेड़ व मंजू देवी मादरेचा, सुरेश चोरडिया, राजेश खाब्या, सुनील कोठारी आदि आचार्य संघ की मार्ग सेवा में सहभागी रहे। 84 जिनालाय चन्द्रप्रभु लब्धि धाम के ट्रस्टी जिगनेश भाई मेहता का साहित्य समर्पण व उपरणे द्वारा गौतम बापना, सुरेश दक, गणेश कच्छारा, भूपेन्द्र चोरडिया, बलवंत रांका, कमलेश कच्छारा, विनोद माण्डोत, सुनील मुणोत, सूर्य प्रकाश मेहता आदि ने स्वागत अभिनंदन किया। इस दौरान जैन तीर्थ स्थल लब्धी धाम में आयोजित धर्मसभा में आचार्य महाश्रमण ने अपने प्रवचन में कहा कि रोग भी शरीर में नहीं रहना चाहिए। रोग रहता है तो फिर ध्यान नहीं रहता है। तीन प्रकार के रोग होते है।

आम सूचना

मेरी माता धन्नी पत्नि छोगा जाति रेगर निवासी ग्राम अरांई की मृत्यु दिनांक 15/8/1982 को मेरे निवास स्थान पर ग्राम अरांई में हो गई थी। जिसका पूर्व में इन्द्राज ग्राम पंचायत अरांई में नहीं करवाया था। अब मैं मेरी माता धन्नी रेगर का मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिए अरांई तहसील कार्यालय में आवेदन किया है। मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने बाबत जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो 7 दिन में मय दस्तावेज के साथ अरांई तहसीलदार के समक्ष स्वयं उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। बाद मियाद कोई भी आपत्ति स्वीकार नहीं होगी। -प्रार्थी- प्रहलाद पुत्र छोगा रेगर, निवासी ग्राम अरांई, तहसील-अरांई,अजमेर।

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में वन्दे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने पर हुआ भव्य आयोजन

अजमेर(निसं)। राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में भारत के राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में अत्यंत उत्साह, देशभक्ति और गर्व के साथ भव्य और दिव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन कुलपति प्रो. आनंद भालेराव के सानिध्य में विश्वविद्यालय के सभागार में संपन्न हुआ, जिसमें 500 से अधिक विद्यार्थियों, प्राध्यापकों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम का प्रारंभ वंदे मातरम् के सामूहिक गायन से हुआ, जिसने वातावरण को राष्ट्रभक्ति और एकता की भावना से भर दिया। इसके पश्चात सभी ने माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का राष्ट्र के नाम संबोधन लाइव देखा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली से वंदे मातरम् के 150 वर्षों के वर्षभर चलने वाले उत्सव के राष्ट्रव्यापी समारोह का शुभारंभ करते हुए कहा कि वंदे मातरम् एक मंत्र है, एक ऊर्जा है, एक स्वप्न है और एक संकल्प है।

प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि ये शब्द माँ भारती के प्रति भक्ति और उपासना हैं। ये हमें इतिहास में ले जाते हैं, हमारे वर्तमान को नए आत्मविश्वास से भरते हैं और हमारे भविष्य को यह साहस देते हैं कि कोई भी संकल्प ऐसा नहीं जो सिद्ध न हो सके, कोई भी लक्ष्य ऐसा नहीं जो हम भारतवासी प्राप्त न कर सकें। उन्होंने कहा कि 'वंदे मातरम' का सामूहिक गायन शब्दों की सीमाओं से परे एक अनुभव है-जहाँ अनेक स्वरों के बीच एक लय, एक सुर, एक भाव और एक प्रवाह गूंजता है। इस अवसर पर राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आनंद भालेराव ने अपने प्रेरक संबोधन में कहा कि वंदे मातरम् केवल गीत नहीं है, यह भारत माता के प्रति हमारे अटूट समर्पण का प्रतीक है। यह केवल नारा नहीं था, यह आत्मबल का स्त्रोत था। यह वह पुकार है, जिसने गुलामी की जंजीरों को तोड़ने का संकल्प जगाया, यह वह मंत्र है, जिसने हर भारतीय के हृदय में आत्म गौरव और स्वाभिमान की आग प्रज्वलित की। इस गीत को 1875 में बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय जी ने 'आनंदमठ' उपन्यास में लिखा था। उन्होंने आगे कहा कि 'सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम' यह पंक्ति बताती है कि हमारी धरती केवल भूखंड नहीं, बल्कि जीवंत सृष्टि है - जिसकी हवा में सुगंध, जल में जीवन और मिट्टी में मातृत्व है।

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

क्रमांक: न.नि.अ/राज/क.ब./25-26/28 आपत्ति सूचना दिनांक: 06/11/25

श्रीमती सीमा पत्नि श्री भागचन्द निवासी- 325/25 जनकपुरी के सामने गंज अजमेर द्वारा प्रस्तावित स्थल जनकपुरी, गंज अजमेर में स्थित है। जिसका क्षेत्रफल 78.16 वर्गमीटर/वर्गगज है का नगर निगम अजमेर में कच्ची बस्ती/राजकीय भूमि नियमन के तहत आवेदन प्रस्तुत किया है। प्रस्तावित स्थल की सीमाएं निम्नानुसार है।

पूर्व - मेघवंशी पश्चिम- रास्ता उत्तर- भाग चन्द दक्षिण - तारा चन्द

अतः जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि किसी भी व्यक्ति/संस्था के पास आवेदक द्वारा किये गये पट्टे के आवेदन के संबंध में कोई आक्षेप/आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 03 दिवस के अन्दर-अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ प्रस्तुत कर सकता है। उपर्युक्त नियत समय के भीतर किसी भी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा की किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आक्षेप/आपत्ति नहीं है। बाद मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा। -उपायुक्त नगर निगम, अजमेर

कार्यालय नगर परिषद् किशनगढ़ (अजमेर) राजस्थान

क्रमांक: न.प.कि/कृषि भूमि नियमन/2025/3041 आम सूचना दिनांक:07-11-25

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर परिषद किशनगढ़ में राजस्व ग्राम मदनगंज के खसरा 304/3 का भूखण्ड संख्या डी-19 का भाग का कुल 291.66 वर्गगज का आवासीय प्रयोजनार्थ पट्टा चाहने हेतु कृषि भूमि नियमन के तहत आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त आवेदित भूखण्ड नियमन में संबंधित किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशन की दिनांक से 07 दिवस में इस कार्यालय को लिखित में आपत्तियां/मय साक्ष्य/विवरण सहित कार्यालय समय में दर्ज करावें।

क. सं.	प्रार्थी का नाम	राजस्व ग्राम का नाम एवं खसरा नं व क्षेत्रफल	प्रस्तावित कृषि भूमि नियमन
1.	श्रीमती माया देवी पत्नि श्री गोपाल निवासी रूपनगढ़ मार्ग शिव बस्ती मदनगंज किशनगढ़ जिला अजमेर	मदनगंज खसरा 304/3 291.66 वर्गगज	आवासीय प्रयोजनार्थ पट्टा चाहने हेतु

-आयुक्त, नगर परिषद, किशनगढ़

कामधेनु की परिक्रमा से सुख-शांति की कामना: श्री सांवरिया सेठ मंदिर में हुआ हवन

भीलवाड़ा। श्री सांवरिया सेठ मंदिर ट्रस्ट नौगांवा की ओर से मंदिर परिसर में संपूर्ण क्षेत्र की सुख-शांति और कल्याण की कामना को लेकर एक भव्य हवन-यज्ञ का आयोजन किया गया। मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष गोविंद प्रसाद सोडाणी ने बताया कि इस धार्मिक अनुष्ठान में यजमान के रूप में मोनू छीपा एवं राकेश खोईवाल ने अपनी धर्मपत्नी के साथ बैठकर विधिवत आहुतियाँ दीं। हवन में शुद्ध देसी घी और उत्तम हवन सामठी का प्रयोग करते हुए दंपती ने श्रद्धापूर्वक विश्व शांति और व्यक्तिगत सुख-समृद्धि की प्रार्थना की। इस महत्वपूर्ण धार्मिक कार्य को पंडित रमाकांत शर्मा, पंडित प्रेम शंकर शर्मा, पंडित प्रकाश व्यास और पंडित दीपक पराशर सहित अन्य विद्वान आचार्यों ने वेदोक्त मंत्रोच्चार के साथ संपन्न कराया।

कार्यालय अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

मूल आवंटी/अन्तरिति की मृत्यु पर उतराधिकारियों द्वारा निष्पादित पंजीकृत हक त्याग पत्र के आधार पर नामान्तरण हेतु आम सूचना का प्रारूप

-आम सूचना-

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की राजस्व ग्राम घूघरा योजना के आवासीय/व्यावसायिक नियमन शुदा(फ्री होल्ड) भूखण्ड संख्या 5 खसरा नं. 327 क्षेत्रफल 153.33 वर्ग मीटर के आवंटी/अन्तरिति किशोर सिंह राठौड़ पुत्र स्व. पुष्प सिंह निवासी डोडियाना नागौर की मृत्यु दिनांक 22/6/23 को होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र व सजरा रिपोर्ट सलंग्न कर मृतक के वारिसों क्रमशः 1. श्रीमती हंसा कंवर (फौत) पत्नि स्व. किशोर सिंह राठौड़ 2. श्रीमती नीतिका राठौड़ पुत्री स्व. किशोर सिंह राठौड़ पत्नि अजय राज सिंह सोलंकी(चितौड़गढ़) 3.श्रीमती सुचिका राठौड़ पुत्री स्व. किशोर सिंह राठौड़ पत्नि संग्राम सिंह (कोटा) 4. हिमांशु राठौड़ पुत्र स्व. किशोर सिंह राठौड़ निवासी राठौड़ भवन चारभुजा मंदिर के पास राजपूतों का रावला डोडियाना(नागौर) द्वारा अपने सहहिस्सेदार हिमांशु राठौड़ पुत्र स्व. किशोर सिंह राठौड़ निवासी राठौड़ भवन चारभुजा मंदिर के पास राजपूतों का रावला डोडियाना(नागौर) के पक्ष में निष्पादित पंजीकृत हक त्याग पत्र दिनांक 7/11/2025 के आधार पर नामान्तरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त नामान्तरण किये जाने के संबंध में किसी को आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय मे दर्ज करावें उक्त नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार योग्य नही होगी व आवेदको के नाम नामान्तरण की कार्यवाही की जा सकेगी।

-योजना प्रभारी अजमेर विकास प्राधिकरण अजमेर

NAME CHANGE

I have changed my name from Manju Babel W/O Gautam Chand Babel to Manju Jain W/O Gautam Chand Babel. Address: 1, Nanesh Nagar, Near Jawahar Bhawan, Beawar, District: Beawar (Rajasthan)

आईसीएआई भीलवाड़ा शाखा में हुआ हैंड होल्डिंग प्रोग्राम एवं नेटवर्क समिट

भीलवाड़ा। दी इंस्टीट्ययूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया ( ) की भीलवाड़ा शाखा द्वारा हैंड होल्डिंग प्रोग्राम एवं नेटवर्क समिट का आयोजन आईसीएआई भवन, पटेल नगर, भीलवाड़ा में नव-निर्मित चार्टर्ड एकाउंटेंट्स के सम्मान में किया गया। दी इंस्टीट्ययूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा सितम्बर 2025 में आयोजित सीए फाइनल परीक्षा का परिणाम 3 नवम्बर 2025 को घोषित किया गया, जिसमें भीलवाड़ा शाखा के कई विद्यार्थियों ने सफलता अर्जित की। इस अवसर पर शाखा द्वारा नव-निर्मित चार्टर्ड एकाउंटेंट्स का स्वागत एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। शाखा अध्यक्ष सीए आलोक सोमानी ने कहा कि सफल विद्यार्थियों को उनके समर्पण और परिश्रम के लिए बधाई देते हुए स्वागत किया गया। उन्होंने कहा कि यह सफलता सभी विद्यार्थियों के अथक प्रयास और दृढ़ संकल्प का प्रतिफल है, जिससे पूरी शाखा गौरवान्वित हुई है। उन्होंने आगे कहा कि सीए बनने की यात्रा चुनौतीपूर्ण जरूर है, लेकिन यह न केवल एक बेहतरीन प्रोफेशनल बल्कि एक सशक्त व्यक्तित्व का निर्माण भी करती है।

कार्यालय जिला परिवहन एवं सड़क सुरक्षा अधिकारी, जिला भीलवाड़ा(राज.)

क्रमांक :परि./भील/2025-26/ नोटिस दिनांक: 04-11-25

वाहन सं. आरजे06-पीए-4898 श्री निर्मल कहार पुत्र श्री लादू कहार निवासी- बेगू रोड, वार्ड नं. 22 शाहपुरा, जिला भीलवाड़ा नोटिस फार्म 37 पत्र क्र.सं. 2713 दिनांक 4.11.2025 फाईनेंसर-SHRIRAM FINANCE LTD.	वाहन सं. आरजे06-पीए-1946 श्री राजू सिंह बंजारा पुत्र श्री लक्ष्मण लाल निवासी- वार्ड नं.15, अंबेडकर कॉलोनी, बंजारा बस्ती, भीलवाड़ा नोटिस फार्म 37 पत्र क्र.सं. 2712 दिनांक 4.11.2025 फाईनेंसर-SHRIRAM FINANCE LTD.
वाहन सं. आरजे06-ईए-3313 श्री सोहन लाल रेगर पुत्र श्री नन्दा लाल रेगर निवासी 73 सलवाटियों से तिलस्वा रोड, चांदजी की खेड़ी, बिजौलिया, जिला भीलवाड़ा नोटिस फार्म 37 पत्र क्र.सं. 3776 दिनांक 23.12.2025 फाईनेंसर-CHOLAMANDALAM INV.& FIN.CO.LTD.	वाहन सं. आरजे06-जीसी-7143 श्री सुनिल पुत्र श्री ईश्वर लाल निवासी 12 बरण, तहसील आसीन्द, जिला भीलवाड़ा नोटिस फार्म 37 पत्र क्र.सं. 2700 दिनांक 30.10.2025 फाईनेंसर-CHOLAMANDALAM INV.& FIN.CO.LTD.

उक्त वाहन के फाईनेंसर ने अपने कब्जे में लेकर अपने नाम से फ्रेश आर.सी. जारी करने हेतु इस कार्यालय में आवेदन किया है कार्यालय के उपरोक्त पत्रांक से रजि० एडी० द्वारा नोटिस भिजवाया गया लेकिन अभी तक उसका कोई प्रत्युतर प्राप्त नहीं हुआ। तथा न ही किसी प्रकार की आपत्ति/अभ्यावेदन प्रस्तुत हुआ है। समाचार पत्र में पुनः नोटिस प्रकाशित किया जा रहा है। नोटिस प्रकाशन के सात दिवस तक वाहन की मूल आर.सी. इस कार्यालय में प्रस्तुत कर दे या जो भी आपत्ति/अभ्यावेदन हो मय साक्ष्य/प्रमाण के अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत कर दें। इस अवधि उपरान्त कोई आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी एवं तत्पश्चात U/S 51(5) of CMV ACT 1988 के तहत फाईनेंसर के नाम फ्रेश आर.सी. जारी कर दी जायेगी।

-जिला परिवहन अधिकारी, भीलवाड़ा

NAME CHANGE

I Army No 15790597L, Rank-HAV(OPR) LAXMI-NARAYANA BADANA,Vill-Srikrishnapuram, Post -Borubhadra,dist-Srikakulam.(A.P) 532195.have changed my wife name from MENDA KALPANA to BADANA KALPANA in my army service records. aff-CA 836419.date 3 Nov 2025.before Notary Nousar Rawat. Shrinagar Nasirabad.

NAME CHANGE

I Army No 15790597L, Rank-HAV(OPR) LAXMI-NARAYANA BADANA,Vill-Srikrishnapuram, Post -Borubhadra,dist-Srikakulam.(A.P) 532195.have changed my wife name from MENDA KALPANA to BADANA KALPANA in my army service records. aff-CA 836419.date 3 Nov 2025.before Notary Nousar Rawat. Shrinagar Nasirabad.

पीएम नेशनल अप्रेंटिस मेले का आयोजन 10 नवंबर को

भीलवाडा (निसं)। पीएम नेशनल अप्रेंटिस मेले का आयोजन 10 नवंबर को औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, में आयोजित होगा। मेले में विभिन्न व्यवसायों से आई.टी.आई. उत्तीर्ण अभ्यर्थी भाग ले सकते है, जिन्हें शिक्षुता अधिनियम 1961 के तहत शिक्षुओं का नियोजन जिले के विभिन्न प्रतिष्ठानों में किया जायेगा। सहायक शिक्षुता सलाहकार एवं उपनिदेशक औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान ने बताया कि जिले के समस्त राजकीय, निजी आई, टी, आई, के शैक्षिणक एवं तकनीकी योग्यताधारी एवं फ्रेशर अभ्यर्थी भाग लेने के लिए 10 नवंबर को प्रातः 10 बजे से मेले में अपने मूल दस्तावेज व बायोडेटा सहित उपस्थित होकर पीएम नेशनल अप्रेंटिस मेले से लाभान्वित होवें।

कार्यालय आवासीय अभियन्ता राजस्थान आवासन मण्डल, अजमेर

क्रमांक: 1556 जाहिर आम सूचना दिनांक-06-11-25

राजस्थान आवासन मण्डल आवास संख्या 3-ग-34. आनासागर सरक्यूलर रोड, अजमेर क्षेत्रफल 162.00 वर्ग मीटर मूल आवटी श्री सुन्दर एच. झुरानी पुत्र श्री हुंद राज को आवंटित कर दिनांक 06.01.1986 को आवास का भौतिक कब्जा सौंपा गया था। श्री सुन्दर एच. झुरानी पुत्र श्री हुंद राज द्वारा दिनांक 16.08.1990 को उक्त आवास का पंजीयन करवा लिया गया। पंजीयन पश्चात् श्री सुन्दर एच. झुरानी पुत्र श्री हुंद राज द्वारा आवास का बैचान श्री अश्वनी बदलानी पुत्र श्री आसन बदलानी को दिनांक 04.09.2025 को कर दिया गया जो कि पंजीयन विभाग की पुस्तक संख्या 01 जिल्द संख्या 1000 में पृष्ठ संख्या 93 क्रम संख्या 202503002110290 पर पंजीबद्ध किया गया। तथा अतिरिक्त पुस्तक संख्या 01 जिल्द संख्या 3999 के पृष्ठ संख्या 147 से 157 पर दिनांक 04.09.2025 को चस्पा किया गया है। अब श्री अश्वनी बदलानी पुत्र श्री आसन बदलानी ने उक्त आवास से संबंधित विक्रय चैनल प्रस्तुत कर स्वयं के नाम दोहरा पंजीयन उपरांत नाम हस्तान्तरण करने हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है। श्री अश्वनी बदलानी पुत्र श्री आसन बदलानी का नाममण्डल रिकॉर्ड में प्रतिस्थापन की कार्यवाही विचाराधीन है। अतः उक्त कार्यवाही से किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो इस जाहिर आम सूचना की विज्ञप्ति के प्रकाशन के 10 दिवस में अपनी उजरदारी / आपत्ति मय सबूत एवं पहचान के दस्तावेज के साथ इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। बाद मियाद गुजरने पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार नहीं होगी, नाम प्रतिस्थापन की अग्रिम कार्यवाही सम्पादित कर ही जावेगी। -सहायक प्रशासनिक अधिकारी, राजस्थान आवासन मण्डल, खण्ड-अजमेर

आम सूचना

मेरे पिता छोगा पुत्र पन्ना जाति रेगर निवासी ग्राम अरांई की मृत्यु दिनांक 1/4/1984 को मेरे निवास स्थान पर ग्राम अरांई में हो गई थी। जिसका पूर्व में इन्द्राज ग्राम पंचायत अरांई में नहीं करवाया था। अब मैं मेरे पिता छोगा रेगर का मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिए अरांई तहसील कार्यालय में आवेदन किया है। मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने बाबत जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो 7 दिन में मय दस्तावेज के साथ अरांई तहसीलदार के समक्ष स्वयं उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। बाद मियाद कोई भी आपत्ति स्वीकार नहीं होगी। -प्रार्थी- प्रहलाद पुत्र छोगा रेगर, निवासी ग्राम अरांई, तहसील-अरांई,अजमेर।

कार्यालय अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

मूल आवंटी/अन्तरिति की मृत्यु पर उत्तराधिकारियों के पक्ष में संयुक्त नामान्तरण हेतु सूचना का प्रारूप

-आम सूचना-

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की गृह निर्माण योजना के आवासीय भूखण्ड संख्या ए-111 क्षेत्रफल 266.66 वर्गगज के आवंटी/अन्तरिति श्री अशोक यादव पुत्र श्री बी.एस. याद्व निवासी ए-111 पंचशील नगर, अजमेर की मृत्यु दिनांक 06.02.2020 को होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र व सजरा रिपोर्ट सलंग्न कर मृतक के वारिसों क्रमशः विजय लक्ष्मी यादव(पत्नी), पियूष यादव (पुत्र),शैफाली यादव(पुत्री) निवासी (समस्त) ए-111, पंचशील नगर, अजमेर द्वारा नामान्तरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त नामान्तरण किये जाने के संबंध में किसी को आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय मे दर्ज करावें उक्त नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार योग्य नही होगी व आवेदको के नाम नामान्तरण की कार्यवाही की जा सकेगी। -योजना प्रभारी अजमेर विकास प्राधिकरण अजमेर

कार्यालय नगर परिषद् किशनगढ़ (अजमेर) राजस्थान

क्रमांक: न.प.कि/भूमि/2025/9498 आम सूचना दिनांक: 06-11-25

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है किआवेदक मोहम्मद नदीम पुत्र मोहम्मद इलियास निवासी मालियों की ढाणी, मदीना मस्जिद के पास, गांधीनगर, मदनगंज किशनगढ़ ने स्टेट ग्राण्ट एक्ट के तहत पट्टा चाहने हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है जो कि मदीना मस्जिद के पास, गांधीनगर, मदनगंज किशनगढ़ में स्थित भूखण्ड/परिसर कुल क्षेत्रफल 121.08 वर्गगज है जिसकी सीमाऐं निम्न प्रकार से है-

पूर्व में- यासीन जी का मकान पश्चिम में- राबिया पत्नी शकुर जी मकान

उत्तर में- 23 फुट रास्ता दक्षिण में- 6 फुट गली

अतः उक्त नामान्तरण प्रकरण में किसी भी व्यक्ति/संस्था को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो सूचना के प्रकाशन की दिनांक से 07 दिवस में इस कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा बाद मियाद किसी भी प्रकार की आपत्ति स्वीकार नहीं होगी।

-प्रभारी अधिकारी, नगर परिषद किशनगढ़

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

क्रमांक: न.नि.अ/राज/क.ब./2025-26/34 आपत्ति सूचना दिनांक: 07/11/25

श्री इतवारी लाल पुत्र श्री कालू राम, निवासी- ट्राम्बे स्टेशन,हरिजन बस्ती, अजमेर द्वारा प्रस्तावित स्थल ट्राम्बे स्टेशन, हरिजन बस्ती, अजमेर में स्थित है। जिसका क्षेत्रफल 103.17 वर्गमीटर/वर्गगज है का नगर निगम अजमेर में कच्ची बस्ती/राजकीय भूमि नियमन के तहत आवेदन प्रस्तुत किया है। प्रस्तावित स्थल की सीमाऐं निम्नानुसार है।

पूर्व - आम रास्ता पश्चिम- गली

उत्तर- कल्लो देवी का मकान दक्षिण - चौक

अतः जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि किसी भी व्यक्ति/संस्था के पास आवेदक द्वारा किये गये पट्टे के आवेदन के संबंध में कोई आक्षेप/आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 03 दिवस के अन्दर-अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ प्रस्तुत कर सकता है। उपर्युक्त नियत समय के भीतर किसी भी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा की किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आक्षेप/आपत्ति नहीं है। बाद मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा। -उपायुक्त नगर निगम, अजमेर

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

क्रमांक : न.नि.अ./25-26/एम.बी./435 आपत्ति सूचना दिनांक : 05.11.2025

श्री दिगम्बर जैन बीसपंथ आम्नाय पंचायत बड़ा धड़ा अजमेर जरिए उसके मंत्री श्री मनीष सेठी अजमेर द्वारा एक भूखण्ड संख्या ए अंकित है जो वाके पार्श्वनाथ कॉलोनी, सुभाष बाग के सामने, अजमेर में स्थित है। जिसका कुल क्षेत्रफल 158.85 व.मी. है। भूमि के आवासीय से व्यावसायिक वर्तमान मास्टर प्लान 2033 के अनुसार व्यावसायिक मानचित्र स्वीकृति हेतु निर्धारित प्रपत्र में इस कार्यालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाएं निम्नानुसार हैं :-पूर्व - 6.09 मी. चौड़ा रोड, पश्चिम -मैन रोड 20.80 मी. चौड़ा, उत्तर - अन्य की सम्पति, दक्षिण - सम्पति का शेष भाग भूखण्ड संख्या बी। अतः जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि किसी भी व्यक्ति / संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर-अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। बाद मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

उपायुक्त, नगर निगम, अजमेर

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

क्रमांक : न.नि.अ./25-26/एम.बी./436 आपत्ति सूचना दिनांक : 05.11.2025

श्री दिगम्बर जैन बीसपंथ आम्नाय पंचायत बड़ा धड़ा अजमेर जरिए उसके मंत्री श्री मनीष सेठी अजमेर द्वारा एक भूखण्ड संख्या बी अंकित है जो वाके पार्श्वनाथ कॉलोनी, सुभाष बाग के सामने, अजमेर में स्थित है। जिसका कुल क्षेत्रफल 158.85 व.मी. है। भूमि के आवासीय से व्यावसायिक वर्तमान मास्टर प्लान 2033 के अनुसार व्यावसायिक मानचित्र स्वीकृति हेतु निर्धारित प्रपत्र में इस कार्यालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाएं निम्नानुसार हैं :-पूर्व - 6.09 मी. चौड़ा रोड, पश्चिम -मैन रोड 20.80 मी. चौड़ा, उत्तर - सम्पति का शेष भाग भूखण्ड संख्या ए, दक्षिण - रोड। अतः जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि किसी भी व्यक्ति / संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर-अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। बाद मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

उपायुक्त, नगर निगम, अजमेर

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

क्रमांक : न.नि.अ./भवन/25-26/ आपत्ति सूचना दिनांक : ....

श्री प्रदीप जैन पुत्र स्व. श्री भंवरलाल जैन, श्रीमती सरस्वती पत्नी श्री प्रदीप कुमार जैन, निवासीगण वीर लोकशाह कॉलोनी, पुष्कर रोड, अजमेर द्वारा एक सम्पति ए.एम.सी. नं. 47बी(5)/45 अंकित है, जो वाके वीर लोकशाह कॉलोनी, पुष्कर रोड, अजमेर में स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 265.85 व.मी. है। भूमि के वर्तमान मास्टर प्लान 2033 के अनुसार व्यवसायिक मानचित्र स्वीकृति हेतु निर्धारित प्रपत्र में इस कार्यालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाएं निम्नानुसार हैं :-पूर्व - मकान श्री पुखराज का, पश्चिम - माणकचन्द सिसोदिया की सम्पति, उत्तर - पुष्कर रोड, दक्षिण - अन्य की सम्पति। अतः जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि किसी भी व्यवित / संस्था को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर-अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। बाद मियाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

उपायुक्त, नगर निगम, अजमेर

कार्यालय ग्राम पंचायत सिरोंज, पं.स. अरांई, जिला-अजमेर, राज.(305813)

क्रमांक-121 आपत्ति निमंत्रण सूचना दिनांक- 07/11/2025

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत के निम्न निवासियों द्वारा कार्यालय में पट्टा विलेख हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। निम्न के संबंध में यदि किसी व्यक्ति, संस्था को कोई आपत्ति, दावा, इजलास प्रस्तुत करना है तो इस नोटिस की अवधि के 30 दिवस (07.12.2025) तक कार्यालय में प्रस्तुत करें। मियाद अवधि पश्चात किसी आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। अतः सभी सूचित रहे-

क्र.सं.	आवेदक का नाम	ग्राम	पत्रावली
1.	कैलाश/रोडू बलाई	सिरोंज	04/25-26
2.	रोडू मल/लालू राम मेघवंशी	सिरोंज	05/25-26
3.	रोडू/हरलाल जाट	गोली	06/25-26
4.	रामकंवरी/रोडू जाट	गोली	07/25-26
5.	शंकर/कन्हैया लाल जाट	जुगलीपुरा	08/25-26
6.	सुवा/सुखलाल जाट	जुगलीपुरा	09/25-26
7.	छीतरी/जगदीश जाट	जुगलीपुरा	10/25-26
8.	सीता देवी/हनुमान सिंह दरोगा	गोली	11/25-26
9.	प्रभुदयाल/मदन लाल जाट	सिरोंज	13/25-26
10.	रामचन्द्र/रत्न लाल जाट	जुगलीपुरा	327/21-22
11.	रामपाल/श्रवण बैरवा	सिरोंज	28/22-23
12.	कंवर अली/शफी-मोहम्मद	सिरोंज	54/24-25
13.	छोटी/छन्ना रैगर	सिरोंज	238/21-22
14.	जीतराम/रामधन जाट	गोली	55/23-24
15.	रामधन/उगमा प्रजापत	सिरोंज	397/21-22
16.	नंदा/बद्रीनाथ	गेहलपुर	39/24-25
17.	शंकर/पूसा बैरवा	सिरोंज	63/24-25
18.	रामस्वरूप/विश्राम जाट	जुगलीपुरा	42/24-25
19.	विष्णु/अखराज जाट	जुगलीपुरा	100/24-25
20.	कैलाश/रत्न लाल जाट	जुगलीपुरा	02/25-26
21.	ऋतिक/राजेन्द्र लक्षकार	सिरोंज	01/23-24
22.	परमेश/रामकिशन	सिरोंज	331/21-22
23.	हनुमान/रामकिशन	सिरोंज	332/21-22

ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत सिरोंज प.स. अरांई(अजमेर) — प्रशासक ग्राम पंचायत सिरोंज प.स. अरांई(अजमेर)

कार्यालय नगर परिषद, चित्तौड़गढ़ जिला – चित्तौड़गढ़

क्रमांक : श.से.शि./भूमि 69 ए /2025-26/7355-57 दिनांक :- 02/11/2025

उजरदारी सूचना 09

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्न सारणी अनुसार आवेदकों द्वारा नगर परिषद चित्तौडगढ में राजस्थान नगर पालिका अधिनियम 2009 की धारा 69-ए के तहत पट्टा प्राप्त किये जाने बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया किया है। उपरोक्त सम्पत्ति पर किसी भी प्रकार की उजर/आपत्ति हो तो अन्दर मियाद 7 दिवस में अपनी आपत्ति नगर परिषद कार्यालय में कार्यालय समय एवं कार्यदिवस में मय साक्ष्य/दस्तावेज उपस्थित होकर प्रस्तुत करें अन्यथा नियत समयावधी पश्चात कोई आपत्ती स्वीकार नहीं की जायेगी एवं तद्नुसार आवेदक के पक्ष में पट्टा जारी करने की कार्यवाही निष्पादित की जायेगी।

क0स0	नाम आवेदक	आवेदित स्थल	क्षैत्रफल वर्गफिट में
1.	श्री राकेश कुमार नाहर पिता श्री मांगीलाल निवासी गांधीनगर चित्तौडगढ	सदर बाजार, महादेव मंदिर के पास चित्तौडगढ	262.50
2.	श्री घनश्याम अग्रवाल पिता श्री मोडी लाल अग्रवाल निवासी चित्तौडगढ	पुठौली (चन्देरिया) चित्तौडगढ	450
3.	श्री पारस धाकड पिता श्री हीरालाल धाकड निवासी धाकड मोहल्ला, पुरानी आबादी सेंती, चित्तौडगढ	सेंती चित्तौडगढ	4391.37
4.	श्रीमती मिनाक्षी देवी जारवाल पत्नी श्री बंशीलाल जारवाल निवासी मीठरामजी का खेडा चित्तौडगढ	मीठरामजी का खेडा चित्तौडगढ	256.87
5.	श्री श्रीचंद उर्फ खेमचंद पिता श्री किशनचंद कृपलानी निवासी प्रतापनगर चित्तौडगढ	भूखण्ड संख्या 74 का भाग, सिंधी कॉलोनी प्रतापनगर चित्तौडगढ	940
6.	श्रीमती भूरी देवी पत्नी श्री परसराम पालीवाल निवासी गुर्जर मौहल्ला, पुरानी आबादी सेंती, चित्तौडगढ	गुर्जर मोहल्ला, पुरानी आबादी, सेंती चित्तौडगढ	1559.31
7.	श्री राजकुमार पुरोहित पिता श्री लादूलाल पुरोहित निवासी चित्तौडगढ	सदर बाजार चित्तौडगढ	472.50
8	श्री राजकुमार पुरोहित पिता श्री लादूलाल पुरोहित निवासी चित्तौडगढ	सदर बाजार चित्तौडगढ	516.25
9	श्री मुरलीधर पाण्डिया पिता श्री जगदीश चन्द्र पाण्डिया निवासी मिठाई बाजार चित्तौडगढ	मिठाई बाजार, गांधी चौक, चित्तौडगढ	1981.64
10	श्री रतन सिंह शक्तावत पिता श्री मोडसिंह शक्तावत निवासी चित्तौडगढ	भूखण्ड संख्या 23-डी, बापुनगर सेंती चित्तौडगढ	4800
11	श्री राजेन्द्र सुराणा पिता श्री प्रतापसिंह सुराणा निवासी शास्त्रीनगर चित्तौडगढ	भूखण्ड संख्या 26, कबीर कॉलोनी,गृह निर्माण सहकारी समिति चित्तौडगढ	2100
12	श्री रईस मोहम्मद शेख पिता स्व. श्री अब्दूल सलाम शेख निवासी शेख मोहल्ला, लक्ष्मीनाथ मंदिर के पीछे चित्तौडगढ	शेख मोहल्ला, लक्ष्मीनाथ मंदिर के पीछे चित्तौडगढ	1380
13	श्री अशोक कुमार छाजेड पिता श्री उदयलाल निवासी चित्तौडगढ	देहली गेट, चित्तौडगढ	1436
14	श्री उमर दराज अली खान पिता श्री सरदार अली खान निवासी बुंदी रोड चित्तौडगढ	भूखण्ड संख्या 74, बुंदी रोड, चित्तौडगढ	216
15	श्री दीपक गोखरू पिता श्री सुनिल गोखरू निवासी चित्तौडगढ	गोखरू की गवाडी, गांधी चौक, चित्तौडगढ	1132.75
16	श्रीमती चंदा गोखरू पत्नी श्री सुनिल गोखरू निवासी चित्तौडगढ	गोखरू की गवाडी, गांधी चौक, चित्तौडगढ	253
17	श्री विष्णु दत्त औझा पिता श्री सोहन लाल औझा निवासी चित्तौडगढ	ब्द्री नाथ मंदिर के पास, बडी गुवाडी, चित्तौडगढ	1664.18
18	श्रीमती सुशीला ईनाणी पत्नी श्री बद्रीलाल ईनाणी निवासी चित्तौडगढ	ब्द्री नाथ मंदिर के पास, बडी गुवाडी, चित्तौडगढ	2270.5
19	श्री अमर चन्द धाकड पिता श्री रतनलाल धाकड निवासी धाकड मोहल्ला, सेंती चित्तौडगढ	धाकड मोहल्ला, पुरानी आबादी, सेंती चित्तौडगढ	2650.35
20	श्रीमती प्रवीणा दशोरा पत्नी श्री प्रदीप दशोरा निवासी बापू नगर सेंती, चित्तौडगढ	भूखण्ड संख्या सी-51 गली नं. 8 बापूनगर, सेंती चित्तौडगढ	980
21	श्री जगदीश चन्द्र जाट, श्री आजाद जाट पिता श्री शिवलाल जाट निवासी चित्तौडगढ	भूखण्ड संख्या 28, चित्तौडगढ कबीर गृह निर्माण सहकारी समिति निम्बाहेडा रोड चित्तौडगढ	1617
22	श्रीमती लेखा काबरा पत्नी श्री विकास चौखडा निवासी चित्तौडगढ	भूखण्ड संख्या 36-ई, सेंती चित्तौडगढ	1590
23	श्री दिनेश सिसोदिया पिता श्री शिवनारायण सिसोदिया निवासी सेंती चित्तौडगढ	भूखण्ड संख्या 8/ई का भाग हडमाला सेंती चित्तौडगढ	1590
24	श्रीमती सावित्री सोनी पत्नी श्री मदनलाल स्वर्णकार निवासी चित्तौडगढ	भूखण्ड संख्या बी-31, कुम्भानगर चित्तौडगढ	2400
25	श्रीमती लक्ष्मी जायसवाल पत्नी श्री सुरेशचन्द्र जायसवाल निवासी चित्तौडगढ	भेरडा रोड, चन्देरिया चित्तौडगढ	240
26	श्रीमती विमला देवी पत्नी श्री गोपाल सुथार निवासी चित्तौडगढ	भूखण्ड संख्या 11 अशोक वाटिका, सेंती चित्तौडगढ	3074.5
27	श्री प्रकाश चन्द्र पिता श्री कन्हैयासिंह रावणा राजपूत निवासी औछडी चित्तौडगढ	भूखण्ड संख्या 2 औछडी चित्तौडगढ	2400
28	श्री सुरेश कुमार तरावत पिता श्री माधवलाल तरावत निवासी चित्तौडगढ	पंचवटी सेंती चित्तौडगढ	2400
29	श्री अब्दुल अजीज पिता श्री जान मोहम्मद मुसलमान निवासी चित्तौडगढ	शेख मोहल्ला, लक्ष्मीनाथ मंदिर के पीछे चित्तौडगढ	234.67
30	श्री राशिद हुसैन पिता श्री वाहिद हुसैन निवासी चित्तौडगढ	पुरानी सब्जी मण्डी, लौहार मोहल्ला, चित्तौडगढ	243.42
31	श्री पारस धाकड पिता श्री हीरालाल धाकड निवासी चित्तौडगढ	पुरानी आबादी, धाकड मोहल्ला, सेंती चित्तौडगढ	959.27
32	श्री डालचन्द मेघवाल पिता श्री नारायणलाल मेघवाल निवासी चित्तौडगढ	औछडी, चित्तौडगढ	2400
33	श्री किशनलाल सोमानी पिता श्री सोहनलाल सोमानी निवासी चित्तौडगढ	औछडी, चित्तौडगढ	2400
34	श्री प्रेमदास वैष्णव पिता श्री बंशीलालदास निवासी डगलाखेडा चित्तौडगढ	भूखण्ड संख्या 28 नगरपालिका कर्मचारी कॉलोनी, चित्तौडगढ	2400
35	श्रीमती प्रेमदेवी पत्नी स्व. श्री श्यामसुन्दर बजाज निवासी शनि महाराज मंदिर कें सामने सेंती चित्तौडगढ	शनि महाराज मंदिर कें सामने सेंती चित्तौडगढ	1500
36	श्रीमती प्रेमदेवी बजाज पत्नी श्री श्याम सुन्दर बजाज निवासी चन्दनपुरा चित्तौडगढ	चन्दनपुरा चित्तौडगढ	1037.04
37	श्रीमती सज्जन बाई पत्नी श्री रामनिवास काबरा एंव श्री गोविन्द काबरा पिता श्री रामनिवास काबरा निवासी चित्तौडगढ	गांधी चौक सदर बाजार, चित्तौडगढ	257.13
38	श्री जगदीश चन्द्र जाट, श्री आजाद जाट पिता श्री शिवलाल जाट निवासी चित्तौडगढ	भूखण्ड संख्या 27, चित्तौडगढ कबीर गृह निर्माण सहकारी समिति निम्बाहेडा रोड चित्तौडगढ	2691.25
39	श्रीमती लक्ष्मी देवी पत्नी श्री सुरेश चन्द्र निवासी चित्तौडगढ	हाथी भाटा, बापू कॉलोनी, उपरला पाडा चित्तौडगढ	495
40	श्री देवी सिंह पिता श्री गोवर्धनसिंह निवासी औछडी चित्तौडगढ	औछडी चित्तौडगढ	2400
41	श्री प्रकाश चन्द्र पिता श्री कन्हैयासिंह राजपूत निवासी औछडी चित्तौडगढ	औछडी चित्तौडगढ	2400
42	श्री सुनिल चिपड पिता श्री चांदमल चिपड निवासी चित्तौडगढ	सुराणा पेट्रोल पम्प के सामने रेलवे स्टेशन रोड चित्तौडगढ	1294.12
43	श्री उमेश तोषनीवाल पिता श्री लक्ष्मीनारायण तोषनीवाल निवासी बाहेतियों की गली, चित्तौडगढ	बाहेतियों की गली, चित्तौडगढ	1240.74
44	श्रीमती नारायणी कीर पत्नी श्री भेरूलाल कीर निवासी कीरखेडा चित्तौडगढ	हनुमान मंदिर के पास, कीर खेडा चित्तौडगढ	2085.5
45	श्री राजेन्द्र अग्रवाल पिता श्री सुखबीर सिंह अग्रवाल निवासी चित्तौडगढ	भूखण्ड संख्या 42 का भाग बापूनगर सेंती चित्तौडगढ	1500
46	श्री राजेन्द्र अग्रवाल पिता श्री सुखबीर सिंह अग्रवाल निवासी चित्तौडगढ	भूखण्ड संख्या 42 का भाग बापूनगर सेंती चित्तौडगढ	1375
47	श्री हरीश कुमार जायसवाल पिता श्री शम्भू दयाल जायसवाल निवासी चित्तौडगढ	भूखण्ड संख्या 26-ए का भाग, हडमाला सेंती चित्तौडगढ	1027.44
48	श्री महेश चन्द्र लोहानी पिता स्व. श्री रामचन्द्र लोहानी निवासी चित्तौडगढ	भूखण्ड संख्या 57 का भाग प्रतापनगर (सिंधी कॉलोनी) चित्तौडगढ	1200
49	श्री किशोर कुमार वासवानी पिता श्री निहालचंद वासवानी निवासी चित्तौडगढ	भूखण्ड संख्या 9-ए, बापुनगर सेंती चित्तौडगढ	2400
50	श्रीमती भगवती बाई पत्नी श्री लादूलाल सेन निवासी लखारी घाटी चित्तौडगढ	लखारी घाटी, चित्तौडगढ	402.75
51	श्री हरीश कुमार जायसवाल पिता श्री शम्भू दयाल जायसवाल निवासी चित्तौडगढ	भूखण्ड संख्या 26-ए का भाग, हडमाला सेंती चित्तौडगढ	1240.56
52	श्रीमती सीता देवी पत्न श्री श्याम लाल आगाल निवासी चित्तौडगढ	महादेवजी की गली सदर बाजार, चित्तौडगढ	696.72
53	कन्ज्यूमर युनिटी एण्ड ट्रस्ट सोसायटी सेंती चित्तौडगढ	धाकड मोहल्ला के पास सेंती चित्तौडगढ	11800
54	श्रीमती इन्द्रा तोलम्बिया पत्नी श्री नन्दकिशोर तोलम्बिया निवासी चित्तौडगढ	भूखण्ड संख्या 36 नई आबादी स्कूल के पास सेंती चित्तौडगढ	2400

Raj.samwad/C/25/13385 आयुक्त

खेल जगत

मैट इस टीम का एक अहम सदस्य और हमारे तेज गेंदबाजी आक्रमण का सबसे अनुभवी अगुआ है, इसलिए वनडे और टेस्ट मैचों के लिए उनका टीम में वापस आना बहुत अच्छा होगा। - **रॉब वाल्टर**

न्यूजीलैंड के मुख्य कोच, मैट हेनरी की वापसी को लेकर बोलेते हुए।

आज का खिलाड़ी

जहानारा आलम

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने तेज गेंदबाज जहानारा आलम द्वारा लगाए गए आरोपों की जांच करने के लिए एक कमेटी गठित करने का फ़ैसला किया है। जहानारा ने यह आरोप लगाया है कि 2022 वनडे विश्व कप के दौरान एक पूर्व चयनकर्ता का बर्ताव उनके साथ ठीक नहीं था। बोर्ड ने समिति को यह स्पष्ट आदेश दिया है कि वह 15 कार्यदिवसों के अंदर अपनी पूरी जांच रिपोर्ट और सुझाव सौंप दे। बीसीबी ने कहा है कि जांच कमिटी के रिपोर्ट के आधार पर उचित कार्रवाई की जाएगी। बीसीबी ने अपने बयान में कहा, ''बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड मीडिया में आई रिपोर्ट्स को लेकर चिंतित है।

क्या आप जानते हैं ?... भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने पहला टेस्ट क्रिकेट मैच 31 अक्तूबर 1976 को बैंगलोर में वेस्टइंडीज महिला क्रिकेट टीम के खिलाफ खेला था जबकि पहला एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय 1 जनवरी 1978 को कलकत्ता में।

आईसीसी बैठक में पहुंचे पीसीबी के अध्यक्ष मोहसिन

दुबई, 7 नवंबर। सभी तरह की अटकलों को विराम देते हुए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की आज हो रही बैठक में हिस्सा लेने पहुंचे। एशिया कप में विजेता भारतीय टीम को ट्रॉफी नहीं सौंपने के मुद्दे के बीच आज मोहसिन नकवी दुबई में स्थिति आईसीसी के मुख्यालय पहुंचे। नकवी हाल ही में आईसीसी बैठक से दूर रहे हैं, जिसमें जुलाई में सिंगापुर में हुई सालाना कॉन्फ्रेंस भी शामिल है। इसलिए इस बार भी उनके आने को लेकर संदेह था। पीसीबी के प्रमुख पर हाल ही में भारत द्वारा जीती गई एशिया कप ट्रॉफी अपने पास रखने का आरोप है। वह आज अपराह्न आखिरी मिनट में आईसीसी की बैठक में पहुंचे। ऐसा माना जा रहा है कि बैठक में अनसुलझे मुद्दे पर चर्चा चल रही थी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि जब तक यह ट्रॉफी भारतीय टीम को नहीं दी जाती, तब तक वह चुप नहीं बैठेगा। आज शाम इसको लेकर गंभीर चर्चा होने की उम्मीद है।

अंतर्राष्ट्रीय वुशू खिलाड़ी मुकेश चौधरी, जहान्वी मेहरा व नीतिका बंसल का हुआ सम्मान

जयपुर, 7 नवम्बर। राष्ट्रगीत वन्देमातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में राजस्थान सरकार की ओर से आज दिनांक 07 नवम्बर 2025 को सवाई मानसिंह स्टेडियम, जयपुर पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम मे वुशू खिलाडियों को सम्मानित किया गया। हीरानंद कटारिया अध्यक्ष, राजस्थान वुशू संघ ने बताया कि माननीय श्रीमान भजनलाल शर्मा मुख्यमंत्री, राजस्थान सरकार व माननीय श्रीमान राज्यवर्धन सिंह राठोड खेलमंत्री, राजस्थान सरकार ने वुशू के अंतर्राष्ट्रीय खिलाडी मुकेश चौधरी को वर्ल्ड कप में स्वर्ण पदक, जहान्वी मेहरा को एशियन वुशू प्रतियोगिता में कांस्य पदक व नितिका बंसल को एशियन वुशू प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीत कर तिरंगे व देश का नाम रोशन करने पर सम्मानित किया गया।

ब्रिस्बेन में सीरीज कब्जाने उतरेगा भारत

ब्रिस्बेन, 7 नवंबर। शनिवार को गाबा में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सीरीज का आखिरी मैच धमाकेदार होने वाला है, जहां भारत 2-1 की मामूली बढ़त के साथ उतरेगा। दांव आसमान छू रहे हैं, और जहां ऑस्ट्रेलिया सीरीज बराबर करने के लिए पूरी ताकत झोंक देगा, वहीं भारत आत्मविश्वास के साथ इस निर्णायक मैच में सीरीज कब्जाने उतरेगा।

ऑस्ट्रेलिया के सामने एक कठिन चुनौती है। ट्रैविस हेड और जोश हेजलवुड की अनुपस्थिति में उनकी आक्रामक क्षमता कमज़ोर पड़ गई है। मिशेल मार्श को मार्कस स्टोइनिस, टिम डेविड और ग्लेन मैक्सवेल के साथ मिलकर भारत के खिलाफ आक्रमण की कमान संभालनी होगी।

गेंदबाज़ी में, नाथन एलिस और एडम जम्पा पर भारत की मजबूत लाइनअप को ध्वस्त करने की ज़िम्मेदारी होगी। गाबा में यह एक जानी-पहचानी कहानी है - घरेलू मैदान का फ़ायदा मायने रखता है, लेकिन भारत इस दौरे में किसी भी तरह का समझौता नहीं कर रहा है। इस बीच, भारत लय में है। अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा ने धमाकेदार प्रदर्शन किया है, जबकि शुभमन गिल और सूर्यकुमार यादव क्रीज पर संयम बनाए हुए हैं। वाशिंगटन सुंदर और जितेश शर्मा जैसे निचले क्रम के बल्लेबाज जरूरत पड़ने पर अपनी रणनीति बदल सकते हैं। जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह अगुआ बने हुए हैं और किसी भी साझेदारी को ध्वस्त करने में सक्षम हैं।

इतिहास बताता है कि गाबा लक्ष्य का पीछा करने वाली टीम के पक्ष में है। पिछले पांच घरेलू टी20 मुकाबलों में सभी मैच बाद में बल्लेबाजी करने वाली टीम के नाम रहे हैं, और 180-190 के प्रतिस्पर्धी स्कोर के साथ, टॉस निर्णायक हो सकता है - खासकर जब बादल छाए हों और गरज के साथ बारिश हो सकती हो। उम्मीद है कि कप्तान नई गेंद का इस्तेमाल करेंगे।

अगर भारत पावरप्ले में अपनी क्षमता साबित कर सके और ऑस्ट्रेलियाई टीम को बैकफुट पर रख सके, तो उसके पास सीरीज़ 3-1 से अपने नाम करने का अच्छा मौका है। ऑस्ट्रेलिया को मैच में बने रहने के लिए शुरुआती सफलताओं और मार्श तथा डेविड के दमदार योगदान की जरूरत होगी।

दोनों टीमें जीत की भूखी हैं, ऐसे में प्रशंसक ब्रिस्बेन की रोशनी में एक रोमांचक टी20 मैच की उम्मीद कर सकते हैं। निर्णायक मैच एक साझेदारी, तेज गेंदबाजी या बाउंड्री की झड़ी पर निर्भर हो सकता है - और यही गाबा में क्रिकेट को इतना रोमांचक बनाता है।

टीमें - ऑस्ट्रेलिया: मिशेल मार्श, मैथ्यू शॉर्ट, जोश इंगलिस, टिम डेविड, जोश फिलिप, मार्कस स्टोइनिस, ग्लेन मैक्सवेल, बेन ड्वार्शुइस, जेवियर बार्टलेट, नाथन एलिस, एडम जम्पा, मिशेल ओवेन, मैथ्यू कुहनेमन, तनवीर संघा, महली बियर्डमैन।

भारत: अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, जितेश शर्मा, शिवम दुबे, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, संजू सैमसन, रिंकू सिंह, नितीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा।

भारत ने हांगकांग सिक्सर्स में पाक को दो रन से हराया

हांगकांग, 7 नवंबर। रॉबिन उथप्पा (28), भरत चिप्ली (24) की शानदार बल्लेबाजी के दम पर भारत ने शुक्रवार को हांगकांग सिक्सर्स टूर्नामेंट 2025 के पूल सी के वर्षा बाधित मुकाबले में डकवर्थ-लुईस पद्धित से पाकिस्तान को दो रनों से शिकस्त दी। आज यहां पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह ओवर में चार विकेट पर 86 रन बनाए, जिसमें रॉबिन उथप्पा के 11 गेंदों में 28 रन और भरत चिप्ली के 13 गेंदों में 24 रनों का योगदान दिया। इसके अलावा कप्तान दिनेश कार्तिक ने छह गेंदों में नाबाद 17 रन बनाकर भारत को एक प्रतिस्पर्धी स्कोर तक पहुंचाया। वर्षा बाधित इस मैच में, भारत ने धैर्य बनाए रखते हुए करीबी जीत हासिल की। पाकिस्तान के लिए मोहम्मद शहजाद ने दो विकेट लिये। अब्दुल समद ने एक बल्लेबाज को आउट किया। पाकिस्तान की पारी की शुरुआत अच्छी रही और तीन ओवर के बाद जब उसका स्कोर एक विकेट पर 41 रन था, तभी भारी बारिश के कारण खेल रोकना पड़ा। उसके बाद खेल नहीं हो सका और डीएलएस पद्धित के अनुसार पाकिस्तान को दो रन हार का सामना करना पड़ा।

धोनी आईपीएल 2026 में खेलेंगे : सीएसके

चेन्नई, 7 नवम्बर। एमएस धोनी का आईपीएल से संन्यास अभी बाकी है और भारत के इस महान क्रिकेटर का अगले सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए खेलना तय है। इस बात की पुष्टि खुद फ्रेंचाइजी की ओर से हुई है, सीईओ काशी विश्वनाथन ने क्रिकबज को बताया, ''यह सही है,'' जबकि जानकारी सामने आई है कि संजू सैमसन का व्यापार मुद्दा फिर से सीएसके की चर्चा का विषय बन गया है। विश्वनाथन, जो 2008 में फ्रेंचाइजी की स्थापना के बाद से ही इसके साथ जुड़े हुए हैं - बिल्कुल धोनी की तरह - ने हाल ही में एक युवा प्रशंसक को आगामी सीजन के लिए सीएसके के इस करिश्माई खिलाड़ी की उपलब्धता के बारे में बताया। शुक्रवार को, उन्होंने इस वेबसाइट से बात दोहराते हुए कहा, ''एमएस ने हमें बताया है कि वह अगले सीजन के लिए उपलब्ध रहेंगे।'' धोनी की तरह, विश्वनाथन भी पांच बार की चैंपियन टीम की रीढ़ रहे हैं और फ्रेंचाइजी के मालिक एन श्रीनिवासन के करीबी विश्वासपात्र भी हैं। हालाँकि पिछले कुछ वर्षों से धोनी (44) का आईपीएल में खेलना किसी भी सीजन से पहले एक बार-बार उठने वाला सवाल रहा है, लेकिन सीएसके के सीईओ की पुष्टि से कम से कम 2026 के संस्करण के लिए अटकलों पर विराम लग जाना चाहिए।

मैट हेनरी की न्यूज़ीलैंड टीम में वापसी

आकलैंड, 7 नवम्बर। मैट हेनरी वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए न्यूज़ीलैंड टीम में वापसी कर रहे हैं। हेनरी पिछले हफ़्ते पिंडली में खिंचाव के कारण इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी दो वनडे मैचों में नहीं खेल पाए थे और फिलहाल वनडे और उसके बाद होने वाली तीन मैचों की टेस्ट सीरीज की तैयारी के लिए रिहैबिलिटेशन प्रोग्राम से गुजर रहे हैं। इस बीच, 32 वर्षीय ब्लेयर टिकनर, जिन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे और तीसरे वनडे में लगातार प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार जीता था, टीम में अपनी जगह बरकरार रखते हैं। टिकनर ने दो मैचों में 12.25 की औसत से आठ विकेट लिए थे। उस सीरीज से पहले, टिकनर ने 2023 के बाद से न्यूज़ीलैंड के लिए कोई वनडे मैच नहीं खेला था। हालांकि, न्यूज़ीलैंड की चोटों की सूची लंबी होती जा रही है, मोहम्मद अब्बास (पसलियां), फिन एलन (पैर), लॉकी फर्ग्यूसन (हैमस्ट्रिंग), एडम मिल्ने (टखना), विल ओरूर्के (पीठ), ग्लेन फिलिप्स (ग्रोइन) और बेन सियर्स (हैमस्ट्रिंग) चोट के कारण उपलब्ध नहीं हैं। केन विलियमसन को चयन के लिए नहीं चुना गया क्योंकि वह 2 दिसंबर से शुरू होने वाली टेस्ट सीरीज की तैयारी शुरू कर रहे हैं।

प्रसिद्ध कृष्णा की अगुवाई में गेंदबाजों ने दिलाई भारत-ए को बढ़त

बेंगलुरु, 7 नवंबर। प्रसिद्ध कृष्णा (तीन विकेट), मोहम्मद सिराज और आकाश दीप (दो-दो विकेट) के बेहतरीन गेंदबाजी प्रदर्शन के दम पर भारत ए ने शुक्रवार को दूसरे अनौपचारिक टेस्ट मैच के दूसरे दिन दक्षिण अफ्रीका को पहली पारी में 221 के स्कोर पर समेटने के बाद स्टंप्स के समय पहली पारी में तीन विकेट पर 78 रन बना लिये है और उसकी कुल बढ़त 112 रनों की हो गई है। भारत ए के पहली पारी में 255 रन के स्कोर के जवाब में आज सुबह दक्षिण अफ्रीका ए बल्लेबाजी की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने मात्र आठ ओवर में 12 रन पर अपने तीन विकेट गंवा दिये। लेसेगो सेनोक्वाने (शून्य) और टेम्बा बावुमा (शून्य) को आकाश दीप ने, ज़ुबैर हम्जा (आठ) को सिराज ने आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान मार्केस ऐकरमैन ने जॉर्डन हरमन के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। 26वें ओवर में प्रसिद्ध कृष्णा ने जॉर्डन हरमन (26) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद मार्केस ऐकरमैन को छोड़कर कोई भी दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज भारतीय गेंदबाजी आक्रमण का सामना अधिक देर तक नहीं कर सका। इस दौरान मार्केस ऐकरमैन ने अपना शतक पूरा किया। प्रीनेलान सुब्रायेन (20) रनआउट हुये। 48वें ओवर की तीसरी गेंद पर हर्ष दुबे ने मार्केस ऐकरमैन को आउट कर 221 के स्कोर पर दक्षिण अफ्रीका की पारी का अंत कर दिया। इसी के साथ भारत ए को 34 रनों की बढ़त मिल गई। मार्केस ऐकरमैन ने 118 गेंदों में 17 चौके और पांच छक्के लगाते हुए 134 रन बनाये। भारत ए के लिए प्रसिद्ध कृष्ण ने तीन विकेट लिये। मोहम्मद सिराज और आकाश दीप को दो-दो विकेट मिले। कुलदीप यादव और हर्ष दुबे ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इसके बाद दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी भारत ए की शुरुआत खराब रही और उसने दूसरे ही ओवर में अभिमन्यु ईश्वरन (शून्य) का विकेट गंवा दिया। उन्हें ओकुह्ले सेले ने पगबाधा आउट किया। भारत का दूसरा विकेट साई सुदर्शन (23) के रूप में गिरा। उन्हें टियान वैन वुरेन ने पगबाधा आउट किया। 23वें ओवर में ओकुह्ले सेले ने देवदत्त पड़िक्कल (24) को आउटकर भारत ए को तीसरा झटका दिया। दिन का खेल समाप्त होने के समय भारत ए ने तीन विकेट पर 78 रन बना लिये है और उसकी कुल बोत 112 रनों की हो गई है। केएल राहुल (नाबाद 26) और कुलदीप यादव बिना खाता खोले क्रीज पर मौजूद थे। दक्षिण अफ्रीका के लिए ओकुह्ले सेले ने दो विकेट लिये। टियान वैन वुरेन को एक विकेट मिला।

राजधानी

हमारे शत्रु बाहरी नहीं हैं, इस बात को समझने की जरूरत है : राज्यसभा सांसद मीनाक्षी जैन

सांसद जैन ने जयपुर डायलॉग की ''शत्रुबोध'' थीम पर 10वीं तीन दिवसीय समिट के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। जानी-मानी इतिहासवेत्ता और राज्यसभा सांसद मीनाक्षी जैन ने कहा कि हमारे शत्रु बाहरी नहीं हैं, इस बात को समझने की जरूरत है। वे शुक्रवार को जयपुर के जवाहरलाल नेहरू मार्ग पर स्थित एक होटल में जयपुर डायलॉग की ''शत्रुबोध'' थीम पर 10वीं तीन दिवसीय समिट के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रही थीं।

सांसद मीनाक्षी जैन ने कहा कि इतिहासवेत्ताओं ने ईमानदारी से इतिहास लिखा लेकिन उसमें कुछ छुपाया नहीं गया। न ही इतिहास को तोड़ा-मरोड़ा गया। परंतु आजादी के बाद हमारे इतिहासवेत्ताओं को मार्क्सवादियों ने कम्युनल बताया और मूल इतिहास के सिलेबस को ही गायब कर दिया गया। देश के असली इतिहास को विपरीत इतिहास में बदल दिया गया और धीरे-धीरे दिल्ली विश्वविद्यालय जेएनयू और अलीगढ़ के सिलेबस से यह सब गायब हो गए। हमको यह समझना चाहिए कि भाई शत्रु कहां है हमारा इतिहास बिल्कुल विपरीत लिखा गया, हमें शत्रुओं का बोध होना चाहिए।

इससे पहले सांसद मीनाक्षी जैन ने दीप प्रज्वलित कर जयपुर डायलॉग समिट का शुभारंभ किया।

''शत्रुबोध'' थीम पर गुरूवार से शुरू हुए जयपुर डायलॉग समिट में चेयरपर्सन संजय दीक्षित व अन्य वक्ताओं ने चर्चा की।

तीन दिवसीय समिट के पहले दिन मुख्य हॉल सहित अलग-अलग जगहों पर विभिन्न विषयों पर 14 सत्र आयोजित किए गए। जयपुर डायलॉग के चेयरपर्सन संजय दीक्षित की पुस्तक ''ऑल रिलीजंस आर नोट सेम'' के हिंदी संस्करण (सभी धर्म समान नहीं) का विमोचन भी किया गया।

प्रथम सत्र में ''भारत मस्ट नेम, एक्सपोज एंड कॉन्फ्रेंस इट्स सिविलाइजेशन एनीमीज'' विषय पर वरिष्ठ पत्रकार भाऊ तोरसेकर, अनुपम मिश्रा, ओमकार चौधरी, अभिषेक तिवारी और बाबा रामदास ने शत्रुओं की समय रहते पहचान करने और विकास की और फैलाए जा रहे नैरेटिव पर करारा प्रहार किया।

द्वितीय सत्र में दक्षिणी एशियाई देशों बांग्लादेश, नेपाल और श्रीलंका में जिओ पालिटिक्स तथा जेन जेड़ के विरोध-प्रदर्शन का जिक्र करते हुए कहा कि हमारे देश में भी विपक्ष की ओर से इस तरह के प्रयास किया जा रहे हैं, हमें शत्रुओं से सावधान रहना होगा। दोपहर बाद तीसरे सत्र में थिंक टैंक्स की ओर से शिक्षा के माध्यम से की जा रही भारत विरोधी गतिविधियों पर सांसद मीनाक्षी जैन, एस्थर धनराज, प्रोफेसर भारत गुप्त, आभास मालदहियार, नीलेश ओक और चिंतक कुंदन सिंह ने संबोधित किया। चौथे सत्र में ब्रेकिंग इंडिया फोर्सज, टुकड़े-टुकड़े गैंग, देश के आंतरिक शत्रु तथा नक्सली और इस्लामिस्ट नेटवर्क विषय पर संजय दीक्षित, नाजिया खान अभिजीत मित्रा अभिजीत चावाड़ा, पंकज सक्सेना और अविनाश धर्माधिकारी ने खुलकर देश विरोधी ताकतों और शत्रुओं का खुलासा किया।

- **जयपुर डायलॉग समिट में पहले दिन ''शिक्षा, भ्रष्टाचार और सिविक सेंस के सवाल'' उठे**

''इन ब्यूरोक्रेसी होल्डिंग बैक मोदी एंड इंडिया'' ओपन माइक चैनल सेशन में अविनाश धर्माधिकारी, उदय माहिरकर, सेवियो रॉड्रिक्स, राहुल सूर और संजय दीक्षित ने चर्चा की।

चर्चा में भ्रष्टाचार पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि भ्रष्टाचार हमारे समाज में इस कदर व्याप्त है कि परिवार के लोग भी उसके लिए दबाव बनाते हैं। भ्रष्टाचार हमारे समाज, व्यवस्था और लोकतंत्र का कैंसर है। इसके समाधान का रास्ता शिक्षा से शुरु होता है।

लिहाजा शैक्षिक नीति निर्माण करने वाले अधिकारियों का चरित्र भी इतना मजबूत हो, कि वे नेशन फर्स्ट की भावना को जागृत कर पाएं। वक्ताओं ने बताया कि डीबीटी की शुरुआत मोदी सरकार ने बहुत अच्छी की, लेकिन सक्षम अधिकारियों की अनदेखी के कारण आदिवासी गांव में ये योजनाएं सही मायने में नहीं पहुंच पाई।

सांसद तिवाड़ी ने अशोक गहलोत के बयान पर पलटवार किया

- **वंदे मातरम् किसी दल की नहीं, देश की राष्ट्रभावना का प्रतीक : तिवाडी**

सीकर/जयपुर। सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के वंदे मातरम् पर दिए गए बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि गहलोत जी इतिहास को तोड़-मरोड़ कर पेश कर रहे हैं, और राष्ट्रगीत को भी राजनीति के दायरे में घसीट रहे हैं।

तिवाड़ी ने कहा कि 'वंदे मातरम्' गीत देश के स्वतंत्रता सेनानियों में आज़ादी की चेतना जगा रहा था, यह गीत तभी से भारत के क्रांतिकारियों के लिए एक मंत्र और प्रेरणा का स्त्रोत बन गया। कांग्रेस के अधिवेशन में मौलाना अली, शौकत अली जैसे नेताओं ने इसका विरोध किया था। इसके बाद में वंदे मातरम् को धर्म से जोड़ने की कोशिश की गई, जो कि पूरी तरह गलत और दुर्भाग्यपूर्ण था। तिवाडी ने कहा कि 1875 में बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने वंदे मातरम् गीत की रचना की। 1882 में आनंदमठ में प्रकाशित हुआ, जिसमें इस गीत को प्रमुख स्थान मिला। 1905 बंग-भंग आंदोलन के समय यह गीत स्वदेशी आंदोलन का प्रेरणास्त्रोत बन गया। सांसद घनश्याम तिवाड़भ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूरे देश में वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने पर यह आयोजन राष्ट्रभक्ति की भावना को जागृत करने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगर अशोक गहलोत और कांग्रेस सच में राष्ट्रभक्ति की भावना रखते हैं, तो उन्हें इस आयोजन में शामिल होकर देश के साथ खडा होना चाहिए था, न कि इससे दूरी बनानी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि भाजपा राष्ट्रवादी विचारधारा वाली पार्टी है और वंदे मातरम् गीत के प्रति उसकी आस्था श्रद्धा और राष्ट्रसेवा की भावना से जुडी है। भाजपा इस गीत को राजनीतिक नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता और प्रेरणा का प्रतीक मानती है। तिवाड़ी ने कहा कि वंदे मातरम् गीत भारत के हर नागरिक के दिल में बसता है। यह किसी पार्टी की नहीं, बल्कि पूरे देश की राष्ट्रभावना का प्रतीक है। भाजपा इस गीत के माध्यम से देशभर में राष्ट्रभक्ति और एकता का संदेश देती रहेगी।

150 यूनिट प्रतिमाह निःशुल्क बिजली योजना संचालन के लिए दिशा-निर्देश जारी

रूफ टॉप सोलर पर अब राज्य सरकार से मिलेगी 17 हजार रूपए की अतिरिक्त सब्सिडी

जयपुर(कासं)। राजस्थान डिस्कॉम्स ने 150 यूनिट प्रतिमाह निःशुल्क बिजली योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए विस्तृत संचालन दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। इस महत्वाकांक्षी योजना के माध्यम से मुख्यमंत्री निःशुल्क बिजली योजना में पंजीकृत घरेलू उपभोक्ताओं को सौर ऊर्जा से प्रतिमाह 150 यूनिट निःशुल्क बिजली उपलब्ध कराई जाएगी। प्रथम चरण में यह लाभ उन उपभोक्ताओं को मिलेगा, जिनके पास रूफ टॉप सोलर संयंत्र लगाने के लिए घर की छत उपलब्ध है। उल्लेखनीय है कि 13 अक्टूबर को पोर्टल के शुभारम्भ के बाद रूफ टॉप सोलर लगाने के लिए अब तक 1 लाख 66 हजार 355 से अधिक विद्युत उपभोक्ता अपनी सहमति दर्ज करा चुके हैं।

जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार उपभोक्ता रूफ टॉप सोलर संयंत्र लगवाकर संयंत्र की क्षमता के अनुसार पीएम सूर्यघर योजना में देय केन्द्रीय अनुदान (अधिकतम 78 हजार रूपए) प्राप्त करेंगे। न्यूनतम 1.1 किलोवाट के संयंत्र पर उन्हें राज्य सरकार द्वारा अतिरिक्त 17 हजार रूपए की सब्सिडी भी दी जाएगी, जो डिस्कॉम द्वारा सत्यापन के पश्चात प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के माध्यम से सीधे उपभोक्ता के बैंक खाते में भेजी जाएगी।

योजना में वही घरेलू उपभोक्ता अतिरिक्त राज्य सब्सिडी के लिए पात्र होंगे, जो पहले से मुख्यमंत्री निःशुल्क बिजली योजना में पंजीकृत हैं तथा जिनके पास रूफ टॉप सोलर संयंत्र लगाने के लिए स्वयं की छत उपलब्ध है। ऐसे उपभोक्ताओं को राजस्थान डिस्कॉम की वेबसाइट तथा मोबाइल एप पर सहमति के लिए पंजीकरण कराना होगा। इसके बाद रूफ टॉप सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने के लिए उन्हें पीएम सूर्यघर योजना के राष्ट्रीय पोर्टल पर पंजीकरण करना होगा। आवश्यक दस्तावेज अपलोड कर एम्पेनल्ड वेंडर का चयन करना होगा। रूफ टॉप सोलर सिस्टम अपनी स्वामित्व वाली छत पर ही स्थापित कराना होगा। रूफ टॉप संयंत्र की आपूर्ति और स्थापना का कार्य पीएम सूर्यघर योजना में एम्पैनल्ड वेंडर द्वारा किया जाएगा। डिस्कॉम के संबंधित सहायक अभियंता द्वारा निरीक्षण कर रूफ टॉप संयंत्र स्थापित किए जाने का सत्यापन किया जाएगा।

- **13 अक्टूबर को पोर्टल के शुभारम्भ के बाद रूफ टॉप सोलर लगाने के लिए अब तक 1 लाख 66 हजार 355 से अधिक विद्युत उपभोक्ता अपनी सहमति दर्ज करा चुके हैं।**

'भारत में ''बंटोगे तो कटोगे'' का नारा अभी 1000 साल तक चल सकता है'

जयपुर। जयपुर डायलॉग के पहले दिन शुक्रवार को ''डू हिंदू इनफ्लुएंसर एक्चुअली अंडरस्टैंड सनातन (सेकुलर कथावाचक)'' सैशन हुआ। इस ओपन माइक सैशन में कार्तिक गौर, विनोद कुमार और अनुज भारद्वाज ने चर्चा की। वक्ताओं ने कहा कि ''बंटोगे तो कटोगे'' का नारा भारत में अभी और 1000 साल तक चल सकता है।

सोशल मीडिया, फिल्म मेकर, यू ट्यूबर, इनफ्लुएंसर के माध्यम से जनमानस में पैठ बनाने वालों पर तंज कसते हुए कहा कि ये स्वयं को हिंदुइज्म बोलते हैं, जबकि वास्तव में हिंदुत्व है। यह क्रिस्टीनिज्म और इस्लामिज्म से अलग है। इनमें कथित पत्रकार और इतिहासकार भी शामिल है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग ज्योतिष के जरिए हिंदुत्व को गिरा रहे हैं। सिर्फ लोकप्रिय होने के लिए ज्योतिष और इतिहास की गलत व्याख्या कर रहे हैं। जबकि आंतरिक सुरक्षा को सर्वोपरि रखना चाहिए। हमें जागना और जागना होगा। स्वतंत्रता की अभिव्यक्ति लोकतंत्र में हमें फायदा दे रहा है या नुकसान यह सोचना होगा।

सैशन में प्रियांक कानूनगो और हर्ष ने चर्चा करते हुए कहा कि वामपंथी देशों ने सोशल मीडिया के जरिए लिव इन और पोर्न की लत लगाने का प्रयास किया है। ताकि विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को ध्वस्त किया जा सके। बालिकाओं के प्रति कम्युनल जेंडर क्राइम हो रहा है। यह तब है जबकि दूसरे देशों में 38 वर्ष के मुकाबले भारत में काम करने वालों की एवरेज आयु 29 वर्ष है। भारत में 90 करोड़ की युवा आबादी सर्वाधिक है। उन्होंने कहा कि सामाजिकता की लडाई लड़ने के लिए स्वयं के विचारधारा को विकसित करना होगा। सोशल मीडिया के सही उपयोग के लिए स्वदेशी प्लेटफार्म विकसित करने होंगे।

मुख्यमंत्री ने खरीफ फसल खराबे में कृषि अनुदान को दी स्वीकृति

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस वर्ष अतिवृष्टि से खरीफ फसल के नुकसान के संबंध में संवेदनशील निर्णय लिया है। जिसके तहत उन्होंने प्रभावित 6 जिलों के किसानों के लिए अनुदान वितरण की स्वीकृति दी है। निर्णय के अनुसार, प्रभावित किसानों को एसडीआरएफ से कृषि अनुदान वितरण करने की मंजूरी दी गई है। इसके लिए 6 जिलों की 40 तहसील के 2 हजार 961 गांवों को अभावग्रस्त घोषित करने के प्रस्ताव को अनुमोदित किया है। मुख्यमंत्री के इस संवेदनशील निर्णय से अजमेर, अलवर, झुंझुनूं, कोटा, पाली और बांसवाड़ा जिले के आठ लाख से अधिक किसानों को राहत मिलेगी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को सवाई मानसिंह स्टेडियम में राष्ट्रगीत ''वन्दे मातरम्'' के 150 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

वंदे मातरम् ने हमारे स्वतंत्रता संग्राम को स्वर दिया- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने एसएमएस स्टेडियम में राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित किया

■ **मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि यह समारोह केवल उत्सव नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय आंदोलन है, जिसका उद्देश्य युवा पीढ़ी को गीत की मूल क्रांतिकारी भावना से जोड़ना है।**

जयपुर, 7 नवम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हम सभी राष्ट्रीय चेतना के महान गीत ''वन्दे मातरम्'' के 150 वर्ष पूर्ण होने के साक्षी बन रहे हैं तथा अमर काव्य की वंदना कर रहे हैं। वन्दे मातरम् ने हमारे स्वतंत्रता संग्राम को स्वर दिया, जिसने करोड़ों भारतीयों के हृदय में राष्ट्रप्रेम की ज्वाला प्रज्ज्वलित की। उन्होंने कहा कि यह केवल एक गीत नहीं है बल्कि हमारी सामूहिक चेतना, हमारी आत्मा की पुकार तथा मातृभूमि के प्रति हमारी अनंत श्रद्धा का प्रतीक है। शर्मा शुक्रवार को सवाई मानसिंह स्टेडियम में राष्ट्रगीत वन्दे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम राष्ट्रगीत के 150 वर्षों का ऐतिहासिक उत्सव मना रहे हैं। युवा भारत के भविष्य हैं, राष्ट्र की आशा हैं और इस महान विरासत के संरक्षक हैं। उन्होंने कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने आजाद हिंद फौज की अंतरिम सरकार की घोषणा के समय भी वन्दे मातरम् गाया था। क्रांतिकारी जब फांसी के तख्ते पर चढ़ते थे तो उनके होठों पर भी वन्दे मातरम् होता था। अंग्रेज इस गीत से इतने भयभीत थे कि इसे सार्वजनिक रूप से गाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया था।

शर्मा ने कहा कि केन्द्र सरकार ने 1 अक्टूबर को वन्दे मातरम् के 150वें वर्ष के राष्ट्रव्यापी समारोह की स्वीकृति देकर ऐतिहासिक निर्णय लिया है। यह समारोह केवल उत्सव नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय आंदोलन है, जिसका उद्देश्य हमारे नागरिकों को, विशेषकर हमारी युवा पीढ़ी और विद्यार्थियों को इस गीत की मूल क्रांतिकारी भावना से जोड़ना है।

मुख्यमंत्री ने वन्दे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने पर एसएमएस स्टेडियम में राज्य स्तरीय प्रदर्शनी का अवलोकन किया, जिसमें 1857 की क्रांति व भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के नायकों के योगदान से संबंधित जानकारी एवं विकसित भारत से संबंधित पेंटिंग्स दिखाई गईं।

इसके पश्चात उन्होंने वन्दे मातरम् सैण्ड आर्ट को भी देखा। समारोह में शर्मा ने प्रदेश के उत्कृष्ट खिलाड़ियों को सम्मानित किया। इसके अतिरिक्त गायक पीयूष पंवार ने राष्ट्र भक्ति के गीतों की सुरमयी प्रस्तुति दी। साथ ही, ड्रोन से स्टेडियम में पुष्प वर्षा की गई। संपूर्ण कार्यक्रम में आमजन, प्रतिभागियों, स्कूली छात्र-छात्राओं एवं कलाकारों ने एक स्वर में भारत माता की जय और वन्दे मातरम् के जयकारों से पूरे आयोजन को जोश से भर दिया। राजस्थान के लोक कलाकारों ने वाद्ययंत्रों के माध्यम से विशेष प्रस्तुतियां दी। लोगों ने केसरिया साफा पहनकर एवं हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर राष्ट्र सेवा की भावना से ओतप्रोत होकर विकसित भारत के विजन को मजबूत बनाया। शर्मा ने सभी लोगों को आत्मनिर्भर भारत की शपथ भी दिलाई। मुख्यमंत्री ने जब आसमान में गुब्बारे छोड़े तो पूरा वातावरण राष्ट्रभक्ति की भावना से सराबोर हो उठा।

इस अवसर पर युवा मामले एवं खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़, गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म, राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी, सांसद व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, घनश्याम तिवाड़ी, राव राजेन्द्र सिंह, मंजू शर्मा तथा विधायकगण सहित वरिष्ठ अधिकारी एवं बड़ी संख्या में स्कूली छात्र-छात्राएं, युवा व आमजन उपस्थित थे।

ग्रेट ईस्टर्न रिटेल पर 51 हजार का हर्जाना

■ **जिला उपभोक्ता आयोग ने एक ग्राहक के परिवाद पर आदेश दिये।**

जयपुर, 7 नवंबर। जिला उपभोक्ता आयोग, जयपुर-द्वितीय ने सेवादोष के एक मामले में ग्रेट ईस्टर्न रिटेल पर 51 हजार रुपए का हर्जाना लगाया है। वहीं एसी इंस्टालेशन चार्ज की राशि 2145 रुपए व डिस्काउंट की बकाया राशि 2000 रुपए परिवाद दायर करने की तारीख से 9 प्रतिशत ब्याज सहित परिवादी को देने का निर्देश दिया है। आयोग के अध्यक्ष ग्यारसीलाल मीणा व सदस्य सुप्रिया अग्रवाल ने यह आदेश रामप्रकाश कुमावत के परिवाद पर दिए।

परिवाद में कहा गया कि परिवादी ग्रेट ईस्टर्न रिटेल की स्कीम व छूट से प्रभावित होकर 22 मई 2025 को विपक्षी के यहां एक एसी खरीदने के लिए गया। परिवादी ने वोल्टास का 42 हजार रुपए का एसी पसंद किया तो विक्रेता ने उसे बताया कि एसी खरीदने पर डिलीवरी व इंस्टालेशन फ्री मिलेगा। वहीं, क्रेडिट कार्ड से खरीद पर 5 हजार रुपए का डिस्काउंट व एक्सटेंड वारंटी मिलने की बात भी कही। परिवाद में कहा गया कि विपक्ष विक्रेता का यह कृत्य सेवा दोष की परिभाषा में आता है। ऐसे में उसे मुआवजा और परिवाद खर्च के साथ-साथ अदा की गई राशि दिलाई जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए आयोग ने विक्रेता पर हर्जाना लगाया है।

चीन के युद्ध पोतों की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

टेक ऑफ सिस्टम, जहाज के विमानों को पारंपरिक ''स्काई जंप'' सिस्टम के बिना भी अधिक भार उठाने में सक्षम बनाता है। ऐसी प्रणाली केवल कुछ अमेरिकी विमानवाहक पोतों में ही मौजूद है। इसके अलावा, फुजियान में हथियार प्रणालियों और उच्च तकनीक वाले उपकरणों का एक विशाल भंडार है, जो इसे समुद्र में एक शक्तिशाली व दुर्जेय दुश्मन बनाता है।

दुनिया भर के मीडिया और रणनीतिक विशेषज्ञों ने इस नए पोत के शामिल होने पर गहराई से ध्यान दिया है और यह चर्चा शुरू हो गई है कि यह अमेरिका की नौसेना के लिए किस तरह की चुनौती पेश करेगा। संख्या के मामले में चीन की नौसेना कहीं आगे निकल चुकी है, हालांकि कई विशेषज्ञ मानते हैं कि तकनीकी और रणनीतिक क्षमता में अमेरिका अब भी चीन से आगे है।

जो बात अमेरिका के लिए चिंता का विषय है, वह भारत के लिए तीन गुना ज्यादा चिंताजनक है। चीन अब हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की मौजूदगी को परख रहा है। उसके जहाज अब नियमित रूप से हिंद महासागर में दिखाई देने लगे हैं, जो कि परंपरागत रूप से भारतीय नौसेना का प्रभाव क्षेत्र माना जाता है।

चीन ने अफ्रीका के पूर्वी तट पर अपनी मौजूदगी दर्ज कर ली है और उसका निगरानी क्षेत्र मलक्का जलडमरूमध्य (मलक्का स्ट्रेट्स) से लेकर दक्षिण चीन सागर तक फैल गया है। यह वही इलाका है, जो भारतीय नौसेना की प्रमुख रुचि का क्षेत्र है। कुछ दिन पहले ही भारतीय नौसेना के उप प्रमुख ने नौसेना के सामने मौजूद चुनौतियों और उसकी निगरानी क्षमताओं का विस्तृत विवरण दिया था।

लेकिन, निश्चित रुप से इस जहाज के लाँच होने से अमेरिका के लिए चिंताएं और बढ़ गई हैं। पहले ही अमेरिका उस तेज़ रफ्तार से हैरान है, जिस गति से चीन ने अपनी नौसेना में नए जहाज जोड़े हैं।

संख्या के हिसाब से चीनी नौसेना अब अमेरिकी बेड़े से कम से कम 20 प्रतिशत बड़ी है। इसके अलावा, चीन के शिपयार्ड्स में नए जहाजों के निर्माण की क्षमता अमेरिका और अन्य देशों की तुलना में कहीं अधिक है।

यह नया पोत निकट भविष्य में प्रशांत महासागर के उन इलाकों में तैनात किया जाएगा, जहां हाल के महीनों में चीनी गश्ती जहाजों और अन्य देशों के जहाजों के बीच झड़पें बढ़ गई हैं। चीन लगातार अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्रों और वैश्विक समुद्री मार्गों के बड़े हिस्सों पर अपना ''संप्रभु क्षेत्र'' होने का दावा कर रहा है। इससे दक्षिण चीन सागर के आसपास के देशों के साथ गंभीर तनाव बढ़ रहा है।

चीन पूरे दक्षिण चीन सागर को अपना विशेष समुद्री क्षेत्र बता रहा है, जबकि इस सागर के तट पर कई अन्य देशों की सीमाएँ हैं और उनके अपने समुद्री अधिकार हैं। कुछ महीने पहले चीन का फिलीपींस से विवाद हुआ था और इंडोनेशिया व वियतनाम के साथ भी लगातार तनाव बना हुआ है।

इन हालात ने चीन को न केवल अपने पड़ोसी देशों से, बल्कि दुनिया भर के अन्य समुद्री देशों से भी टकराव की स्थिति में ला दिया है। हाल ही में हुई ऐसी ही एक मुठभेड़ में ऑस्ट्रेलिया ने शिकायत की कि चीनी जहाजों ने उनके पोतों के आसपास गैर -पेशेवर तरीके से पैंतरेबाजी की और चालक दल व अन्य लोगों की जान को खतरे में डाला। तथापि, मौजूदा समय में चीन इस क्षेत्र के अन्य लोगों की शिकायतों पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है।

शी जिनपिंग चीन के साम्राज्यवादी विचार को प्राथमिकता दे रहे हैं और अब इस पुराने साम्राज्य को उसके अधिकतम विस्तार तक फिर से स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं, जिसमें लगभग पूरा दक्षिण पूर्व एशिया, आसपास के समुद्री क्षेत्र और विशेषरुप से सिलीगुड़ी कॉरिडोर सहित, भारत का संपूर्ण उत्तर -पूर्वी क्षेत्र शामिल है।

ऐसे दृष्टिकोण के साथ, चीन का कई देशों से टकराव होना तय है, और भारत इससे अछूता नहीं रह सकता। भारत के लिए सबसे बड़ी चिंता का विषय यह है कि भविष्य में चीन के साथ किसी संभावित टकराव के लिए वह पूरी तैयारी करे।

भारत को ऐसे टकराव और आमने-सामने की टक्कर से बचने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करना चाहिए, जब तक कि वह आर्थिक विकास और सैन्य शक्ति के मामले में चीन के बराबर नहीं पहुँच जाता।

आरएएस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कार्मिक विभाग के साल 2008 के परिपत्र के तहत, निलंबन से बहाल होने पर अधिकारी पदोन्नति का अधिकारी होता है। इस परिपत्र के आधार पर दो आईएएस अफसरों को भी आपराधिक मामला लंबित होने के बावजूद पदोन्नति दी गई है। ऐसे में अपीलार्थी को पदोन्नति नहीं देना गलत है। दोनों पक्षों को सुनने के बाद, अदालत ने अपीलार्थी का लिफाफा खोलने के आदेश दिए हैं।

फीफा ट्रंप को शांति ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यह पुरस्कार उस समर्थन और सहयोग के बदले किये गये एक प्रतिदान के रुप में देखा जा सकता है।

ट्रम्प के लिए यह एक सुनहरा अवसर होगा। वाशिंगटन के कैनेडी सेंटर में एक भव्य समारोह, जहां वे, उनकी छवि में चार चांद लगाने वाले, इस ''वैश्विक सम्मान'' को प्राप्त करने वाले राजनेता के रूप में प्रस्तुत होंगे, वो भी ऐसे समय पर, जब वे देश में अपनी सत्ता मज़बूत करने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन फीफा के लिए इस कदम का औचित्य समझाना शायद बहुत मुश्किल होगा। कतर की मेज़बानी विवादों से लेकर प्रायोजन घोटालों तक, अपनी छवि चमकाने के इस संगठन के पिछले प्रयास अक्सर उल्टे पड़े हैं।

नोबेल पुरस्कार की महत्ता उसकी राजनीति से दूरी में निहित है। उसकी समितियों ने हमेशा सरकारों को चुनौती देते हुये, सोवियत असंतुष्टों चीनी कार्यकर्ताओं या युद्ध क्षेत्रों में काम करने वाले मानवीय संगठनों को सम्मानित किया है। लेकिन फीफा की संरचना ही ऐसी है कि वह इस तरह की निष्पक्षता का दावा नहीं कर सकता। इसके फैसले प्रसारण सौदों, राष्ट्रीय संघों और व्यावसायिक साझेदारों से प्रभावित होते हैं।

इस असंतुलन के कारण नोबेल और फीफा की तुलना अपने आप में ही अन्यायपूर्ण है, और यह नोबेल के साथ अन्याय भी है। खेल प्रशासन के गलियारों में पैदा हुआ पुरस्कार कभी भी उस पुरस्कार की नैतिक शक्ति का वाहक नहीं हो सकता, जिसकी जड़ें वैश्विक अंतरात्मा में पैठ चुकी हैं।

सच कहा जाए तो फुटबॉल ने दुनिया के बिखरे समाजों में मेल-मिलाप की भूमिका निभाई है। अफ्रीका के युद्धग्रस्त इलाकों से लेकर जॉर्डन के शरणार्थी शिविरों तक, इस खेल ने एकता और उम्मीद के पल दिए हैं। अगर फीफा ऐसी पहलों और प्रयासों - सामुदायिक कोचों, शरणार्थी खिलाड़ियों या खेल के माध्यम से शांति अभियानों - को सम्मानित करे, तो यह पुरस्कार सचमुच सार्थक बन सकता है। लेकिन अगर इसे किसी राजनीतिक दिग्गज को दिया गया, तो ध्यान शांति से हटकर प्रचार पर चला जाएगा।

जब इन्फेंटिनो 5 दिसंबर को विजेता की घोषणा करेंगे, तो उस घोषणा में जितना विजेता के बारे में बताएगा जायेगा, उतना ही फीफा के बारे में भी। अगर पुरस्कार ट्रम्प को मिला, तो यह साफ हो जायेगा कि कैसे शांति को भी एक तमाशा बनाया जा सकता है।

नोबेल शांति पुरस्कार भले ही पूर्ण न हो, पर यह अब भी नैतिकता का मानदंड बना हुआ है। फिलहाल, फीफा का यह नया पुरस्कार, कम से कम अभी के लिए, एक जनसंपर्क प्रयोग जैसा दिखता है, जिसे नैतिकता का जामा पहना दिया गया है।

शराबी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अधिकारी ने अपना पक्ष रखते हुए गिरफ्तार आरोपी को रिमांड पर भेजने के पक्ष रखा। तमाम जिरह सुनने के बाद डंपर चालक को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। इस प्रकरण में अगली सुनवाई 21 नवंबर को रखी गई है।

कोर्ट की कार्रवाही के दौरान ही चौमूं बार एसोसिशन ने बड़ा फैसला लेते हुए डंपर चालक कल्याण मीणा की ओर से किसी भी तरह की कोई पैरवी नहीं करने का निर्णय लिया।

'वंदे मातरम्' कांग्रेस की बैठकों का हमेशा हिस्सा रहा है- खड़गे

■ **उन्होंने कहा कि आरएसएस की शाखाओं व बैठकों में यह गीत कभी नहीं गाया गया।**

नयी दिल्ली, 07 नवंबर। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने वंदे मातरम् गीत को राष्ट्र की सामूहिक आत्मा को जागृत करने वाला स्वतंत्रता संग्राम का उद्घोषक गीत बताते हुए, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) तथा भाजपा पर हमला किया और कहा कि राष्ट्रभक्ति का डंका पीटने वाले इस संगठन के लोगों ने अपनी शाखाओं में और बैठकों में इस गीत को कभी नहीं गाया।

खड़गे ने वंदे मातरम गीत की 150वीं वर्षगांठ पर शुक्रवार को एक सन्देश में कहा कि 1896 में कलकत्ता में कांग्रेस के अधिवेशन के दौरान, तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष रहमतुल्ला सयानी के नेतृत्व में, गुरुदेव रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने पहली बार सार्वजनिक रूप से वंदे मातरम् का गायन किया था और तब इस गीत ने स्वतंत्रता आंदोलन में नयी ऊर्जा भर दी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ब्रिटिश साम्राज्य की फूट डालो और राज करो नीति को समझती थी और उस समय अंग्रेजों की इस नीति के विरुद्ध वंदे मातरम् अटूट शक्ति का गीत बनकर उभरा, जिसने सभी भारतीयों को भारत माता की भक्ति में शक्ति के रूप में एक सूत्र में बांध दिया था। फिर 1905 के बंगाल विभाजन से लेकर स्वतंत्रता सेनानियों के अंतिम सांसों तक वंदे मातरम् की गूंज पूरे देश में सुनाई देने लगी। यह गीत लाला लाजपत राय के प्रकाशन का शीर्षक था, भीकाजी कामा के उस तिरंगे पर अंकित था जो उन्होंने जर्मनी में फहराया।

सरकार ने पुणे में विवादास्पद भूमि सौदे को रद्द कर दिया है- अजीत पवार

मुंबई, 07 नवंबर। पुणे के विवादित भूमि सौदे को लेकर उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने इस विवादास्पद लेनदेन को रद्द कर दिया है। विपक्षी दलों की तरफ से इस्तीफे की मांग और विवाद बढ़ने के बीच शुक्रवार को अजीत पवार ने कहा, उनके बेटे पार्थ और उनके व्यावसायिक साझेदार ने पुणे में जमीन खरीदी। हालांकि, दोनों को इस बात की जानकारी नहीं थी कि पुणे में उनकी कंपनी जो जमीन खरीद रही है, वह सरकारी संपत्ति है।

विवाद के बीच, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मिलने पहुंचे पवार ने पत्रकारों को बताया कि सौदे की जांच के लिए सरकार ने समिति गठित की है। इसकी रिपोर्ट एक महीने के भीतर आ जाएगी। इससे पहले सरकार पुणे के इस जमीन सौदे से संबंधित दस्तावेजों का पंजीकरण रद्द कर चुकी है। अधिकारियों को संबंधित हलफनामा भी सौंपा जा चुका है। डिप्टी सीएम ने यह भी कहा कि इस सौदे में एक भी रुपये का लेन-देन नहीं हुआ है। पवार ने बताया, संबंधित जमीन सरकारी है। इसे बेचा नहीं जा सकता। पार्थ और उनके साझेदार दिग्विजय पाटिल को इस तथ्य की जानकारी नहीं थी। पंजीकरण कैसे हुआ? इसका जिम्मेदार कौन है? ऐसे तमाम सवालों का जवाब तलाशने के लिए अतिरिक्त मुख्य सचिव विकास खड़गे की अगुवाई में जांच समिति बनाई गई है। वह एक महीने में अपनी रिपोर्ट सौंप देंगे।

दलितों के लिये आरक्षित भूमि कौड़ियों के भाव मंत्री पुत्र को दी- राहुल गांधी

■ **उन्होंने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र के इस मामले में प्रधानमंत्री चुप क्यों हैं**

■ **राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि दलितों के लिये आरक्षित 1800 करोड़ रुपये की सरकारी भूमि मंत्री के बेटे की कम्पनी को 300 करोड़ रुपए में बेच दी गई।**

नयी दिल्ली, 07 नवंबर। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार को दलित विरोधी करार देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर हमला किया और कहा कि महाराष्ट्र के एक प्रभावशाली मंत्री के बेटे को दलितों के लिए आरक्षित सरकारी जमीन कौड़ियों के भाव बेच दी जाती है, लेकिन मोदी इस पर कुछ नहीं बोलते।

उन्होंने कहा कि इस जमीन की कीमत 1800 करोड़ रुपए से अधिक है, लेकिन राज्य सरकार के प्रभावशाली मंत्री के बेटे को कंपनी चलाने के लिए सरकार ने यह जमीन महज 300 करोड़ रुपए में बेच दी और स्टाम्प ड्यूटी में छूट भी दे दी। आश्चर्य की बात यह है कि खुद को दलितों का हितैषी बताने वाले प्रधानमंत्री मोदी इस बारे में मौन साधे हुये हैं। गांधी ने सोशल मीडिया एक्स पर शुक्रवार को एक पोस्ट में कहा कि महाराष्ट्र में दलितों के लिए आरक्षित 1800 करोड़ रुपए की सरकारी ज़मीन सिर्फ़ 300 करोड़ रुपए में मंत्री जी के बेटे की कंपनी को बेच दी गई है। ऊपर से स्टाम्प ड्यूटी भी हटा दी। मतलब एक तो लूट और उस पर कानूनी मुहर में भी छूट। उन्होंने ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से कहा कि वे लुटेरों की लूट पर मौन हैं, क्योंकि वे ही उनकी सरकार का आधार हैं। उन्होंने कहा ''मोदी जी, आपकी चुप्पी बहुत कुछ कहती है - क्या आप इसीलिए खामोश हैं, क्योंकि आपकी सरकार उन्हीं लुटेरों पर टिकी है, जो दलितों और वंचितों का हक़ हड़पते हैं।''

तकनीकी खराबी के कारण दिल्ली से उड़ानों में देरी

नयी दिल्ली, 07 नवंबर। स्वचालित संदेश स्विचिंग सिस्टम (एएमएसएस) में तकनीकी खराबी आने के कारण राजधानी के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआईए) और उत्तर भारत के कई अन्य स्थानों पर उड़ानों में देरी हो रही है।

एएमएसएस एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) डेटा का समर्थन करता है। विमानन कंपनी इंडिगो ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, ''एएमएसएस में तकनीकी समस्या के कारण, दिल्ली हवाई अड्डे और उत्तरी क्षेत्र के कुछ अन्य हवाई अड्डों पर सभी एयरलाइनों की उड़ानें इस समय देरी का सामना कर रही हैं।'' भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण (एएआई) ने भी इस व्यवधान की पुष्टि की है।

पूर्व विधायक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कि अपीलार्थी को जमानत मिलने के बाद उसने जुलूस निकालकर शक्ति प्रदर्शन किया था। हाईकोर्ट ने भी इस आधार पर केस को धौलपुर से जयपुर ट्रांसफर किया था। आरोपी मंत्री और तीन बार विधायक रह चुका है। ऐसे में इन जिलों में वह दबदबा रखता है। इसलिए अपील को खारिज किया जाए। दोनों पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने अपील को खारिज कर दिया है।

मानेसर भूमि घोटाले में पूर्व मुख्यमंत्री हुड्डा की मुश्किलें बढ़ीं

पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने उनकी याचिका खारिज कर सीबीआई का रास्ता खोला

■ **सीबीआई का आरोप है कि मानेसर के आसपास के गांवों में किसानों से सस्ते दाम से भूमि अधिग्रहित की गई। बाद में निजी बिल्डरों को रियायती दामों पर लाइसेंस जारी किये गये।**

चंडीगढ़, 07 नवंबर। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेन्द्र सिंह हुड्डा को मानेसर भूमि घोटाला मामले में पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय से बड़ा झटका लगा है। अदालत ने शुक्रवार को सुनवाई के दौरान उनकी याचिका खारिज कर दी, जिससे पंचकूला स्थित केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की विशेष अदालत में अब आरोप तय करने की प्रक्रिया का रास्ता साफ हो गया है।

उच्च न्यायालय से राहत न मिलने के बाद, अब सीबीआई की विशेष अदालत हुड्डा और अन्य आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करेगी और मुकदमे की औपचारिक कार्यवाही शुरू होगी। सीबीआई पहले ही इस मामले में आरोप पत्र दाखिल कर चुकी है, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री सहित कई लोगों पर गंभीर अनियमितताओं के आरोप लगाए गए हैं। गौरतलब है कि 2007 में भूमि अधिग्रहण से जुड़ा यह मामला उच्चतम न्यायालय के आदेश पर सीबीआई को सौंपा गया था। शीर्ष अदालत ने तत्कालीन हुड्डा सरकार द्वारा अधिग्रहण प्रक्रिया रद्द करने के फैसले को दुर्भावनापूर्ण बताते हुए इसे धोखाधड़ी की श्रेणी में रखा था। अदालत ने सीबीआई को बिचौलियों द्वारा कमाए गए अवैध लाभ की जांच करने और सार्वजनिक धन की वसूली के निर्देश दिए थे। सीबीआई ने सितंबर 2015 में जांच शुरू की थी और 2018 में हुड्डा समेत 34 आरोपियों के खिलाफ लगभग 80,000 पन्नों का आरोप पत्र दाखिल किया था। एजेंसी ने आरोप लगाया कि गुरुग्राम जिले के मानेसर और आसपास के गांवों में किसानों से सस्ते दामों पर जमीन अधिग्रहित की गई और बाद में निजी बिल्डरों और रियल एस्टेट कंपनियों को रियायती दरों पर लाइसेंस जारी किए गए।

'उन्नीस सौ सैंतीस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मोदी पर पलटवार करते हुए कहा कि आरएसएस और भाजपा ने न तो यह गीत कभी गाया, न ही स्वतंत्रता संग्राम में भाग लिया। अक्टूबर 1937 में कांग्रेस ने गीत के केवल पहले दो पदों को अपनाने का फैसला किया था, जिनमें शेष पदों की तरह देवी-देवताओं का धार्मिक चित्रण नहीं था। बाकी पदों में भारत माता को हिंदू देवियों, दुर्गा, लक्ष्मी और सरस्वती के रूप में चित्रित किया गया था। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सी. आर. केशवन ने नेहरू द्वारा सुभाषचंद्र बोस को लिखे 1937 के पत्र का हवाला देते हुए कहा कि नेहरू ने लिखा था-यह गीत ''मुसलमानों को नाराज़ कर सकता है''। केशवन का कहना था कि नेहरू का यह दृष्टिकोण एक ''ऐतिहासिक भूल'' थी, जिसने गीत के राष्ट्रीय प्रतीकवाद को कमजोर किया। ''वंदे मातरम्'' का विवाद पहले भी कई बार भड़क चुका है, खासकर राजस्थान और जम्मू-कश्मीर जैसे राज्यों में, जहां स्कूलों और मदरसों में इस गीत के गायन को अनिवार्य करने के सरकारी आदेशों का मुस्लिम संगठनों ने विरोध किया था। यह गीत पहली बार 1882 में बंकिमचंद्र चटर्जी के उपन्यास ''आनंद मठ'' में सामने आया था।

राजकॉम्प ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

खरीद व रखरखाव के लिए उदयपुर जिले का टेंडर एक फर्म को दिया गया। इस कंपनी ने डी.एस.ओ. के फर्जी साइन कर कार्य संपूर्णता का प्रमाण पत्र पेश कर सालों तक करोडों रुपए का भुगतान उठाया। आरटीआई में मिली जानकारी के अनुसार डी.एस.ओ. ने ऐसा कोई प्रमाण पत्र ही जारी नहीं किया था। इसी तरह टोंक में भी फर्जीवाड़ा कर भुगतान उठाया गया। याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता संस्था के सदस्य टीएन शर्मा ने एसीबी में इसकी कई बार शिकायत की, लेकिन एसीबी ने धारा 17-ए के तहत जांच की स्वीकृति के लिए मामला भेज दिया। जबकि नीतिगत निर्णय से जुड़े मामले में ही इस धारा के प्रावधान लागू होते हैं। मामले पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

अधिकतर देश के इकॉनमिस्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तो देख रहे हैं, लेकिन कोई स्थाई बदलाव नहीं।''

एसबीआई का अपना मजबूत प्रदर्शन, जो स्वस्थ ऋण वृद्धि और स्थिर परिसंपत्ति गुणवत्ता, (स्टेबल एसैट क्वालिटी) में परिलक्षित होता है, एक और चिंता को छुपाता है: ये है असुरक्षित ऋणों में तेजी से हो रही बढ़ोतरी। खुदरा और व्यक्तिगत ऋण में तेज वृद्धि को देखते हुए नियामक पहले ही संभावित जोखिमों पर चेतावनी दे चुके हैं। अगर रोजगार सृजन धीमा हुआ या ब्याज दरें अप्रत्याशित रूप से बढ़ीं, तो इससे परिवारों की वित्तीय स्थिति पर असर पड़ेगा और बैंकों को नए जोखिमों का सामना करना पड़ सकता है।

बाहरी मोर्चे पर भी माहौल चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। कमोडिटी बाज़ार अस्थिर हैं, तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव है और वैश्विक व्यापार अभी भी पूरी तरह स्थिर नहीं हुआ है। आईएमएफ की ताज़ा रिपोर्ट में कहा गया है कि विकसित देशों में वृद्धि असमान है, जबकि चीन की मंदी और व्यापारिक बदलावों का असर भारत जैसे उभरते देशों पर पड़ सकता है। शेट्टी ने इन जोखिमों को स्वीकार करते हुए कहा कि नीति निर्माताओं को अल्पकालिक प्रोत्साहन की बजाय स्थिरता और दीर्घकालिक टिकाऊ विकास पर ध्यान देना चाहिए। हालांकि आलोचकों का कहना है कि 2026 के आम चुनावों से पहले राजकोषीय अनुशासन और ढांचागत सुधारों की गति धीमी पड़ गई है।

हालांकि महंगाई में कमी आई है, लेकिन अभी भी आरामदायक स्तर से ऊपर बनी हुई है, खासकर खाद्य और सेवाओं के क्षेत्र में। मुख्य महंगाई के दबाव में कमी आई है, लेकिन आम परिवार अभी भी खाद्य वस्तुओं, बिजली और स्वास्थ्य सेवाओं की बढ़ी हुई कीमतों से परेशान हैं। आम भारतीयों के लिए अर्थव्यवस्था की मजबूती का मतलब कई बार बढ़ती लागत, और स्थिर वेतन से होता है, एक ऐसा अंतर जिसे केवल आंकड़ों से नहीं छिपाया जा सकता।

आईसीआरए की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर का कहना है, ''भारत की विकास कहानी तुलनात्मक रूप से प्रभावशाली है, लेकिन इसके लाभ समान रूप से नहीं बंटे हैं। जब तक ग्रामीण मांग और वास्तविक वेतन में सुधार नहीं होता, तब तक जीडीपी के ऊंचे आंकड़े वास्तविक आर्थिक ताकत को पूरी तरह नहीं दिखा पाएंगे।''

शेट्टी ने दीर्घकालिक स्थिरता, हरित वित्त और जलवायु लचीलेपन की जरूरत पर जोर दिया, लेकिन यहां भी प्रगति असमान रही है। तमाम घोषणाओं के बावजूद भारत की हरित अर्थव्यवस्था में निवेश अभी भी सीमित है, और बैंकों ने नए ऋणों में से केवल 5 प्रतिशत से भी कम राशि पर्यावरणीय रूप से टिकाऊ क्षेत्रों को दी है।

शेट्टी का सतर्क आशावाद निराधार नहीं है, लेकिन यह कुछ अहम असंतुलनों को नजरअंदाज करता है। भारत की वृद्धि भले ही तुलनात्मक रूप से मजबूत हो, पर यह अभी व्यापक, समावेशी या झटकों से मुक्त नहीं है। एचएसबीसी की मुख्य भारत अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी के शब्दों में, भारत तेज़ दौड़ रहा है, लेकिन शायद अपनी ही विसंगतियों के बोझ से पूरी तरह आगे नहीं निकल पा रहा।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908